RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 March 2020

अंक – 9 (मासिक) वर्ष – 15 मार्च 2020 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

नया साल, नये सपने, नये संकल्प ... नव संवत्सर 2077

अंतर्राष्ट्रीय वैवाहिक डायरेक्ट्री **माहेश्वरी मेलापक 2020** का हुआ विमोचन

महिलाओं की 'आशा' बनी आशा माहेश्वरी

देखें प्रति मंगलवार
SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

Visit us @ www.srimaheshwaritimes.com

RR KĀBEL

MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME

DO THE
AKALMAND
THING!

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F :** +91 - 22 - 2491 2586 • **E :** mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F :** +91 - 265 - 2321 894 • **E :** vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-9 ▸▸ मार्च, 2020 ▸▸ वर्ष-15

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री रामकुमार टावरी (नईदिल्ली)

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

अतिथि सम्पादक
सी.ए. भरत सारड़ा (इंदौर)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

।। सुस्वागतम् ।।

विक्रम संवत् २०७७

सभी सुधी पाठकों को
नूतन वर्ष की
हार्दिक मंगलकामनाएं

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

विचार क्रान्ति

शांति के लिए संतोष व सत्संग!

कौरव और पांडव भाई-भाई होकर भी राज्य यानी धन के लिए लड़े। कौरव मारे गए और पांडवों ने राज्य पाया। मगर धन अकेला नहीं आता, अपने साथ बहुत कुछ लाता है। महाभारत कहता है असंतोष ही लक्ष्मी की प्राप्ति का मूल कारण है। मतलब लक्ष्मी उसी को मिलती है जो सदा असंतुष्ट रहता है। तब असंतुष्ट के पास धन के साथ सौ संताप भी आते हैं। धन खोकर ही दुःख नहीं आता, धन पाकर भी आता है। जैसे युधिष्ठिर ने अनुभव किया।

शांतिपर्व की कथा है महायुद्ध में धन के लिए भाइयों को मारकर युधिष्ठिर को ग्लानि और विरक्ति दोनों एक साथ हुई। वे पाकर भी मन ही मन इतने दुःखी हो गए कि मिला हुआ राजपाट छोड़कर जंगल जाने को आमादा हो गए। आशय था जिसके लिए इतने कष्ट उठाए, वन-वन भटके, अज्ञातवास में छुपकर रहे और फिर लड़े, उस धन को प्राप्तकर भी शांति न थी। यानी शांति न खोने में है, न ही पाने में। तब शांति किस चीज में है?

इस कथा के प्रसंग में इसका उत्तर महामुनि देवस्थान के उपदेश में मिलता है। कथा के अनुसार जब युधिष्ठिर भाइयों के रोके भी संन्यास से रुकने को राजी न हुए तब मुनि देवस्थान बोले संतोष के बगैर शांति नहीं है, जो लोग स्वर्ग-सा सुख और मन की शांति चाहते हैं उन्हें अपने भीतर संतोष को साधना चाहिए।

इसलिए कि 'हे राजन्! मनुष्य के मन में संतोष होना स्वर्ग की प्राप्ति से भी बढ़कर है। संतोष ही सबसे बड़ा सुख है। यह संतोष यदि मन में भलीभाँति प्रतिष्ठित हो जाए तो उससे बढ़कर संसार में कुछ भी नहीं है।

किसी से द्रोह न करना, सत्य बोलना, सभी प्राणियों को यथायोग्य उनका भाग समर्पित करना, सबके प्रति दया भाव रखना, मन और इंद्रियों का संयम रखना, अपनी ही पत्नी से संतान उत्पन्न करना तथा मृदुता, लज्जा व अचञ्चलता आदि गुणों का अपनाना, ये ही श्रेष्ठ और अभीष्ट धर्म हैं। जो संतोषपूर्वक जीवन मे इनका पालन करता है, वह मन-जीवन की हर 'महाभारत' से बच जाता है। जो नहीं करता वह या तो दुर्योधन आदि की तरह मरता है या युधिष्ठिर की तरह राज्य पाकर भी रोता है। शुक्र था कि युधिष्ठिर ने मुनिवर की बात मान ली! इसमें यह भी सीख है कि संशय, संताप और शोक में श्रेष्ठजनों का कहा मान लेने (सत्संग करने) से भी शांति का मार्ग प्रशस्त हो जाता है।

● डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

समाज की शक्तिपूजा

नवसंवत की शुरूआत शक्तिपूजा के साथ की जाती है। भगवान श्रीराम ने भी शक्तिपूजा कर समाज की विकृतियों पर विजय हासिल की थी। वस्तुतः जब तक हम बुराइयों पर विजय हासिल नहीं करते तब तक सुसंस्कृत, सुसभ्य समाज की परिकल्पना पूरी नहीं हो सकती। विजय के लिए शक्ति चाहिए। यह शक्ति बाहर से नहीं समाज के भीतर से ही आती है। श्रीराम से लेकर विक्रमादित्य तक की भारतीय परम्परा में नेतृत्व करने वालों ने इसी ताकत को जुटाया, एकाकार किया और समाज को नई दिशा दी। श्रीराम शक्ति पूजा कर विजय यात्रा शुरू करते हैं, तो विक्रमादित्य शक्ति पूजा के पहले दिन से सुगठित समाज की शुरूआत का ऐलान कर नए युग का सूत्रपात करते हैं। भारतीय नायकों की वही खासियत वीर शिवाजी तक नजर आती है। इसलिए इन नायकों को समाज में पूजा जाता है। श्री माहेश्वरी टाईम्स समाज की ताकत बनने वाले उन अनजान समाज सेवियों के कृतत्व को सामने लाने के लिए इस अंक से नया स्तंभ 'नींव के पत्थर' शुरू कर रही है।

इस अंक में उज्जैन के मौन समाजसेवी कैलाश नारायण राठी से परिचित करा रहे हैं। श्री राठी की खासियत यह है कि वे समाज बंधुओं के यहां उस समय सबसे आगे रहते हैं, जब उस परिवार में शोक हो या कोई मुश्किल घड़ी। परिवार की मदद के लिए राठी ने अपने साथियों की टीम बना रखी है। सालों से समाज में यह अनूठी सेवा दे रहे राठी ने कभी अपनी इस महत्वपूर्ण सेवा का प्रचार करने में रूचि नहीं ली। मौन रहकर सेवा देने वाले ऐसे ही समाजसेवी समाज की ताकत हैं। ऐसे ही बंधुओं के कारण समाज का मस्तक ऊँचा उठता है। पद-प्रतिष्ठा के मोह से दूर रह कर सेवा देने वाले ऐसे बिरले समाजसेवियों को श्री माहेश्वरी टाईम्स का यह सेल्यूट है। ऐसे नींव के पत्थरों को हम तलाशेंगे और समाज को उनकी सेवाओं से परिचित कराएंगे। नवसंवत 2077 आपके जीवन को सुखी-समृद्ध और खुशहाल बनाए, यही मंगल कामनाएं हैं। यह नया संवत्सर प्रमादि का मंत्रिमंडल जिन ग्रहों से मिलकर बना है, उनमें से सात ऐसे शुभ ग्रह हैं जिनके कारण यह साल सभी के लिए शुभ और मंगलकारी रहेगा।

इस अंक में आप महासभा की इस सत्र की कार्य समिति की प्रथम बैठक की रपट भी पढ़ सकेंगे। महासभा ने उन कामों को आगे बढ़ाने का फैसला किया है जो पिछले कार्यकाल में अधूरे रह गए थे। निश्चित ही महासभा की यह प्रतिबद्धता सराहनीय है। महासभा अपने पिछले वादों को पूरा करने के साथ भविष्य के लिए समाज उत्थान के नए प्रकल्प हाथ में लेगी। यह उम्मीद पूरे समाज को है। होली के मौके पर सभी पदाधिकारियों और समाज के वरिष्ठ आपसी मतभेद भुलाकर समाज को आगे ले जाने का प्रयत्न करेंगे, यह विश्वास समाज को देना होगा। राष्ट्रीय महिला संगठन अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने भी महिला उत्थान के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है। इससे महिला संगठन में क्रियाशीलता व रचनात्मकता प्रदर्शित हुई है।

मैं हर्ष के साथ बताना चाहता हूँ श्री माहेश्वरी टाईम्स हर वर्ष की तरह आगामी अंक समाज की नारी शक्ति को समर्पित ''महिला विशेषांक'' का प्रकाशन करने जा रही है। इसमें आप पाऐंगे समाज की ऐसी नारियों की कहानियाँ जिन्होंने अपने दम पर सफलता के आसमान को छुआ है। यदि आपकी जानकारी में कोई ऐसी महिला हो तो हमें जानकारी अवश्य प्रेषित करें। यह अंक हमेशा की तरह विविध विषयों पर आधारित रूचिकर आलेखों के साथ ज्ञानवर्द्धक और मर्मस्पर्शी पठनीय सामग्री से पूर्ण करने की कोशिश की है। इसमें हम कितने सफल हुए यह तो आपकी प्रतिक्रया से ही पता चलेगा। इसलिए अपनी राय देना न भूलें।

जय महेश

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

इंदौर (म.प्र.) निवासी ख्यात सीए श्री भरत सारड़ा का जन्म 8 जनवरी 1960 को भीलवाड़ा (राजस्थान) में स्व. श्री राधेश्याम व श्रीमती कमलादेवी सारड़ा के यहाँ हुआ। वर्ष 1982 बेच से सीए बनने के बाद सीटी बैंक से जुड़े। जहां अपना सर्वश्रेष्ठ कार्य पर बेस्ट सीपीए का अवार्ड हासिल किया। वर्ष 1985 में प्रोफेशनल कंसलटेंसी फर्म एवं वर्ष 1995 में नॉन बैंकिंग फायनेंस कंपनी के क्षेत्र में प्रवेश किया जो निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। प्रोफेशनल सेवाओं के साथ ही पोर्टपोलियो इनवेस्टमेंट, रियल स्टेट मेनेजमेंट आदि क्षेत्रों में कदम बढ़ाएं है। श्री सारड़ा अभी तक सामाजिक एवं व्यावसायिक उद्देश्यों से यूरोप, चायना, सिंगापुर, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलेंड आदि का भ्रमण कर चुके हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में आप सारडा रिसोर्सेस प्रा.लि. इंदौर के डायरेक्टर, सारडा कासर एण्ड कंपनी सीए के पार्टनर तथा कई कम्पनियों से सम्बद्ध हैं। म.प्र. स्टाक एक्सचेंज के डायरेक्टर रहे हैं। समाज सेवा के अंतर्गत महासभा के 26वें सत्र में कार्यकारी मंडल सदस्य तथा 27वें, 28वे व 29 वे सत्र में भी कार्यसमिति सदस्य रहे। वर्तमान में श्री बांगड़ मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के प्रदेश संयोजक की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। समाज की कई संस्थाओं से सम्बद्ध होकर भी सतत सेवा दी है। समाजसेवा के अंतर्गत आप सारडा फाउण्डेशन इंदौर को मैनेजिंग ट्रस्टी तथा श्री राधेश्याम कमलादेवी सारड़ा का चेरिटेबल ट्रस्ट मनासा को ट्रस्टी के रूप में सेवा दे रहे हैं। समाज सेवा में 1984 से जुड़े। अनेक संगठनों के फाउंडर विशेषकर 31 वर्षों पूर्ण देश का प्रथम कपल क्लब, प्रथम प्रोफेशनल फोरम का गठन किया।धर्मपत्नी भी जिला माहेश्वरी महिला संगठन को अध्यक्ष के रूप में सेवा दे रही हैं।आपके पुत्र और पुत्री ऑल इंडिया रेंकर सीए. हैं। बहु और दामाद भी सीए. हैं। पुत्र सेंट्रल इंडिया के ख्यात सेबी रजिस्टर पोर्टफोलियो मैनेजर हैं, जो काम्पाउंड एवरीडे एलएलपी के नाम से सेवाएं देते हैं।

समाज के प्रति हो परिवार भावना

समाज वास्तव में क्या है? यह एक वृहद परिवार ही है, जिसमें परस्पर हम एक-दूसरे के सुख दुःख और परेशानियों में हम सहयोगी बनते हैं। अतः यदि समाज की जड़ों को मजबूत बनाये रखना है, तो हमें समाज के प्रति परिवार भावना को रखनी होगी, जिसमें हर सदस्य का हित ही लक्ष्य होता है। यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारा शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा इस जिम्मेदारी को हमेशा बहुत ही सजगता से निभाता रहा है। यही कारण है कि हमारा समाज आज अत्यंत प्रतिष्ठित समाज की श्रेणी में प्रतिष्ठित है।

इसके बावजूद हमें हरदम समाज के प्रति चिंतनशील रहना होगा कि कहीं हमारी "परिवार भावना" कमजोर तो नहीं हो रही। महासभा ने समाज के सर्वांगीण विकास तथा हर वर्ग के उत्थान के लिए कई योजनाऐं बनाईं हैं और इसमें भी सुखद संदेश यह है कि इन सभी योजनाओं में कभी भी धन की कमी नहीं आई। समाज के समर्थजनों ने योजनाओं के लिये उसी तरह अपनी तिजोरियाँ खोल दीं, जैसे परिवार की आवश्यकता पर खोली जाती हैं। समाजहित के इस प्रयासों के लिये महासभा व समस्त सहयोगी बधाई के पात्र हैं। इन योजनाओं का समाजजनों तक लाभ भी पहुंचा, लेकिन खेद है कि अभी भी समाज में कई ऐसे जरूरतमंद हैं, जिन्हें इसका लाभ मिलना था, लेकिन उन तक जानकारी भी नहीं पहुंचा पायी। इस विषय पर चिंतन आवश्यक है कि ऐसा क्यों हो रहा है? कहीं न कहीं इसमें इन योजनाओं के पर्याप्त प्रचार-प्रसार की कमी अवश्य ही है। जब तक ये योजनाऐं उन लोगों तक नहीं पहुँचेंगी, जो इनके वास्तविक अधिकारी हैं, तब तक इन योजनाओं को सफल नहीं कहा जा सकता।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा की श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी द्वारा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों का "फैमिली फ्लोटर मेडिक्लेम" समूह बीमा करवाया जा रहा है। इसमें बीमा प्रीमियम की राशि का 50 से 75 प्रतिशत आर्थिक सहयोग सोसायटी द्वारा दिया जाता है तथा शेष राशि में महासभा व स्थानीय संगठन भी आर्थिक सहयोग देते हैं। इंदौर जिले में यह योजना गत 5 वर्षों से जारी है व इस वर्ष पुनः इसके अंतर्गत 64 परिवारों का बीमा हो चुका है तथा 70 अन्य परिवार भी इस प्रक्रिया में हैं। यह योजना इन परिवारों को बिना आर्थिक बोझ के चिकित्सा में आर्थिक सहयोग प्रदान करेगी। यह समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अत्यंत लाभदायक योजना है, फिर भी समाज के अधिकांश संगठन इसका अभी तक क्रियान्वयन नहीं कर पाये, ऐसा क्यों हो रहा है, इस पर चिंतन अनिवार्य है। सभी संगठनों के प्रमुखों से अनुरोध है कि वे इसके लिये शीघ्र ही ठोस योजना बनाऐं और समाजजन भी निःसंकोच इसका लाभ लेने के लिये आगे आऐं।

हमारा समाज वर्तमान में एक विकट समस्या से जूझ रहा है और वह है, समाज की युवा पीढ़ी का समाज की मुख्यधारा से दूर रहना या निष्क्रिय रहना। युवा तो समाज का भविष्य हैं। ऐसे में आखिर हमारे समाज का भविष्य क्या होगा? इस मुद्दे को संगठन स्तर पर अत्यंत गंभीरता से लेना अनिवार्य हो गया है। कहीं न कहीं इसका कारण युवा पीढ़ी में समाज के प्रति पारिवारिक सोच का अभाव होना अवश्य है। इसके लिये पारिवारिक रूप से उनके अंदर समाज के संस्कारों को सम्प्रेषित करना अनिवार्य है। ऐसा तभी हो सकता है, जब उन्हें समाज की जिम्मेदारी सौंपी जाऐ। जब उन्हें यह जिम्मेदारी मिलेगी तो स्वाभाविक रूप से उन्हें समाज को समझने का अवसर मिलेगा, साथ ही अपनत्व की भावना का भी विकास होगा।

एक और विचारणीय विषय है, कुछ परिवारों में केवल दो बेटियां हैं व कुछ परिवारों में केवल दो बेटे हैं। क्या माहेश्वरी समाज प्रत्येक वंश आगे चलता रहे, इसका कोई हल चीन, सिंगापुर, मलेशिया के कुछ शहरों की तर्ज पर सोचेगा? जहां विवाह पश्चात लड़का, लड़की के घर सम्पत्ति व गौत्र को अपनाता है। अंत में मैं समाज संगठन के समस्त नेतृत्वकर्त्ताओं ही नहीं बल्कि हर समाजजन से अपील करना चाहता हूँ कि न सिर्फ वे स्वयं समाज के सुख दुःख में सहभागी बनें बल्कि अपनी युवा पीढ़ी को भी करें। ऐसा करने से ही उन्हें समाज का महत्व समझाया जा सकता है।

सी.ए. भरत सारड़ा, इंदौर
अतिथि सम्पादक

श्री खीवंज माताजी

इस स्तम्भ में आप माहेश्वरी समाज की कुलदेवियों के दर्शन कर रहे हैं। शृखंला में प्रस्तुत है- खीवंज माताजी। भारत को विश्व में परमाणु शक्ति का दर्जा दिलाने वाले राजस्थान के पोकरण में स्थित माताजी स्वयं-भू शक्ति है। केवल माहेश्वरी समाज ही नहीं हर वर्ग समुदाय यहां से आशीर्वाद प्राप्त कर अपने जीवन को धन्य समझता है। आईए चलें माताजी की यात्रा पर-

खीवंज माताजी माहेश्वरी जाति की भूतड़ा खांप की कुलदेवी है। इसके अतिरिक्त भूतड़ा परिवार में भूतड़ा, चेचाणी, देवदतमाणी, देवगट्टानी, चौधरी तथा सर्राफ आदि नख वाले लोग भी इन्हें अपनी कुलदेवी मानते हैं।

मातेश्वरी का आदि-अनादि मंदिर राजस्थान के जैसलमेर जिले के ग्राम पोकरण में स्थित है। पोकरण के दक्षिण में 4 किमी दूर बाड़मेर राजमार्ग पर एक पहाड़ी पर शोभायमान मातेश्वरी की मूर्ति चट्टान के अन्दर से स्वयं जागृत रूप में प्रकट है जिसकी विशेष मनुष्य आकृति नहीं है। माताजी का स्वरूप बड़ा ही तेजस्वी व अत्यंत ही चमत्कारी है। मन्दिर पर लगे स्तम्भ राजा विक्रमादित्य कालीन हैं जिससे ज्ञात होता है कि मंदिर आठवीं शताब्दी से पहले का बना हुआ है। मुगलकाल में औरंगजेब द्वारा इस मन्दिर को नष्ट करने का प्रयास करने पर माताजी के अद्भुत चमत्कार से भयभीत औरंगजेब ने पुनः निर्माण करवाया था। उस समय से यह ऐतिहासिक मन्दिर विद्यमान है। मन्दिर तक पक्की सड़क है।

मातेश्वरी को लाल वस्त्र,लाल पुष्प व फलों में अनार अति प्रिय है। यहां अखण्ड ज्योत जलती रहती है। वर्ष में दो बार चैत्र शुक्ल पक्ष व आसोज शुक्ल पक्ष नवरात्रि में यहाँ मेला लगता है जिसमें दूर-दूर से यात्री सम्मिलित होने आते हैं। शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नवरात्रि स्थापना, पूजन व अखण्ड पाठ चलता है, अष्टमी को हवन होता है। रात्रि में सत्संग व जागरण के पश्चात नवमी के दिन महाप्रसादी का आयोजन किया जाता है।

मातेश्वरी मन्दिर की व्यवस्था, अखण्ड ज्योत व पूजन सुचारु चलाने के लिए एवं मन्दिर का पूर्ण जीर्णोद्धार करवाने के लिए सन् 1982 में एक संचालक मण्डल (ट्रस्ट) का गठन किया गया जिसे राज्य सरकार द्वारा पंजीकृत करवाया गया है। मंदिर में रहने-ठहरने की अच्छी व्यवस्था है। यहां पहुंचने के लिए सभी प्रकार के साधन उपलब्ध हैं।

महासभा के 29वें सत्र की प्रथम कार्य समिति बैठक सम्पन्न

कार्यसमिति सदस्यों का हुआ मनोनयन - 28वें सत्र की अधूरी योजनाओं को देंगे गति

मुंबई। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 29 वे सत्र की प्रथम कार्यसमिति की बैठक देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भगवन शिव-पार्वती के शुभ विवाह के दिवस महाशिवरात्रि के दिन 21 फरवरी को आयोजित हुई। बैठक में महासभा के पदाधिकारी, पूर्व सभापति, देशभर के 27 प्रदेशों से चुने गए अध्यक्ष, मंत्री, महासभा कार्यसमिति सदस्य, समस्त ट्रस्टों के महासभा कार्यसमिति सदस्य व विशेष आमंत्रित महानुभावों ने हिस्सा लिया।

बैठक का उद्घाटन डीमार्ट के राधाकृष्ण दम्माणी की अनुपस्थिति में महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी ने किया। मुख्य अतिथि इंडिया निवेश के राजेश नुवाल थे। स्वागत उद्बोधन मुंबई प्रदेश के अध्यक्ष बिहारीलाल मालपानी ने दिया। राजेश नुवाल ने कहा कि माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित समस्त धर्मशाला, अस्पताल, छात्रावास, अतिथि गृह, स्कूल, कालेज अदि एक ही पेरेंटल -एपेक्स बड़ी बने, जिससे समाज की दानशीलता का पता समस्त देशवासियों को चल सके। उद्घाटनकर्ता रामपाल सोनी ने कहा कि इस सत्र में समयबद्ध लक्ष्य तय करें कम समय, मध्यम समय व दीर्घकालीन लक्ष्य बना कर अपनी कमियों को दूर करते हुए उन लक्ष्यों को कैसे हासिल करना व उनके लिए क्या प्रगति हुई, इसकी निरंतर समीक्षा कार्यसमिति केवल नीतिगत निर्णय करें। उन्होंने यह भी कहा कि मतदाताओं का विश्वास बनाये रखने की जिम्मेदारी अब नयी टीम की है। 28 वें सत्र के मुकाबले 29 वें सत्र के मुकाबले में पांच गुना कार्य करें।

सदस्य संख्या से तय होगी कार्यकारी मंडल सीटें

सभापति श्याम सोनी ने अपने-अपने उद्बोधन में इसकी स्वीकारोक्ति भी दी और कहा कि जो टारगेट दिया, वह पूरा करेंगे। अगली योजनाओ में एप्प के माध्यम से सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण का शेष रहा कार्य शीघ्र पूर्ण कर डाटा का उपयोग कर वैवाहिक सेवाऐं प्रदान की जाऐगी। सभी परिवारों की अपनी स्वयं की छत हो, सामाजिक सुधार व वीडियो कांफ्रेंसिंग पर जोर रहेगा। इस बार वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी पर समाज के उत्पत्तिस्थल लोहार्गल में रहने की घोषणा की। श्री सोनी ने कार्यकारी मण्डल की सीटें परिवारों की संख्या के बजाय परिवार के सदस्यों की संख्या के आधार पर बाँटने बाबत अगले छह माह में विचार करने की बात कही व आग्रह किया कि सभी प्रदेश पारिवारिक जानकारी शीघ्र परिवार के सदस्यों की जानकारी अपलोड करवायें। महासभा के गत 28 वे सत्र की प्रथम बैठक में इंदौर में तीन नए ट्रस्टों की घोषणा के अनुरूप इस बार कोई नयी घोषणा नहीं की गई। महामंत्री संदीप काबरा ने महासभा के इतिहास में पहली बार चारो पदाधिकारियों को पुनः चुनने पर सभी का आभार माना व शिवरात्रि के दिन शिव की भांति जहर स्वयं ग्रहण करने व अमृत पूरे समाज व देश ही भलाई के लिए बाँटने का कार्यसमिति सदस्यों से आव्हान किया।

प्रोत्साहन व विकास की रूपरेखा

बैठक में मुख्य चुनाव अधिकारी प्रकाश बाहेती ने सम्पन्न चुनावों की जानकारी व सुधार के लिए अपने सुझावों से अवगत करवाया। उनके आग्रह पर महासभा ने पांचों अंचल को चुनाव खर्च के लिए एक-एक लाख रूपये महासभा की ओर से देने की घोषणा की। अर्थ मंत्री सीए. आर एल काबरा ने महासभा व रिलीफ फण्ड की अब तक की वित्तीय स्थिति की जानकारी सदन के सम्मुख प्रस्तुत की। बाढ़ राहत के लिए सांगली

जिले को साढ़े सत्रह लाख व राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित चारो बच्चो को पच्चीस पच्चीस हजार रूपये प्रदान किये जा रहे हैं। इस अवसर पर युवा संगठन के नवीन सत्र के पदाधिकारियों के नामो की घोषणा की गयी व उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार कालिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि महासभा की भावना के अनुरूप 25 छात्र प्रतिवर्ष आईएएस, आईपीएस के लिए तैयार करने की जिम्मेदारी युवा संगठन लेते हैं। शीघ्र ही इस के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट की घोषणा करेंगे। अबकी बार युवा सगठन की राष्ट्रीय कार्यसमिति सभी बैठके बारह ज्योतिर्लिंगों पर करने का निर्णय कर रहे हैं। लोहार्गल में शीघ्र ही मंदिर निर्माण होगा।

महिला संगठन भी सहयोग के लिये तैयार

समाज के युवाओ में खेलकूद के प्रोत्साहन के लिए नवगठित ट्रस्ट के माध्यम से सहयोग व स्टार्टअप फंडिंग की व्यवस्था की बात कही। उनकी नव गठित टीम व निवृत्तमान महामंत्री का स्वागत किया गया। महिला संगठन के निर्वाचन पूर्व में हो संपन्न हो चुके हैं। इसकी जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी व महामंत्री मंजू बांगड़ ने सदन को दी। अधिकांश पदाधिकारी इस बैठक में उपस्थित थे, उनका पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा माहेश्वरी ने बताया की महिला संगठन की कार्य योजना गत 13-14 फरवरी को इंदौर में आयोजित प्रथम पदाधिकारी बैठक में तय की गयी। उन्हों ने महासभा व ट्रस्टों के कार्यों में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। श्रीमती बांगड़ ने बताया की महिला संगठन की नवगठित दस समितिया तथा उनके प्रभारी व उपप्रभारी बना दिए गए हैं, जो इन कार्यों को संपन्न करेंगे। महासभा द्वारा तीनों संगठनों के अध्यक्ष व मंत्री की एक कोऑर्डिनेशन कमिटी भी बनाई गयी है, जिससे कार्यों में दोहराव न हो व समयबद्धता बानी रहे।

कार्यसमिति सदस्यों की हुई घोषणा

इस अवसर पर सदन द्वारा सर्वानुमति से अशोक ईनाणी तथा नंदकिशोर लखोटिया को कार्यसमिति सदस्य मनोनीत किया गया। सभापति द्वारा अपने कोटे से भी पांच कार्यसमिति सदस्यों के नामो की घोषणा की गयी। इनमे गोपीकिशन मालानी जोधपुर, बाबूप्रसाद खटोड़ अहमदाबाद, ओमप्रकाश राठी जोरहाट, सतीश चरखा नवी मुंबई, राकेश मोहता अलीगढ शामिल हैं।

बहुप्रतिक्षित डायरेक्टी प्रकाशित...

श्री माहेश्वरी मेलापक

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

- 800 अधिक प्रोफेशनल बॉयोडेटा
- विभिन्न वर्गों के लिये भिन्न-भिन्न पृष्ठ
- उत्कृष्ट बॉयोडाटा व आकर्षक कलेवर आज ही
- आज ही सुरक्षित करवाएँ अपनी प्रति

पृथक से प्रति बुक करवाने के लिए शुल्क मात्र (डाक खर्च अतिरिक्त)

अब रिश्ते आयेंगे - आपके द्वार

'श्री माहेश्वरी मेलापक'
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता क्रं.-31725815057
IFSC Code-SBIN0030062
में जमा कर जमापर्ची की छायाप्रति कार्यालय को प्रेषित करें।

हाइटिक व प्रोफेशनल युवक-युवतियों की पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), इंदौर रोड, उज्जैन (मप्र)
मो.- 96305-62161, 74770-72161, 94250-91161
e-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

चंद्रपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जेसीआई चंद्रपुर एलिट संस्था द्वारा श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर सभागृह पर निःशुल्क उच्च रक्तचाप और मधुमेह परीक्षण (फ्री बीपी चेक अप और शुगर चेक अप और भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 100 से अधिक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया और 130 से अधिक नागरिकों ने अपने बीपी और शुगर के स्तर की जाँच की। जेसीआई चंद्रपुर एलिट संस्था के अध्यक्ष, सी ए प्रतिक सारदा ने कहा कि सभी रक्त दाताओं को जेसीआई चंद्रपुर एलिट संस्था द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया है। इस शिविर के प्रकल्प संचालक आशीष मुंधड़ा और सुशांत नक्षीणे थे। इस कार्यक्रम में भरत बजाज, बिपीन भट्टड, आशीष पोद्दार, अश्विन सारडा, अक्षय लोढ़ा आदि ने सहयोग किया। संस्था के सचिव रूपेश राठी ने आभार प्रकट किया।

महिला मंडल (मैन) के चुनाव संपन्न

गुजरात। श्री माहेश्वरी महिला मंडल (मैन) के पंद्रहवें सत्र के पदाधिकारियों का चयन पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा विमला साबू एवं गुजरात प्रांत की अध्यक्षा उमा जाजू के मार्गदर्शन में हुआ। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष प्रतिभा माहेश्वरी, उपाध्यक्ष इंद्रा साबू, सचिव सरिता दरगड़, सहसचिव सारिका चांडक व कोषाध्यक्ष जयश्री भराड़िया चुनी गईं।

फूड एंड फन फेयर का आयोजन

देवास। नगर कांटाफोड़ में माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा नगर के श्री जी गार्डन में माहेश्वरी फूड एंड फन फेयर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मनोरंजन से भरे खेलों के साथ ही कई प्रकार के व्यंजनों की दुकानें माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा लगाई गई थी। लक्की ड्रा के माध्यम से ग्राहकों को पुरस्कार वितरण भी किया गया। आयोजन की शुरूआत जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्याम होलानी, गिरधर बियाणी, बलवीर सिंह बग्गा, दिनेश सिंगी, सोनू होलानी व जितु शर्मा ने की। माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष जयश्री होलानी ने बताया कि इस मेले को लेकर हमारी टीम ने बहुत मेहनत की। हमने घर-घर जाकर माहेश्वरी फूड एंड फन फेयर का प्रचार भी किया। कार्यक्रम का संचालन हर्षिता सोमानी ने किया।

कत्थक में जीता प्रथम पुरस्कार

सीहोर। जिला स्तरीय 71 वे गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य कार्यक्रम में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत समूह नृत्य में सरस्वती कत्थक कला केन्द्र सीहोर के दल ने उत्कृष्ट राजस्थानी कठपुतली नृत्य की प्रस्तुति देकर प्रतिस्पर्धा में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इस नृत्य की कोरियोग्राफर डांस स्कूल की संचालिका रुपाली सोनी थीं। संस्था के प्रबंधक नवीन सोनी ने म.प्र. खेल एवं संस्कृति मंत्रालय का नृत्य कला को प्रदर्शित करने का मौका देने हेतु आभार व्यक्त किया।

जमीर हमसे बेचा ना गया,
वरना शाम तक अमीर हो जाते..!

वाकिफ़ तो हम भी हैं, मशहूर,
होने के तौर तरीकों से, पर ज़िद तो हमें
अपने अंदाज से जीने की है।

अपने सपनों के पीछे इतना भागों
की एक दिन तुम्हें पाना
लोगों के लिए सपना बन जाये

बधर माता का हुआ जागरण

हैदराबाद। सोमाणी, मर्दा, छापरवाल, बागडी, मक्कड और थीरानी आदि माहेश्वरी खांपो की कुलदेवी बधर माता का दसवाँ जागरण भव्यता के साथ संपन्न हुआ । बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति के प्रधान संयोजक राजेश सोमाणी व रमेश मर्दा ने बताया कि सेवा समिति विगत दस वर्षों से कुलदेवी के भक्तो को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रही है। समिति के समन्वय कर्ता गोविन्द सोमाणी और श्याम सोमाणी ने बताया कि हवन अजय सोमाणी, राजेन्द्र प्रसाद सोमाणी, मदन गोपाल सोमाणी दम्पत्तियों द्वारा किया गया। सायंकाल कुलदेवी की पूजा दिनेश मर्दा, उमाशंकर सोमाणी, अजय कुमार थीराणी, श्याम सोमाणी ने सपत्नीक की। जलगांव (महाराष्ट्र) से आये डॉक्टर गणेश सोमाणी, रामचन्द्र सोमाणी तथा बीड (महाराष्ट्र) से पधारे राजस्थान ताना गांव कुलदेवी मंदीर के ट्रस्ट के सदस्यो ने पूजा में सहभाग लिया। मित्र मंडल के युवा भजन गायक अनुराग भुतडा ने कुलदेवी की महिमा के भज़न प्रस्तुत किए। महाप्रसादी की व्यवस्था परामर्शदाता ओमप्रकाश मर्दा ने संभाली। कार्यक्रम में राजेश सोमाणी, रमेश मर्दा, गोविन्द सोमाणी, श्याम सोमाणी, हनुमान सोमाणी, राजगोपाल मर्दा, विष्णू गोपाल मर्दा, गोवर्धन मर्दा, विठ्ठल सोमाणी, सुनील सोमाणी आदि का सहयोग प्राप्त हुआ।

महिला मंडल के चुनाव संपन्न

भरूच. माहेश्वरी महिला मंडल के आगामी सत्र 20 -22 हेतु निर्विरोध चुनाव हुए। इसमे सर्व सम्मति से ज्योति लड्ढा को अध्यक्षा व दीपश्री सोडानी को सचिव बनाया गया। उपाध्यक्ष वुमवुम बियाणी, कोषाध्यक्ष किरण राठी, सहसाचिव माधुरी मालपानी व संगठन मंत्री कविता साबू चुनी गई। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार मंत्री अनिता डागा ने बताया कि नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया।

मेरे किरदार में बस इतनी ही खराबी है...
ना ही बनावट है
और ना ही अदाकारी है...

बाल आश्रम में किया विवाह

रतलाम। दरक परिवार के भीमसेन-प्रेमलता दरक के दोहित्र तथा तरूण और मंजू नवाल के सुपुत्र विजय और उनकी बहू दिशा नवाल (पनवेल निवासी) ने अपनी शादी एक बाल आश्रम में कर आश्रम के बच्चों के साथ खुशियां बाँटी। इसमें उन्हें ही अपना मेहमान बना कर प्रीतिभोज का आयोजिन किया गया। विवाह एक सादगी पूर्ण तरीके से कर विभिन्न रस्मों पर जो लाखो रुपये खर्च होते है उसे बचा कर उन रुपयों को अनाथ बच्चों के लिए आश्रम में दिये। अपनी इस अनुकरणीय पहल से उन्होंने मितव्ययता की मिसाल पेश की।

परिस्थितियों के अनुसार खुद को बदलना सीखो
साल तो हर साल बदलता ही है.

महिला मंडल की बैठक संपन्न

लखनऊ। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की बैठक सरिता माहेश्वरी के निवास स्थान पर हुई। नव वर्ष और गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी समस्याऐं तिरंगा थीम परिधान में आयी। श्रीमती माहेश्वरी ने गणतंत्र दिवस पर सुमधुर गीतों से सभी बहनों का स्वागत किया। मकर संक्रांति पर्व पर तिल से बने हुए व्यंजन की प्रतियोगिता में सभी ने भाग लिया जिसमे तनु माहेश्वरी प्रथम, राधा जाजू, सुषमा सारडा द्वितीय रहीं। कुम्भ के निमित्त राष्ट्रीय महामंत्री माधवेन व डॉ. महिमा के साथ बैठक हुई। इस बैठक में 16,17,18 फरवरी को लखनऊ में भव्य परिवर्तन कुम्भ के आयोजन के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

लिबाज़ कितना भी कीमती क्यों ना हो...
घटिया किरदार को कभी छुपा नही सकता.

रक्तदान कर मनाया संकल्प दिवस

देवास। वैश्य महासम्मेलन देवास द्वारा संगठन के संस्थापक नारायण प्रसाद गुप्ता नाना जी की पुण्य तिथि को संकल्प दिवस के रुप मे मनाते हुये जिला चिकित्सालय मे डॉ. बीड़वई के आतिथ्य में वैश्य बंधुओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण लाठी, प्रदेशमंत्री अशोक सोमानी , सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक द्वारका मंत्री, जिलाध्यक्ष गौरव खंडेलवाल, युवा जिलाध्यक्ष आलोक मंगल, अमित गुप्ता, राजेन्द्र संघवी, रजनीश पोरवाल, संजय कटारिया, सचिन मंगल, भानु अग्रवाल, अमित माहेश्वरी, महेश गुप्ता, पवन गोयल, अमीषा माहेश्वरी, मोनिका अग्रवाल, निधि मंगल आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी जिलाध्यक्ष गौरव खंडेलवाल ने दी।

लायन कैलाश डागा सम्मानित

उज्जैन। लायंस क्लब उज्जैन महाकाल को डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-2 के रिजन-3 द्वारा आयोजित कॉन्फ्रेंस 'निष्ठा' में रिजन चेयर पर्सन लायन राजशेखर शर्मा द्वारा बेस्ट सेवाकार्य अवॉर्ड एवं बेस्ट प्रेसिडेंट अवॉर्ड, आऊटस्टैडिंग क्लब अवार्ड से क्लब अध्यक्ष लायन कैलाश डागा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी स्नेहीजनों ने बधाई दी।

जिला माहेश्वरी सभा की बैठक संपन्न

बदायूं। जिला माहेश्वरी सभा की बैठक जिला अध्यक्ष मुकेश माहेश्वरी के निवास स्थान पर सहसवान में दिनेश चन्द असावा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें समाज के गौरव सुभाष चन्द बाहेती प्रदेश मंत्री पश्चिम उत्तरप्रदेश माहेश्वरी सभा का शाल उड़ा कर एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर सभा द्वारा लिए गए निर्णयों को क्रियान्वित करने तथा समाज को अधिक से अधिक महासभा द्वारा सहायता दिलाने पर चर्चा हुई। इस अवसर पर सुभाषचंद्र बाहेती द्वारा महासभा द्वारा संचालित विभिन्न ट्रष्टों की जानकारी दी गई। इस अवसर जय प्रकाश लड्ढा, कृष्ण देव चांडक, मुरारी लाल, राजीव माहेश्वरी, अनिल माहेश्वरी, प्रदीप आसावा, शेष माहेश्वरी आदि उपस्थित रहे।

युवा संगठन के निर्विरोध चुनाव

भीलवाड़ा। जिला माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव 26 दिसंबर को महेश शिक्षा सदन में मुख्य चुनाव अधिकारी दिनेश काबरा व कैलाश लड्ढा की देख रेख में सम्पन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से प्रदीप पलोड़ को जिलाध्यक्ष व युवा नेता राघव कोठारी को जिला महामंत्री बनाया गया। 11 तहसील सभाओं से 172 जिला प्रतिनिधियो ने भी भाग लिया।

गरीब बच्चों को स्वेटर वितरण

राजगढ़ (जिला तलेन) । स्थानीय महिला मंडल द्वारा गरीब बच्चों को स्वेटर वितरण किया गया। इसमें नगर पालिका अध्यक्ष सीमा भट्टर, राजगढ़ जिला सचिव शालिनी भट्टर, तलेन अध्यक्ष सरला भट्टर, राजश्री माहेश्वरी, सीमा चांडक आदि कई सदस्याओं ने सहयोग प्रदान किया।

महेश सेवा निधि की नई कार्यकारिणी गठित

भिलाई। छत्तीसगढ़ महेश सेवा निधि ट्रस्ट की वार्षिक सामान्य सभा में 5वें सत्र 2019-22 के लिये नये पदाधिकारियों एवं प्रबंधकारिणी का चयन ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टियों, सदस्यों एवं प्रदेश सभा के पदाधिकारियों द्वारा निर्विरोध किया गया। इसमें प्रबंध न्यासी- सी.ए. मनोज राठी (रायपुर), मानद मंत्री -बालकिशन झंवर (दुर्ग), वित्त सचिव सी.ए.अजय सोमानी (दुर्ग), सह प्रबंध न्यासी गोपाल बजाज (रायपुर) व संयुक्त मंत्री जितेश मोहता (रायपुर) चुने गये। इस ट्रस्ट के अंतर्गत मातोश्री योजना के तहत जरूरत मंद निराश्रित महिलाओं एवं पुरूषों को 2000/- रुपये मासिक सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही जरूरतमंद बच्चों को 1000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

महेश बैंक जल मन्दिर का शुभारम्भ

भीलवाड़ा। भारतीय संस्कृति में सेवा कार्यों को बहुत महत्व दिया गया है और जल सेवा से बढ़कर कोई सेवा नही हो सकती है।ये विचार नगरपरिषद सभापति मंजू चेचानी ने ए पी महेश बैंक परिवार द्वारा संचालित जल मंदिर के शुभारम्भ के अवसर पर व्यक्त किये। प्रबन्धक राजेश जैन ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि बैंक ने अल्पसमय में ही 70 करोड़ रुपये का व्यवसाय प्रदान किया है। शंकर सोनी, मुकेश चेचानी,श्रीलाल कोगटा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त प्रबन्धक मदन खटोड ने किया। इस अवसर पर अंकुर सोमानी, गौरव कुमार,गौरव जेन,महावीर सोमानी,शुभ साबू आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

दिशा खाद्य प्रौद्योगिकी में स्नातक

पुणे। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता प्रबंधन संस्थान, कुंडली, सोनीपत (हरियाणा) के तीसरे दीक्षांत समारोह में दिशा झंवर को प्रौद्योगिकी स्नातक (बैचलर ऑफ फुड टेक्नॉलॉजी एण्ड मैनेजमेंट) की उपाधि प्राप्त हुई। वे फिलहाल सुहारा अंतर्राष्ट्रीय खाद्य कंपनी पुणे में रिसर्च एण्ड डेव्हलपमेंट विंग में कार्यरत हैं। दिशा पुणे निवासी संजय व कृतिका की सुपुत्री तथा डॉ. चित्रकुमार-पुष्पलता झंवर की पौत्री हैं। उन्हें संस्था की ओर से दो बार टॉपर होने के नाते एक-एक लाख की स्कॉलरशिप मिली तथा एक बार 15 दिन के लिये ट्रेनिंग हेतु कनाडा भी भेजा गया।

रामायण पर आयोजित हुई क्विज

कलबुर्गी। राजस्थानी सेवा संघ द्वारा रामायण कथा पर क्विज का आयोजन किया गया। सचिव श्रीनिवास नोगजा ने बताया कि इसका उद्देश्य समाज की चार पीढ़ियों को रामायण का महत्व समझना था। इसमें गुलबर्गा शहर की तकरीबन 18 टीमों ने हिस्सा लिया। विजेता टीम को प्रथम 7 हजार रुपये, रनर अप को 5 हजार तथा 3 हजार रु. के पुरस्कार से सम्मानित किया किया गया। राजस्थानी सेवा संघ अध्यक्ष श्री तोषनीवाल तथा सचिव श्री नोगजा ने अतिथियों का स्वागत किया। मारवाड़ी समाज गुलबर्गा के अध्यक्ष गोविंद राठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का आनंद पलोड़, सुनिल लोडा व विजया गिलड़ा ने संचालन किया।

भट्टड अध्यक्ष-राठी सचिव बनी

संगमनेर। अहमदनगर जिला माहेश्वरी महिला संगठन सत्र 2020-22 के अध्यक्ष पद पर वासंती भट्टड (राहुरी) व सचिव पद पर अनुराधा राठी (लोणी) का निर्विरोध चयन हुआ। जिला महिला पदाधिकारी बैठक मालपाणी हेल्थ क्लब में महिला प्रदेश सभा सदस्या रचना मालपाणी, तथा शोभा बाहेती, राजश्री मणियार की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला महिला संगठन कार्यकारिणी पदाधिकारी के नाम की घोषणा भी की गई। नियुक्ति पश्चात संगमनेर में जिला मंत्री अजय जाजू के निवास पर जिला सभा के अध्यक्ष अनिष मणियार, जिला संयुक्त मंत्री सतीश बाहेती, पूर्व जिलाध्यक्षा मंजुश्री धूत, जिला मंत्री मधुमती धुत तथा नूतन जिलाध्यक्षा वासंती भट्टड, उपाध्यक्षा गीतांजली आसावा, जिला मंत्री अनुराधा राठी का सम्मान किया गया।

महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव का अधिवेशन

बून्दी। श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड का षष्टम वार्षिक अधिवेशन आगामी 15 मार्च को आयोजित होगा। यह निर्णय संस्था कार्यालय पर सोसायटी अध्यक्ष संजय लाठी की अध्यक्षता में हुई संचालक मंडल सदस्यों की बैठक में लिया गया। सचिव नारायण मंडोवरा ने बताया कि गत दिवस सम्पन्न हुई बैठक में जैतसागर रोड़ स्थित माहेश्वरी भवन में आयोजित होने वाले अधिवेशन में शिक्षा के क्षेत्र व विशिष्ट प्रतिभाओं को अलंकृत करने और भारतीय संस्कृति के अनुरूप सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करने का निर्णय भी लिया गया। बैठक में सदस्यों ने ऋण नीति व ऋण सुरक्षा निधि कोष बनाने पर विस्तृत विचार-विमर्श भी किया। बैठक का संचालन मुख्य कार्यकारी अधिकारी परमेश्वर मंडोवरा ने किया। आभार उपाध्यक्ष चतुर्भुज गुप्ता ने माना। कोषाध्यक्ष सोहन बाहेती, निदेशक सोनल मूंदड़ा, मीनाक्षी काबरा, विशेष आमंत्रित सदस्य रमेश कुमार माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

जिन्दगी में अगर कोई सबसे...
सही रास्ता दिखाने वाला है,
तो वो है.....अनुभव

परिवार परिवेदना प्रकोष्ठ की बैठक संपन्न

जोधपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा गठित परिवार परिवेदना निवारण प्रकोष्ठ, जोधपुर की बैठक गत 13 फरवरी 2020 सायं 5 बजे आयोजित हुई। बैठक में वेलेंटाइन डे की पूर्व संध्या पर साहित्यकार हरिप्रकाश राठी ने वेलेंटाइन डे व शहीद दिवस पर प्रकाश डाला। एडवोकेट नंदकिशोर चंडक ने कहा कि आज घर-घर में पारिवारिक परिवेदनाएं बढ़ चली है, समाज के भय से लोग इन्हें जगजाहिर नहीं करते, भीतर ही भीतर सुलगते रहते है। इन समस्याओं को गोपनीय स्तर पर सुलझाना मनुष्यता के प्रति सच्चा प्यार है। लता राठी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रकोष्ठ ने अनेक नए-पुराने प्रकरणों में मनोचिकित्सकों की सेवाएं, उनके वक्तव्य आदि करवाने पर भी विचार विमर्श किया। साथ ही पीड़ित व्यक्तियों को निःशुल्क कानूनी सहायता देने पर भी गहन चिंतन हुआ। सभाध्यक्ष विमला गट्टानी ने आभार व्यक्त किया।

अत्यंत सादगी से विवाह

उज्जैन। जिला माहेश्वरी सभा सदस्य सुधीर माहेश्वरी (देवपुरा) के सुपौत्र प्राशुल माहेश्वरी का बसंत कुमार बसेर की सुपुत्री एवं स्व. श्री शरदकुमारजी बसेर की सुपौत्री गार्गी बसेर इंदौर के साथ उज्जैन जिला कोर्ट के माध्यम से 7 लोगों की उपस्थिति में सादगीपूर्ण तरीके से विवाह संपन्न हुआ। वर-वधु दोनो पेशे से इंजीनियर हैं। इस विवाह समारोह में कोई फिजूलखर्ची नहीं की गई एवं कोई भी समारोह आयोजित नहीं किया गया जो कि अपने आपमें एक आदर्श है। गौरतलब है कि दोनों के माता-पिता की उपस्थिति एवं परिजनों की सहमति से यह सादगीपूर्ण विवाह संपन्न हुआ।

अहमियत दी तो खुद को कोहिनूर मानने लगे
कांच के टुकड़े भी क्या खूब वहम पालने लगे

संक्रांति पर खिचड़ी वितरण

मैनपुरी। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 12 जनवरी को खिचड़ी वितरण का आयोजन किया गया। सभी के सहयोग से 25 सौ लोगों में खिचड़ी बांटी गई। कानपुर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा भी करीब 3 हजार लोगों को खिचड़ी का वितरण किया गया। इसमें राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़ का पूर्ण सहयोग रहा। खागा माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 30 जनवरी बसंत पंचमी पर आयोजित इस कार्यक्रम में श्री बसंतलाल भुराड़िया की जयंती के उपलक्ष्य में उनकी स्मृति में उनके पौत्र रोहित एवं सुनीता भुराड़िया ने हाईस्कूल एवं इंटरमीडियट के सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। उक्त जानकारी अध्यक्ष प्रीति तोषनीवाल व सचिव सीमा झंवर ने दी।

सरस्वती पूजन का हुआ आयोजन

देवास। वैश्य महासम्मेलन म.प्र. की महिला इकाई देवास द्वारा बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में स्थानीय एजुकेशन हब किड्स प्ले स्कूल में सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश मंत्री अशोक सोमानी ने कहा कि माँ सरस्वती के पूजन से बौद्धिक एवं साहित्यिक विकास होता है एवं बसंत ऋतु में नई शक्ति का संचार होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला जिलाध्यक्ष मंजुबाला जैन ने की। जिलाध्यक्ष गौरव खंडेलवाल ने बसंतोत्सव के महत्व की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के शुभारंभ पर विद्यालय के नन्हें मुन्ने बच्चों तन्मय चौधरी व मधु चौधरी ने माँ सरस्वती का पूजन कर माल्यार्पण किया। विद्यालय के बच्चों को आवश्यक शिक्षा सामग्री एवं टाफियां वितरित की गई। कार्यक्रम में युवा जिलाध्यक्ष आलोक मंगल, महिला नगर अध्यक्ष सुषमा गुप्ता, जिला महामंत्री आयुषी गुप्ता, नगर महामंत्री माधुरी पोरवाल आदि उपस्थित थे। आभार महिला नगर अध्यक्ष सुषमा गुप्ता ने माना। उक्त जानकारी जिला महामंत्री आयुषी गुप्ता एवं नगर महिला महामंत्री माधुरी पोरवाल ने दी।

नववर्ष पर कम्बल स्वेटर वितरण

जयपुर। जिला माहेश्वरी सभा समिति द्वारा नववर्ष 2020 की शुरूआत अपने मानवीय व सामाजिक दायित्वों को पूरा करते हुए की गई। भयंकर सर्दी में असहाय हालातों में फुटपाथ पर खुले आसमान के नीचे रहने वाले व अस्पताल परिसर में अपने मरीजों को दिखाने के लिए आने वाले परिजनों की सहायता के लिए करीब 300 कम्बल, चद्दर व गरम पहनने के कपड़ों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रदेश मंत्री रामअवतार आगीवाल, जिला अध्यक्ष नवल किशोर झंवर, जिला मंत्री सुरेंद्र कुमार बजाज, जिला संयुक्त मंत्री बृजेश कुमार लड्ढा, जिला उपाध्यक्ष कन्हैयालाल छापरवाल, जिला माहेश्वरी महिला संगठन की संरक्षक उमा परवाल, जिला अध्यक्ष उमा सोमानी, प्रचार व संगठन मंत्री ममता जाखोटिया, सह सांस्कृतिक मंत्री अनुराधा डागा, कार्यालय मंत्री संतोष लड्ढा, कृष्णा सोनी आदि उपस्थित थे। इसमें सुरेंद्र बजाज व प्रमोद लखोटिया से आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ।

खुशी चितलांगे को सुयश

वर्धा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ली गई 'इंटरनेशनल स्पेल बी ग्रैंड फिनाले' में हिंगनघाट के भवंस स्कूल की सातवीं कक्षा की है। 12 वर्षीय खुशी मनीष चितलांगे ने द्वितीय स्थान प्राप्तकर 89000/ रुपए का नगद पुरस्कार प्राप्त किया। विदित हो कि अमेरिका, भारत, कुवैत, आबूधाबी, बहरीन, अलैन, अजमान जैसे देशों की 30 शालाओं के 30,000 छात्र-छात्राएं इस चतुर्थ लेवल की स्पर्धा में चयनित हुई थी। इन सब में खुशी चितलांगे ने समय सूचकता, आत्मविश्वास तथा प्रखर बुद्धिमत्ता के बल पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

आदर्श विद्या मंदिर की कार्यकारिणी गठित

नागपुर. सरकार द्वारा "अल्पसंख्यक संस्था (भाषिक)" का दर्जा प्राप्त संस्था आदर्श विद्या मंदिर की नवीन कार्यकारिणी के चुनाव गत दिनों संपन्न हुआ। इसमें अध्यक्ष रामरतन सारडा, उपाध्यक्ष गिरधरलाल सिंगी व प्रकाश सोनी, सचिव अशोक कुमार कोठारी, कोषाध्यक्ष ब्रिजलाल सारडा, सहसचिव दामोदरदास चांडक व ब्रिजकिशोर सारडा चुने गये। कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन हुआ। वर्तमान में संस्था द्वारा सीबीएसई के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने हेतु 4-5 एकड़ भूमि खरीदने का लक्ष्य रखा गया है। उल्लेखनीय है कि संस्था श्रीमती चंद्रादेवी बांगड़ आदर्श विद्या मंदिर हाईस्कूल एवं कनिष्ठ महाविद्यालय, श्रीमती आनंदीबाई गंगाविसनजी सिंगी विज्ञान कनिष्ठ महाविद्यालय, श्रीमती सीतादेवी विठ्ठलदासजी मोहता वाणिज्य कनिष्ठ महाविद्यालय, श्रीमती गोदावरीदेवी गिरधारीलाल सारडा हायर इंग्लिश स्कूल, श्रीमती कोशल्यादेवी माहेश्वरी कनिष्ठ एवं वरिष्ठ महिला महाविद्यालय, श्रीमती विमला डॉ.लक्ष्मीनारायण सोनी हाईस्कूल व कनिष्ठ महाविद्यालय, श्रीमती विमलादेवी शंकरलालजी गांधी हाईस्कूल, श्रीमती सीतादेवी विठ्ठलदास मोहता सेमी इंग्लिश स्कूल व श्रीमती भंवरीबाई अमरचंद सारडा बालक मंदिर आदि का संचालन कर रही है।

दक्षिणी राजस्थान प्रदेश सभा ने ग्रहण किया पद

चित्तौड़गढ़। दक्षिणी राजस्थान प्रदेश सभा का पदस्थापना समारोह गत 13 जनवरी को संपन्न हुआ। साथ ही चित्तौड़गढ़ जिला व नगर सभा की भी पदस्थापना कराई गई। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्षा आशा माहेश्वरी एवं पदस्थापना अधिकारी पश्चिमाञ्चल उपाध्यक्ष ममता मोदानी थी । जिला अध्यक्ष मंजू तोषनीवाल ने शाब्दिक स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष शिखा भदादा ने स्वागत भाषण में पिछले 3 वर्ष की उपलब्धियां बताते हुए सभी का स्वागत किया। श्रीमती मोदानी द्वारा प्रदेश जिला व नगर कार्यसमिति को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

जरूरतमंद परिवार की कन्या का विवाह

रायपुर (छ.ग.)। स्थानीय माहेश्वरी युवा मंडल महिला समिति द्वारा कन्यादान प्रोजेक्ट के अंतर्गत जी.ई. रोड स्थित महेश भवन में एक ज़रूरतमंद कन्या की शादी करवाई गई। शादी में दी जाने वाली सभी चीजें उस कन्या को दी गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला समिति की कोषाध्यक्षा ज्योति राठी,माहेश्वरी युवा मंडल महिला समिति की अध्यक्षा शीतल डागा एवं सचिव श्वेता राठी तथा युवा मंडल के अध्यक्ष अविनाश बागड़ी विशेष रूप से उपस्थित थे। इसमें सविता केला, रमा बागड़ी, नीना राठी, लता चांडक, निधि लड्ढा आदि समस्त सदस्यों ने सहयोग दिया।

माधुरी को अतुल्य भारत प्रतिभा पुरस्कार

अमरावती। ख्यात रांगोली कलाकार माधुरी सतीश सुदा को पुणे में आयोजित कार्यक्रम में अतुल्य भारत प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन के मुख्य आयोजक डॉ. क्रांति महाजन थे। सम्मेलन में भारत के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया।

पूर्वी राजस्थान सभा की बैठक संपन्न

कोटा। राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन एवं पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में गत 25 जनवरी को बैठक का आयोजन कोटा में किया गया। अध्यक्ष संतोष तोषनीवाल ने स्वागत उद्बोधन के साथ अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी एवं पश्चिमांचल उपाध्यक्ष राजेश बिरला थे। इसके बाद पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा एवं महिला संगठन का शपथग्रहण संपन्न हुआ। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों जिसमें प्रदेश अध्यक्ष कुन्ती मून्दडा कोटा, मंत्री मंजु भराडिया भवानी मण्डी का सम्मान किया गया। संगठन द्वारा पूर्ण उपस्थिति अवार्ड, फाइल डेकोरेशन, सुलेखा समिति के विजेताओं सहित सभी जिला अध्यक्षों एवं सचिवों तथा विशेष सहयोगी सदस्याओं का सम्मान किया गया। प्रोजेक्टर पर प्रदेश संगठन के कार्यक्रमों को भी दिखाया गया। मंत्री कुन्ती मून्दडा ने आभार प्रेषित किया।

पुस्तकालयाध्यक्षों का सम्मान करेगा रामजस जी सोडाणी स्मृति संस्थान

भीलवाड़ा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि जिन्हें पुस्तकों को पढने का शौक हो उन्हें और किसी मित्र की जरूरत नहीं है! उक्त विचार स्वर्गीय श्री रामजस सोडाणी स्मृति संस्थान भीलवाड़ा के निदेशक अनिल सोडाणी ने सम्मानित किये जाने वाले 21 पुस्तकालयाध्यक्षों की सूची जारी करते हुए व्यक्ति किये। संस्थान के मुख्य निदेशक डॉ अशोक सोडाणी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजिका कुसुम लता सोडाणी-पुस्तकालयाध्यक्ष के संयोजन में माह मार्च में आयोजित होने वाले 'स्वर्गीय श्री रामजस जी सोडाणी स्मृति प्रबुद्ध पुस्तकालयाध्यक्ष सम्मान-2020 समारोह में इन्हें सम्मानित किया जाएगा।

**पूरी दुनिया जीत सकते है संस्कार से,
और जीता हुआ भी हार जाते हैं अहंकार से।**

कत्थक सेमिनार में प्रतिभा सम्मान

सीहोर. सरस्वती कत्थक (डांस) कला केंद्र द्वारा मोदी स्कूल एवं सिंधी कॉलोनी में आयोजित 7 दिवसीय कत्थक सेमिनार 30 दिसंबर से 5 जनवरी तक आयोजन किया गया। सम्मान कार्यक्रम-2020 के अंतर्गत संस्था की जिन प्रतिभाओं द्वारा वर्ष 2019 में सीहोर शहर के विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक, प्रशासनिक कार्यक्रमों के मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समय-समय पर सफलता अर्जित करके संस्था, शहर एवं अपने-अपने स्कूल का नाम गौरवान्वित किया, उन्हें संस्था द्वारा शील्ड, मेडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध संगीताचार्य पं. वासुदेव मिश्रा ने की। मुख्य अतिथि अरुणा राय, विशेष अतिथि गुरु मां नीती राठौर, संतोष विजयवर्गीय, कांता भट्टर, मंजू अग्रवाल आदि थी। संस्था की संचालिक रूपाली सोनी ने अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के प्रबंधक नवीन सोनी द्वारा किया गया।

**किसी के पैरों में गिरकर कामयाबी पाने से बेहतर है
अपने पैरों पर चलकर कुछ बनने की ठान लो!!!**

महिला मंडल की बैठक संपन्न

वृंदावन। पश्चिम उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 7 फरवरी को सप्तम सत्र की प्रथम कार्यकारिणी बैठक व नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बागड़ के स्वागत समारोह संकल्पिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड, विशिष्ट अतिथि विनीत केला महासभा सहसचिव, सम्मानीय सदस्य निवर्तमान उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी, निवर्तमान सचिव शर्मिला राठी, मार्गदर्शिका रेखा माहेश्वरी थीं। शहनाई की धुन के साथ प्रवेश करते ही राष्ट्रीय महामंत्री का तुलादान कराकर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विशिष्ट अतिथि महासभा सहसचिव विनीत केला ने महासभा की योजनाओं से सभी को अवगत कराया। पक्षी, गाय, गौरी, ग्रामीण योजनाओं के अंतर्गत तुलादान कर पशु-पक्षियों का अनाज स्थानीय संस्था को वितरित कर बीमार गायों हेतु 31000 की धनराशि प्रदान की गई। निवर्तमान उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी व निवर्तमान उत्तरांचल सहसचिव शर्मिला राठी द्वारा पांच प्रदेश के अध्यक्ष व सचिव को ट्रॉफी प्रदान की गई। मंच का संचालन मथुरा की कविता माहेश्वरी द्वारा कुशलता पूर्वक किया गया।

माहेश्वरी महिला गौरव का शपथ ग्रहण सम्पन्न

उदयपुर। माहेश्वरी महिला गौरव द्वारा भैरवबाग में माहेश्वरी खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विजेता टीम को संरक्षक, अध्यक्ष व सचिव द्वारा परितोषिक दिया गया। महिलाओं ने हाऊजी के साथ पिकनिक का आनंद लिया। माहेश्वरी महिला गौरव का शपथ ग्रहण व स्थापना दिवस गणतंत्र दिवस की थीम पर ओरिएंटल पैलेस रिसोर्ट में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि संरक्षक कौशल्या गट्टानी थीं। अध्यक्ष आशा नरानीवाल, सचिव सीमा लाहोटी व कोषाध्यक्ष निर्मला काबरा तथा कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को प्रदेश संगठन मंत्री सरिता न्याती ने पद की शपथ दिलाई। संगठन के 7 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्थापना दिवस भी मनाया गया। इस मौके पर जनक बांगड़, शांता, कविता, रीमा, रेणुकला आदि उपस्थित थीं। इसी प्रकार संस्था द्वारा बसंत पंचमी व बालिका दिवस पर चित्रकुट नगर स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में बसंत पंचमी का आयोजन किया गया। बच्चों ने सरस्वती वंदना के साथ नृत्य-गायन, कविता आदि की प्रस्तुति दी।

श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ संपन्न

सलुम्बर (उदयपुर)। कथावाचक गोवत्स श्री राधाकृष्ण महाराज जोधपुर के श्रीमुख से हाड़ीरानी कस्बे सलुम्बर के हायर सेकेण्डरी स्कूल परिसर में भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथा आयोजक रमेश मदादा थे। 12 फरवरी को गंगोत्सव एवं 14 फरवरी को भव्य प्रसादी भी रखी गई। कथा में शंकरलाल कांता मदादा, जानकीलाल व मोहनलाल देवपुरा, रामजस मूंदड़ा, मुरलीधर गट्टानी एवं सलूम्बर के समस्त समाज जाति धर्म के लोगों ने भाग लिया।

रक्तदान शिविर का किया आयोजन

भीलवाड़ा। विजयसिंह पथिक नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष कृष्णगोपाल मालू ने बताया कि शिविर का शुभारम्भ सांसद सुभाष बहेड़िया,जिला मंत्री देवेंद्र सोमाणी, नगर अध्यक्ष केदार जागेटिया, मंत्री अतुल राठी ने सामूहिक रूप से किया। शिव मूंदड़ा ने बताया कि रक्तदान शिविर प्रातः 9 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें 81यूनिट रक्तदान हुआ। पुरुषोत्तम बसेर ने बताया कि शिविर में 11 जोड़ो को रक्तदान करने पर शील्ड प्रदान की गई। शिविर में नगर परिषद सभापति मंजू चेचाणी, महेश सेवा समिति अध्यक्ष ओम नारानीवाल, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष राजकुमार काल्या, युवा जिलाध्यक्ष प्रदीप पलोड़, नगर युवा अध्यक्ष हरीश पोरवाल, महेश प्रगति संस्थान अध्यक्ष सत्यनारायण डाड ने रक्तदाताओ की हौंसला अफजाई की। सभा अध्यक्ष बनवारी सोमाणी, मंत्री ओम प्रकाश काबरा, महिला मंडल अध्यक्ष निर्मला बाहेती, मंत्री सरिता झवर, चेतना बसेर, सुमन राठी, आशा माहेश्वरी, युवा सरक्षक प्रकाश गंदोड़िया, अमित तोषनीवाल आदि थे।

अपने बारे में कभी बुरा मत सोचो क्योंकि बुराई करने का ठेका तो दुनिया वालो ने ले रखा हैं।

शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

रतलाम। माहेश्वरी सभा के पदाधिकारियों का दायित्व ग्रहण समारोह माहेश्वरी भवन कसारा बाजार रतलाम पर आयोजित हुआ। इस अवसर पर युवा संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक इनानी, मध्यप्रदेश पश्चिमांचल के प्रादेशिक अध्यक्ष ओमप्रकाश भराणी, मानद मंत्री अजय झंवर, कोषाध्यक्ष राम तोतला, संगठन मंत्री पंकज अटल, प्रादेशिक संभागीय उपाध्यक्ष मांगीलाल अजमेर आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

मोरों की हत्या की रिपोर्ट दर्ज

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने अजमेर जिले के मसूदा तहसील के राजगढ़ गांव में 50 मोर, टोंक जिले के तितरीया गांव मे 7 मोर व बीकानेर जिले की लूणकरणसर तहसील के खोखराणा गांव में 10 राष्ट्रीय पक्षी मोरों की जहरीला दाना डालकर हत्या की प्राथमिकी पुलिस अधीक्षक अजमेर, टोक व बीकानेर को ई मेल व रजिस्टर्ड डाक से भेजकर दर्ज कराई है। श्री जाजू ने 67 मोरों की हत्या के मामले में आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय पक्षी मोरों की हत्या का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 4 दिनों में 90 राष्ट्रीय पक्षी मोरों की हत्या हो चुकी है तथा वन व पुलिस विभाग के जिम्मेदार कारिन्दे हाथ पे हाथ धरे बैठे है।

महेश सेवा समिति के चुनाव संपन्न

महेश विकास ग्रुप को मिला बहुमत- अध्यक्ष बने नरानीवाल

भीलवाड़ा। श्री महेश सेवा समिति के गत 7 फरवरी को चुनाव संपन्न हुए। इसमें 12 पदों पर पदाधिकारी मतदान द्वारा चयनित हुए। इस चुनाव में दो पैनलों के मध्य चुनाव हुए जिसमें एक पैनल जय महेश ग्रुप था जिसका नेतृत्व ओम प्रकाश नरानीवाल के पास था। इनका चुनाव स्लोगन साथ चलेंगे- तभी बढ़ेंगे। दूसरा पैनल महेश विकास ग्रुप था, जिसका नेतृत्व निवर्तमान अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी के पास था, जिनका चुनाव स्लोगन "विकास किया है- विकास करेंगे" था।

मुख्य चुनाव अधिकारी राधेश्याम सोमानी व चुनाव अधिकारी जगदीश प्रसाद कोगटा के साथ करीब 45 जनों ने चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न करवाई। कुल 656 मतदाता में से 585 मतदाताओं ने मतदान किया। जय महेश ग्रुप के श्री नरानीवाल 76 मतों से विजय हुए व अध्यक्ष चुने गए। श्री नरानीवाल को 324 व चेचानी को 248 वोट प्राप्त हुए। सचिव पद पर राजेन्द्र कचोलिया 155 मतों से विजयी रहे। इसमें प्रत्याशी के.जी. सोनी को 211 व श्री कचोलिया को 366 मत प्राप्त हुए। उपाध्यक्ष पद पर सत्यनारायण मूंदड़ा, रमेशचंद्र बाहेती, कृष्ण गोपाल जागेटिया व फूलचंद दरक उम्मीदवार थे, जिसमें सर्वाधिक मत सत्यनारायण मूंदड़ा व कृष्ण गोपाल जागेटिया को प्राप्त हुए और उपाध्यक्ष चुने गए। कोषाध्यक्ष पद पर राजेश बाहेती 55 वोटों से विजयी रहे। श्री बाहेती को 312 व प्रत्याशी पुरुषोत्तम गगरानी को 257 मत प्राप्त हुए। सह सचिव पद पर प्रहलाद हिंगड़ को 309 व गोपाल सोमानी को 264 वोट प्राप्त हुए। श्री हिंगड़ 48 वोटों से विजयी रहे। संचालक सदस्यों में केदार जागेटिया, ओम प्रकाश मालू, दिलीप (अखेराम) तोषनीवाल , सुरेश काबरा को सर्वाधिक मत प्राप्त हुए व संचालक सदस्य चुने गए।

नजर महेश सेवा समिति पर

वर्ष 2008 में श्री महेश सेवा समिति की कमान चेचानी के हाथ आई तब संस्था को आर्थिक संकट था। लेकिन अपने श्रेष्ट मैनेजमेंट से संस्था को आज फर्श से अर्श तक पहुंचाया। संस्था ने वटवृक्ष का रूप ले लिया है। यह समाज की एकमात्र ऐसी संस्था है, जो पिछले 10 वर्षों से बिना किसी के आर्थिक सहयोग के व बगैर किसी दानदाताओं के संचालित है और बहुत अच्छी स्थिति में है।

'समस्या आपकी - निदान हमारे'

विवाह में बाधा, आर्थिक परेशानी,
स्थायी सम्पत्ति का निर्माण कब होगा

ऐसी जीवन की जटिल समस्याओं का आसान निदान

पं. विनोद रावल ज्योतिषी

26, साकेत नगर, इंदौर रोड, उज्जैन
फोन: 0734-2515326 मो. 94254-31108

आप
मोबाइल पर भी
सलाह/निदान
ले सकते हैं

परामर्श शुल्क
500/-

पश्चिमी उ.प्र. सभा की प्रथम बैठक संपन्न

वृंदावन। पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा की पहली बैठक स्थानीय अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन मे आयोजित की गयी। शुभारंभ अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा में उत्तरांचल उपसभापति अशोक सोमानी, संयुक्त मंत्री विनीत केला अलीगढ़, प्रदेश अध्यक्ष कमलेंद्र माहेश्वरी मुजफ्फरनगर प्रदेश मंत्री सुभाषचन्द्र बाहेती बिल्सी एवं कोषाध्यक्ष नवनीत माहेश्वरी छर्रा, संगठन मंत्री अजय माहेश्वरी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद केला, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र केला, उपाध्यक्ष महेंद्र डागा, संयुक्त मंत्री अजय माहेश्वरी मथुरा,गोपाल माहेश्वरी गाजियाबाद एवं प्रदेश सभा के विभिन्न पदों पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा किया गया। महासभा कार्यसमिति सदस्यों का चुनाव भी हुआ, जिसमें बिनोद माहेश्वरी निर्वाचित हुये। प्रदेश अध्यक्ष कमलेन्द्र माहेश्वरी ने महासभा द्धारा समाजहित में चलने वाली योजनाओं से सभी को अवगत कराते हुये सभी से आग्रह किया कि सभी जिलाध्यक्ष अपने-अपने जिले के जरूरतमन्द परिवारों को महासभा की योजनाओं का लाभ दिलवाये। प्रदेश मंत्री सुभाष बाहेती ने मंच का संचालन किया। प्रदेश कोषाध्यक्ष नवनीत माहेश्वरी ने भी संबोधित किया। उन्होंने प.उ.प्र. का एक परिचय सम्मेलन अपने नगर छर्रा में कराये जाने का आग्रह किया। इस अवसर पर जिला माहेश्वरी सभा बदायूँ के सभी पदाधिकारी जिला अध्यक्ष मुकेश बाबू माहेश्वरी, महेश चन्द्र माहेश्वरी सहसवान, जिलामंत्री जयप्रकाश लड्डा बिल्सी, दीपक माहेश्वरी, राकेश माहेश्वरी, सुबीन माहेश्वरी, मुकेश माहेश्वरी बदायूँ, राजीव आसावा, सतीश माहेश्वरी, सुवीन माहेश्वरी बिल्सी आदि उपस्थित थे।

हेड़ा अध्यक्ष व अजमेरा मंत्री

भीलवाड़ा। शाहपुरा तहसील माहेश्वरी सभा के चुनाव गत 25 जनवरी को शाहपुरा में चुनाव अधिकारी रतनलाल मंडोवरा, प्रमोद डाड ,लक्ष्मीनारायण सोमानी व राजेंद्र भदादा के निर्देशन में सम्पन हुए। इसमें रामप्रसाद हेडा को पुनः अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उपाध्यक्ष वल्लभ अजमेरा कनेछनकला, मंत्री पवन कुमार अजमेरा शाहपुरा, कोषाध्यक्ष भागचंद मंत्री शाहपुरा, संगठन मंत्री जगदीश प्रसाद सोमानी ढिकोला, संयुक्त मंत्री राम सोमानी फुलिया कला चुने गए। जिला प्रतिनिधियों का भी चुनाव हुआ।

जहाँ कोशिशों का कद बढ़ा होता है...
वहाँ नसीबों को भी झुकना पड़ता है...

माहेश्वरी होस्टल द्वारा रक्त दान

बैंगलुरू। गत 16 फरवरी को राजराजेश्वरी नगर स्थित माहेश्वरी हॉस्टल के छात्रों ने इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्त दान शिविर का आयोजन किया। इसमें हॉस्टल के छात्र एवं अन्य दानकर्ताओं ने सहर्ष रक्तदान कर कुल 57 यूनिट इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी को प्रदान किया।

दुखी मत होइए क्योंकि आप
जो कुछ भी खो देते हैं
वह किसी न किसी रूप में आपके
पास वापस लौट आता है।
'खुश रहें....खुश रखें'

महिला मंडल ने मनाया बसंतोत्सव

उज्जैन। श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल द्वारा आयोजित बसंतोत्सव पर्व पर सभी महिलाएं पीले परिधान में सजधज कर आई। बसंत उत्सव पर आधारित मनोरंजक गेम व हाऊजी भी खेले गए। तत्पश्चात बासंती कलर में नाश्ता व भोजन परोसा गया। नवनिर्वाचित पश्चिमी मध्यप्रदेश माहेश्वरी संगठन की अध्यक्ष वीणा सोमानी (इंदौर) का सम्मान महिला मंडल ने किया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष हेमलता गांधी, सचिव मनोरमा मंडोवरा, तेजूदेवी तोषनीवाल, संध्या हेड़ा, वंदना जैथलिया, शोभा मूंदड़ा, उषा सोडानी, सीमा परवाल, संगीता भूतड़ा, निर्मला देवपुरा, अर्चना भूतड़ा, शीतल मूंदड़ा आदि उपस्थित थीं।

आनंद मेला का हुआ आयोजन

पिपरिया। माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा आनंद मेले का आयोजन माहेश्वरी भवन सांडियारोड पर किया गया। शुभारंभ क्रार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मध्य क्षेत्रीय महिला संगठन की अध्यक्ष अनिता जावंधिया बनखेडी, कार्यक्रम अध्यक्ष अभा महिला संगठन की सदस्य शोभा भट्टर, विशिष्ठ अतिथि प्रकल्प प्रखर राजश्री राठी, होशंगाबाद हरदा जिला अध्यक्ष आशा मालपानी थीं। महिला संगठन की प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती जावंधिया, प्रकल्प प्रखर की श्रीमती राठी, जिलाध्यक्ष श्रीमती मालपानी, प्रादेशिक नर्मदांचल संयुक्त मंत्री अजय घुरका, जिला सचिव अशोक तोषनीवाल, जिला सांस्कृति मंत्री डॉ. प्रीति भूतडा, सांस्कृति मंत्री गौरव मल्ल, स्थानीय अध्यक्ष सुशील गांधी का सम्मान किया गया। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष नरसिंहदास भट्टर,पूर्वजिलाध्यक्ष बालकिशन टावरी, युवा संगठन अध्यक्ष नवनीत झंवर, सचिव उमेश सुरजन विशेष रूप से उपस्थित थे। मेले में चटपटे व्यंजनों चाट, पकोडी, गोलगप्पे, केक, भेल, चाय, पान इत्यादि के स्टाल लगाये गये। वही मनोरंजक गेम्स के साथ खरीदी के लिये साड़ी, मोती, ज्वेलरी एवं जनरल सामानों के स्टाल भी लगाये गये। आभार अरूणा मूंदडा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन नीलू मालपानी ने किया।

दर्श को स्वर्ण पदक

इंदौर। जिला माहेश्वरी समाज के संगठन मंत्री प्रहलाद सेठ ने बताया कि देवास में आयोजित राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में समाज सदस्य उपेंद्र माहेश्वरी (अटासनिया) के पुत्र दर्श माहेश्वरी ने धार जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए 7 से 9 फरवरी तक 10 जिलों के खिलाड़ियों के साथ भाग लिया। इसमें 11 वर्षीय दर्श ने 35 किलो वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता।

दो बातों की गिनती करना छोड़ दीजिये....
खुद का दुःख...
और दुसरे का सुख....
ज़िन्दगी आसान हो जाएगी.

शपथ विधि समारोह का हुआ आयोजन

इंदौर। ग्रामीण जिला माहेश्वरी महिला मंडल का शपथ विधि समारोह गत दिनों आयोजित हुआ। कार्यक्रम में महू, राऊ, बेटमा, मानपुर, हासलपुर आदि स्थानों से संगठन के सदस्य उपस्थित थे। मुख्य अतिथि प्रदेश प्रांतीय आंचल महिला संगठन अध्यक्ष वीणा सोमानी, विशेष अतिथि राष्ट्रीय समिति प्रमुख निर्मला बाहेती थीं। अध्यक्षता अन्नु बाहेती ने की। अतिथियों ने नवीन पदाधिकारी अध्यक्ष किरण माहेश्वरी महू, सचिव वंदना चांडक राऊ तथा कोषाध्यक्ष संगीता जाजू बेटमा के साथ ही शांता बांगड़, अलका शारदा, प्रेमलता नवाल, सुशील चिचाणी, संतोष अजमेरा, किरण अजमेरा को पद की शपथ दिलवाई। अतिथि परिचय पदमा सोडानी ने दिया। आभार प्रदर्शन वंदना चांडक राऊ ने किया। इस कार्यक्रम में निर्मला जाजू, कांता सोडानी, रत्ना जाखोटिया आदि कई सदस्याएं उपस्थित थीं।

रूबरू होना पड़ता है तकलीफों से...
यूं ही कोई काबिले तारीफ़ नही होता..

गोमाता की उपस्थिति में विवाह

भीलवाड़ा (हलचल)। गोमाता हमारी संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान रखती है और प्रदेश में पहली बार एक ऐसी शादी हो रही है जिसमें गाय की मौजूदगी में सभी रस्में होंगी। गाय को बारात में भी ले जाया जाएगा और वह फेरों के दौरान वहां भी मौजूद रहेगी। सांगानेर निवासी प्रीतेश जैथलिया की शादी धनोप की स्वाति से हो रही है। प्रीतेश ने बताया कि उनकी बचपन से ही इच्छा थी उनकी शादी गोमाता की मौजूदगी में हो क्योंकि गोमाता में 36 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। फिर भी आज की भागदौड़ भरी व्यस्त जिंदगी में लोग गोमाता से दूर हो रहे हैं, जिससे गाय दयनीय स्थिति में जा रही है। लोगों को गाय का धार्मिक व सामाजिक महत्व समझाने के उद्देश्य से उन्होंने शादी में गाय को शामिल किया है। शादी की सभी रस्मों में दूल्हे के साथ मौजूद रहकर गाय साक्षी बनेगी। दूल्हे से पहले गाय की पूजा होगी। यह शादी देश में दूसरी व प्रदेश में पहली ऐसी शादी है जिसमें गोमाता मौजूद रहेगी। इससे पहले गुजरात के सूरत में गोमाता की मौजूदगी में शादी हुई थी। प्रीतेश समाजसेवी दिनेश जैथलिया के सुपुत्र हैं।

खाल्या अध्यक्ष व मालपानी सचिव

भीलवाड़ा. हुरड़ा तहसील माहेश्वरी समाज के चुनाव गत 16 फरवरी को गुलाबपुरा के महेश भवन में जिला पर्यवेक्षक ओमप्रकाश गंडोदिया व राजेंद्र भदादा, जिला पर्यवेक्षक लक्ष्मीनारायण सोमानी व कृष्णगोपाल राठी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इसमें अध्यक्ष पद हेतु मुकेश काल्या विजय हुए। राष्ट्रीय युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शपथ दिलाई। चुनाव के बाद कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें संरक्षक बसंतीलाल काल्या, उपाध्यक्ष शांतिलाल जागेटिया रूपाहेली, सत्यनारायण सोमानी आगूचा, नंदकिशोर काबरा गुलाबपुरा, मंत्री दुर्गालाल मालपानी भोजरास, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण तोषनीवाल गुलाबपुरा, संगठन मंत्री कैलाश चंद्र लड्ढा व संयुक्त मंत्री मनोज तोषनीवाल को बनाया गया।

रामजन्मभूमि ट्रस्ट में गोविंदगिरि शामिल

अयोध्या। महाराज श्री गोविन्ददेव गिरि महाराज को भारत सरकार ने श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में ट्रस्टी के रूप में शामिल किया। पुणे जिला माहेश्वरी प्रगति मंडल जिला सभा के कार्यकर्ताओं ने महाराजश्री का अभिनंदन किया।

महाशिवरात्रि पर काव्य गोष्ठी

भीलवाड़ा। लोक कला मंचन संस्थान राजस्थान एवं स्वर्गीय श्री रामजस सोडाणी स्मृति संस्थान भीलवाड़ा के तत्वावधान में महाशिवरात्रि के अवसर पर सत्यम् शिवम् सुन्दरम्- काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। संयोजक डॉ अशोक सोडाणी ने बताया कि इनमें जय प्रकाश भाटिया, उदय लाल सिंघवी, सरदार एस एस गम्भीर, श्यामसुंदर जोशी, नरेंद्र दाधीच आदि कई कवियों ने अपनी प्रस्तुति दी।

जीत निश्चित हो तो अर्जुन कोई भी बन सकता है... परंतु जब मृत्यु निश्चित हो तो अभिमन्यु बनने के लिए साहस चाहिए.

चिकित्सा व रक्तदान शिविर संपन्न

भीलवाड़ा। सोनी हॉस्पिटल में श्रीमती केसरबाई सोनी की पुण्यस्मृति में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर व श्री नगर माहेश्वरी सभा और श्रीमती केसरबाई सोनी चेरिटेबल ट्रस्ट के सयुंक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। हॉस्पिटल के सीईओ श्याम बिड़ला ने बताया कि शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि भीलवाड़ा एसपी हरेंद्र महावर ने किया। इस दौरान संगम ग्रुप के चेयरमैन रामपाल सोनी, एस.के.मोदानी, ममता मोदानी, अर्चना सोडाणी, विनोद सोडाणी, अनुराग सोनी, आर.एल. नौलखा, नगर परिषद सभापति मंजू चेचाणी, महात्मा गांधी हॉस्पिटल के सीएमएचओ मुस्ताक खान, श्रीनगर महेश्वरी सभा के अध्यक्ष केदार जागेटिया, मंत्री अतुलराठी मौजूद थे। इस अवसर पर हेल्थ अवेयरनेस टॉक का आयोजन भी हुआ।

मूंदड़ा व सारड़ा सम्मानित

पुणे। प्रजापति ब्रम्हकुमारी द्वारा विश्वशांति हेतु आयोजित शिवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम के प्रमुख उद्घाटक गोविंद मुंदडा अध्यक्ष, पुणे जिला सभा तथा संस्था सचिव शेखर सारडा का भी सम्मान किया गया। महाशिवरात्रि का महत्व प्रजापति ब्रम्ह कुमारी सरिता ने बड़ी सहजता से समझाया। महोत्सव में नृत्यनाटिका द्वारा विश्वशान्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम का कुशल आयोजन श्याम झँवर ने किया।

चाण्डक बने महासभा के कार्यकारी मण्डल सदस्य

अर्जुन्दा (छ.ग.)। गुण्डरदेही परिक्षेत्र के अंतर्गत अर्जुन्दा के जगदीश चाण्डक को दुर्ग जिला सभा की ग्रामीण सीट से अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा का कार्यकारी मण्डल सदस्य निर्वाचित किया गया। वे इसके पूर्व सचिव दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा, अध्यक्ष गुण्डरदेही परिक्षेत्र माहेश्वरी सभा व दो बार सचिव गुण्डरदेही परिक्षेत्र माहेश्वरी सभा की जिम्मेदारी वहन कर चुके हैं।

पदमश्री राठी ने किया श्री माहेश्वरी मेलापक का विमोचन

उज्जैन। ख्यात वरिष्ठ समाजसेवी अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति चैन्नई निवासी पद्मश्री बंशीलाल राठी अपनी पारिवारिक यात्रा पर सुपुत्र नवल राठी व पुत्रवधू के साथ उज्जैन स्थित श्री माहेश्वरी टाईम्स कार्यालय पर पधारे। श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा प्रकाशित विश्वस्तरीय वैवाहिक डायरेक्ट्री ''श्री माहेश्वरी मेलापक'' का श्री राठी के कर कमलों से विमोचन किया गया। इसमें 800 से अधिक प्रोफेशनल तथा नॉन प्रोफेशनल विवाह योग्य युवक - युवतियों के बायोडाटा समाहित हैं। इस अवसर पर उपस्थित समाजसेवी कैलाश डागा, नवल माहेश्वरी, महाकाल सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष जयप्रकाश राठी, श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती व मुनि बाहेती आदि ने श्री राठी का अभिनंदन किया। श्री राठी ने समाजजनों से चर्चा में समाजहित में चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली व आवश्यक परामर्श भी दिया। श्री बाहेती ने श्री माहेश्वरी मेलापक की जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 14 वर्षों से श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा ''माहेश्वरी मेलापक'' का प्रकाशन किया जा रहा है। अभी तक यह हजारों सफल रिश्तों को जोड़ने में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान दे चुकी है। इसमें विभिन्न वर्गों के लिये भिन्न-भिन्न रंगों के पृष्ठ दिये गये हैं, जिससे संबंधित बॉयोडाटा को खोजना अत्यंत आसान हो गया है।

फूलों से मनाई होली

धंतोली (छ.ग.)। निकुंज महिला मंडल ने फूलों की होली गोपालकृष्णा मंदिर धंतोली में बहुत ही धूमधाम से मनाई। अध्यक्ष नीता लड्ढा, सचिव पुष्पा कलंत्री ने भगवान के सामने बहुत सुंदर रंगोली बनाकर पूजा अर्चना से शुरुआत की। शुभा धीरन कृष्ण और सरिता झंवर राधा बनी थी। विजया बंग, सरला सोमानी, सरला राठी आदि सभी बहनों ने एक से एक फाग भजनों की प्रस्तुति की। सभी सदस्याओं ने खेल में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रचार मंत्री पूनम प्रदीप राठी ने बताया कि मनीषा चांडक, कल्पना हेड़ा, शोभा गांधी, सुनीता गांधी, साधना नबीरा, सरला सोमानी, कृष्णा मोहता, प्रीति चांडक, उषा बिरला, वंदना चांडक, भावना नबीरा, श्वेता कासट, शांति कोठारी, अर्पणा भांगड़िया आदि का इसमें सहयोग रहा।

मोनी अमावस्या पर सेवा

पुरूलिया। माहेश्वरी महिला समिति पुरूलिया (अंतर्गत पश्चिम बंगाल प्रदेश) ने मोनी अमावस्या पर माहेश्वरी सभा, महिला समिति और नवयुवती संगठन के साथ मिलकर 1500 लोगों को चाय और बिस्किुट खिलाया। यह प्रोजेक्ट तीन स्थान पर सदर अस्पताल, रणछोड़ गली और राम मंदिर के पास आयोजित हुआ। सुबह 8 से दोपहर 3 बजे तक चला। पश्चिम बंगाल प्रदेश अध्यक्ष नीरा मल्ल, सचिव कृष्ण पेडिवाल, कोषाध्यक्ष कांता मल्ल, प्रदेश की निवर्तमान सचिव कुसुम मल्ल, सभा अध्यक्ष विनोद मल्ल, सचिव वितुल मल्ल एवं पुरूलिया अध्यक्ष राजश्री कोठारी, सचिव रूपा चांडक, नवयुवती सचिव मुदिता मोहता सहित समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

ख़ुद से जीतने की जिद है,
ख़ुद को ही हराना है
मैं भीड़ नहीं दुनिया की,
मेरे अंदर एक ज़माना

घोड़ा वही प्रथम आता है जिसका सवार कुशल हो,
और परिवार वही आगे बढ़ता है
जिसका मुखिया समझदार हो !!

बुजुर्गों के साथ खेली फूलों से होली

गुना। स्थानीय जय श्री कृष्णा महेश्वरी मंडल गुना द्वारा बुजुर्गों के साथ फूलों की होली मनाई गई। कार्यक्रम का प्रारंभ पारंपरिक तरीके से एक-दूसरे को गुलाल का टीका लगाकर किया गया। हमारे बुजुर्गों ने विलुप्त होते होली के गीत और रसिया सुनाएं। उनके ससुराल में उनकी पहली होली किस तरह से मनी, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर ने माहौल को खुशमिजाज बना दिया। अंत में स्वल्पाहार के साथ बुजुर्गों को स्मृति चिन्ह के रूप में तुलसी के गमले देकर सम्मानित किया गया। गेम्स के पुरस्कार पूनम लड्ढा द्वारा प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आयोजन मंडल की पूर्व अध्यक्ष नीलिमा लाहोटी के निवास पर हुआ। सचिव ममता भट्टड ने सभी का आभार माना। इस अवसर पर मंडल की अध्यक्षा नीलम लड्ढा, आशा राठी, रितु भट्टड, शशि राठी सहित सभी सदस्याएं मौजूद थी।

महेश सेवा समिति के सेवा के 30 वर्ष पूर्ण

अमरावती। सेवा संस्था श्री महेश सेवा समिति अमरावती ने अपनी सेवा के 30 वर्ष पूर्ण किये हैं। इस संस्था द्वारा अभी तक आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु कर्ज, शैक्षणिक सहायता (शिष्यावृत्ती), चिकित्सा सहायता, वैद्यकीय शल्यक्रिया सहायता व ऑपरेशन खर्च आदि में अभी तक कुल एक करोड़ 90 लाख 35 हजार रूपए की सहायता प्रदान की है। समिति द्वारा महेश भवन भी विविध समाजोपयोगी आयोजनों हेतु न्यूनतम दरों पर अथवा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। उक्त जानकारी एन.टी.राठी ने दी।

ये दबदबा, ये हुकूमत,
ये नशा, ये दौलतें...
सब किरायेदार हैं,
घर बदलते रहते हैं..!

राठी को राष्ट्रीय प्रतिभा पुरस्कार

पुणे। डम्ब एण्ड डिफ रिलिफ एसोसिएशन, माहेश्वरी आधार समिति एवं राठी मुकबधीर विद्यालय के सचिव तथा जवाहर कर्मचारी पतसंस्था के संस्थापक अध्यक्ष 74 वर्षीय बंकटलाल राठी को अतुल्य भारत प्रतिभा पुरस्कार से तेरहवें अखिल भारतीय प्रतिभा सम्मेलन 2020 पुणे में सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार आपको आजाद हिंद सेना के सेनानी वयोवृद्ध 93 वर्षीय राधाकृष्ण शास्त्री, विधानसभा सदस्य महेश लाडगे, पद्मश्री डॉ.सुदाम काढे, भारतीय सेना के उपसेनापति ले.जन.गुरुमीतासिंह आदि गणमान्यजनों की उपस्थिति में प्राप्त हुआ।

बात 'संस्कार' और
'आदर' की होती है ..
दोस्तो ... वरना ....
जो इंसान सुन सकता है
वो सुना भी सकता है

गणतंत्र दिवस पर ली पद की शपथ

इंदौर। माहेश्वरी फ्रेंडस ग्रुप के सदस्य दम्पत्तियों ने गणतंत्र दिवस पर कीमती गार्डन में मुख्य अतिथि विशाल अंजली राठी गौतमपुरा अध्यक्ष इंदौर ग्रामीण जिला माहेश्वरी समाज, अतिथि रमेश जमना डाड (माहेश्वरी) व राजेश गुंगड अध्यक्ष माहेश्वरी समाज जिला इंदौर की उपस्थिति में गणतंत्र दिवस पर सुबह 11 बजे तिरंगा ध्वजारोहण किया गया। अतिथि श्री राठी ने नवनियुक्त अध्यक्ष सुभाष हेमलता भट्टड एवं उनके साथ सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने पद पर शपथ दिलाई गई। निवृत्तमान अध्यक्ष महेश पुष्पा काबरा ने अध्यक्ष की पिन सुभाष, हेमलता भट्टड को लगाकर अपना कार्यभार सौंपा। रामकथा छत्रीबाग व्यंकटेश मंदिर के मुख्य यजमान एवं यजमान सदस्य दम्पत्तियों का सम्मान शाल एवं हार के साथ स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया। इस कार्यक्रम में सुरेश जमना राठी, सम्पत कुमार राधा साबू, गोविंद उषा राठी आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी सम्पत कुमार राधा साबू ने दी।

हीरे को परखना है तो अँधेरे का इंतज़ार करो,
धूप में तो कांच के टुकड़े भी चमकने लगते हैं।

श्रीमती मूंधड़ा को लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार

मालेगांव। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा नासिक में आयोजित नव-पदभार ग्रहण-शपथविधि एवं सम्मान-संध्या कार्यक्रम में सुमिता राजकुमार मूंधड़ा को लघुलेख लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। पुरस्कार में उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी भेंट की गई। कार्यक्रम में शैला कलन्त्री, सरला मालपानी, नीता डागा सहित जिला के गणमान्य महिला पदाधिकारी उपस्थित थे। एक कवियत्री एवं लेखिका के रूप में सुमिता मूंधड़ा ने अपनी विशेष पहचान बनाई है।

वंशिका को 83 प्रतिशत अंक

लखनऊ। मिरहची जिला एटा निवासी स्वर्गीय श्रीमती मनोरमा एवं उपेंद्र कुमार माहेश्वरी की सुपौत्री एवं लखनऊ निवासी ऋतु एवं अंशु माहेश्वरी की सुपुत्री कुमारी वंशिका माहेश्वरी ने बी.टेक की परीक्षा 83प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की। उनका चयन सेवा हेतु एचसीएल कम्पनी में हुआ है।

श्रुति बनी सीए

एरंडोल। माहेश्वरी सभा के नगर अध्यक्ष राजकुमार गणपति मानुधने और जलगांव जिला माहेश्वरी महिला संगठन की उपाध्यक्षा मीना राजकुमार मानुधने की सुपुत्री श्रुति ने परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सीएमए इंटर में तनवी का तीसरा स्थान

भीलवाड़ा। समाज सदस्य प्रदीप लाठी-ज्योति लाठी की बेटी तनवी लाठी ने सीएमए इंटर की दोनों ग्रुप की परीक्षा उत्तीर्ण कर तीसरी रैंक हासिल की है। तनवी सीए के साथ कॉस्ट अकाउंटेंट भी बनना चाहती हैं।

पुलकित सीए फाउंडेशन उत्तीर्ण

ताल (रतलाम)। समाज सदस्य प्रफुल्ल-वंदना सोमानी के सुपुत्र पुलकित सोमानी ने सीए फाउंडेशन की परीक्षा श्रेष्ठ अंकों, उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

सीए में यश को 17 वीं रैंक

लोणी। होटल संचालक श्यामसुंदर तापड़िया के पौत्र तथा जगदीश माधुरी तापड़िया के सुपुत्र यश ने सीए की परीक्षा भारत में 17 वाँ स्थान प्राप्त कर उत्तीर्ण की। उल्लेखनीय है कि यश ने 10वीं में 94 प्रतिशत व 12वी में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए तथा 12वी में 'बेस्ट स्टूडेंट' का बहुमान भी प्राप्त किया था।

अब कहां दुआओं में वो बरकतें,
वो नसीहतें वो हिदायतें,
अब तो बस जरुरतों का जलूस हैं
मतलबों के सलाम हैं।

हाईकू

राम मूंदड़ा, इंदौर

जान में जान
आ गई यारो,
वह किसी और से
खफा निकला

■

पेड़ पर शाम से
फिर मातम है
आज फिर
एक परिंदा
कम है

■

न पाने से
किसी के है
न खोने से
मतलब है
ये दुनिया है
इसे तो कुछ न कुछ
होने से मतलब है

■

झुककर सलाम
करने में क्या
हर्ज है मगर
सर इतना मत
झुकाओं की
दास्तार गिर पड़े

■

मैं कतरा
हो के भी
तूफां से जंग लेता हूं
मुझे बचाना समुंदर
की जिम्मेदारी है

■

सांप नहीं मरता
अपने विष से
फिर मन की पीड़ाओं
का डर क्या।

माहेश्वरी समाज का स्थापना दिवस मनाया

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर का 95 वां स्थापना दिवस 1 फरवरी को मनाया गया। उल्लेखनीय है कि जयपुर माहेश्वरी समाज की स्थापना 1925 में की गयी थी। समाज के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं समाज की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां प्राप्त करने वाले 28 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। महामंत्री गोपाललाल महामंत्री द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन पढ़ा गया जिसमें समाज के अन्तर्गत संचालित विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के अलावा उत्सव, अभिनन्दन जनोपयोगी भवनों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। समारोह में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाऐं रियायती दर पर उपलब्ध करवाने, एम्बुलेन्स सेवा, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण, विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल का निर्माण, महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए कुटीर उद्योग की स्थापना करने की भावी योजना पर प्रकाश डाला गया।

माहेश्वरी महिला मंडल चौहटन के चुनाव सम्पन्न

चौहटन। माहेश्वरी महिला मंडल चौहटन का आगामी सत्र के चुनाव पूर्व अध्यक्ष रीटा बाहेती के सानिध्य में संपन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से बबीता माहेश्वरी को अध्यक्ष चुना गया एवं खेती देवी को सचिव चुना गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौमती करवा, उपाध्यक्ष मंजू धारनासिया, रामेश्वरी राठी, कोषाध्यक्ष निर्मला राठी, संगठन मंत्री निर्मला बाहेती, सहसचिव प्रेमलता करवा, सांस्कृतिक मंत्री मंजू गीगल, प्रचार मंत्री विमला बंदूरा, कल्पना मथराणी, खेल मंत्री जेवन्ती शारदा, अर्निमा बंदूरा, आध्यात्म सेवा समिति विमला मथराणी, मनीषा राठी, माहेश्वरी सेवा समिति सुशीला धारनासिया, पूर्णा मथराणी को सर्व सहमति से चुना गया।

अखंड रामायण पाठ का आयोजन

ओढ़व (अहमदाबाद)। श्री माहेश्वरी रामायण मंडल द्वारा प्रतिवर्ष की तरह महाशिवरात्रि पर्व पर अखंड रामचरित मानस पाठ व अखंड ज्योति का आयोजन चारभुजानाथ मंदिर में किया गया। इस अवसर पर भोजन प्रसादी भी रखी गई। इसमें रामायण मंडल के सदस्य लक्ष्मीलाल झंवर, चंद्रप्रकाश कासट, राकेश देवपुरा, मांगीलाल ईनाणी, शंकरलाल मेहलाना, लक्ष्मीलाल कोठारी, विनोद चौधरी, शंकर ईनाणी, सत्यनारयण कोठारी, सत्यनारायण भदादा, गोपाल समदानी आदि का सहयोग रहा।

कॉमेडी शो एवं हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन

इंदौर। माहेश्वरी संस्कृति द्वारा तृतीय वर्ष की प्रथम सभा का आयोजन 23 फरवरी को ऑरियन नक्षत्र हॉल इंदौर में किया गया। जानकारी देते हुए संयोजक मुनीश-किरण मालानी ने बताया कि गणेश वंदना श्रीमती प्रज्ञा सोढानी द्वारा प्रस्तुत की गई। सभा के सदस्यों द्वारा कॉमेडी लाईव शो की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर हास्य कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. राजीव शर्मा अंतर्राष्ट्रीय हास्य कवि एवं संचालक की उपस्थिति में श्री वाहे गुरु भाटिया, मुंबई, नरेंद्र नखेत्री कायथा तथा डॉ. काव्या मिश्रा, मुंबई ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आलोक-अनुराधा बिहानी ने की। आभार प्रो. बालकृष्ण-सरिता राठी ने माना।

पुण्य स्मृति में किया भण्डारे का आयोजन

उरई (जालौन)। ईश्वर की कृपा और मानवता की सेवा के लिए पूज्य माता श्री श्रीमती स्वर्गीय राम किशोरी पत्नी स्वर्गीय श्री मानिक चंद महेश्वरी की पुण्यतिथि के अवसर पर राधा सर्वेश्वर आश्रम गोवर्धन में भंडारे का आयोजन किया। इस अवसर सुशीलकुमार माहेश्वरी, सुधीर कुमार माहेश्वरी (डंगरा), अंशु, सुजाता, गरवित और जय माहेश्वरी वहां मौजूद थे।

वो किताबों में दर्ज था ही नहीं
जो पढ़ाया सबक जमाने ने.
खुद में झाँकने के लिए
जिगर चाहिए,
दूसरों की शिनाख्त में
तो हर शख्स माहिर है।।

नव विक्रम संवत् 2077

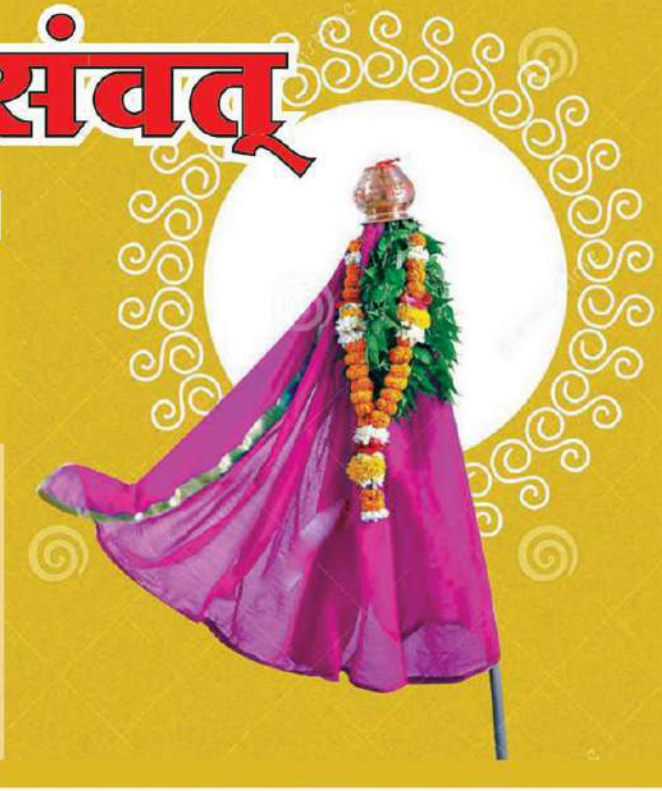

आगामी 25 मार्च को हमारे भारतीय नववर्ष विक्रम संवत् 2077 की शुरूआत हो रही है। तो आईये करें अपने नवसंवत का स्वागत ईस्वी सन् से भी 'जोरदार', क्योंकि यह है, हमारे लिये बहुत खास। आईये जानें, क्यों?

हमारा विक्रम संवत् दुनियाभर की कालगणसना में सबसे अधिक वैज्ञानिक है। यही कारण है कि सूर्य व चंद्र ग्रहण आदि भी भारतीय कालगणना अनुसार होते हैं, न कि पाश्चात्य अथवा अन्य के अनुसार। इसका कारण इसका पूर्ण वैज्ञानिक आधार होना है। नव विक्रम संवत की शुरूआत गुड़ी पड़वा से होती है। खगोल विज्ञान के अनुसार सूर्य अपना भ्रमण या कहें पृथ्वी सूर्य के आसपास अपना पूर्ण भ्रमण इस दिन पूर्ण कर नवीन भ्रमण प्रारंभ कर देती है। अतः इसके अनुसार हर विक्रम संवत वास्तव में इनका पूर्ण भ्रमण ही है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य एक वर्ष में 30-30 अंश की कुल बारह राशियों का परिभ्रमण कर इस दिन पुनः अपनी प्रथम राशि मेष में प्रवेश करता है।

स्वास्थ्य का पर्व भी है गुड़ी पड़वा

इस समय जलवायु और सौर प्रभावों का एक महत्वपूर्ण संगम होता है। चैत्र नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर में नए रक्त का निर्माण और संचार होता है। नवसंवत्सर के दिन नीम की कोमल पत्तियों और ऋतु काल के पुष्पों का मिश्रण बनाकर उसमें काली मिर्च, नमक, हींग, मिश्री, जीरा और अजवाइन मिलाकर खाने से रक्त विकार, चर्मरोग आदि शारीरिक व्याधियां होने की आशंका नहीं रहती है तथा वर्ष भर हम स्वस्थ और रोग मुक्त रह सकते हैं। चैत्र ही एक ऐसा महिना है, जिसमें वृक्ष तथा लताएं फलते-फूलते हैं। शुक्ल प्रतिपदा का दिन चंद्रमा की कला का प्रथम दिवस माना जाता है। जीवन की मुख्य आधार वनस्पतियों को सोमरस चंद्रमा ही प्रदान करता है। अतः इसे औषधियों व वनस्पतियों का राजा भी कहा गया है और इसीलिए इस दिन को वर्षारंभ माना जाता है।

प्रमाणों के आयने में गुड़ी पड़वा

कहा जाता है कि इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसी दिन से नया संवत्सर भी शुरू होता है। विक्रम संवत की शुरूआत 57 ईसवी पूर्व से हुई थी। सम्राट विक्रमादित्य द्वारा शकों पर विजय प्राप्त करने की स्मृति में इस दिन आनंदोत्सव मनाया गया था। सम्राट विक्रमादित्य ने इस संवत्सर की शुरुआत की थी, इसीलिए उनके नाम से ही इस संवत का नामकरण हुआ है। इस नववर्ष के स्वागत उत्सव को भारत के विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है - जैसे कि महाराष्ट्र में 'गुड़ी-पड़वा, जम्मू कश्मीर में 'नवरेह', सिंधियों में 'चेटीचंद', केरल में 'विशु', असम में 'रोंगली बिहू', आंध्र, तेलंगाना तथा कर्नाटक में 'उगादी' और मणिपुर में 'साजिबू नोंग्मा पन्बा चैराओबा'। वर्तमान में उत्तर भारत में भी गुड़ी पड़वा पर्व मनाया जा रहा है।

ऐसे करें नववर्ष का स्वागत

नया संवत्सर प्रारंभ होने पर भगवान की पूजा करके प्रार्थना करनी चाहिए- ''हे भगवान! आपकी कृपा से मेरा वर्ष कल्याणमय हो, सभी विध्न बाधाएं नष्ट हो''। दुर्गाजी की पूजा के साथ नूतन संवत की पूजा करें। घर को बंदनवार से सजाकर पूजा का मंगल कार्य करें। कलश स्थापना और नए मिट्टी के बरतन में जौ बोएं और अपने घर में पूजा स्थल में रखें। सामान्य तौर पर इस दिन हिंदू परिवारों में गुड़ी का पूजन कर इसे घर के द्वार पर लगाया जाता है और घर के दरवाजों पर आम के पत्तों से बना बंदनवार सजाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह बंदनवार घर में सुख-समृद्धि और खुशियां लाता है। गुड़ी पड़वा के दिन खास तौर से हिंदू परिवारों में पूरनपोली नामक मीठा व्यंजन बनाने की परंपरा है, जिसे घी और शक्कर के साथ खाया जाता है। मराठी परिवारों में इस दिन खास तौर से श्रीखंड बनाया जाता है और अन्य व्यंजनों व पूरी के साथ परोसा जाता है। आंध्र में इस दिन प्रत्येक घर में पच्चड़ी प्रसाद बनाकर बांटा जाता है। गुड़ी-पड़वा के दिन नीम की पत्तियां खाने का भी विधान है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर नीम की कोपलें खाकर गुड़ खाया जाता है। इसे कड़वाहट को मिठास में बदलने का प्रतीक माना जाता है।

गुड़ी पड़वा इसलिये भी महत्वपूर्ण

हिन्दू पंचांग का आरंभ भी गुड़ी पड़वा से ही होता है। कहा जाता है कि महान गणितज्ञ-भास्कराचार्य द्वारा इसी दिन से सूर्योदय से सूर्यास्त तक

दिन, मास और वर्ष की गणना कर पंचांग की रचना की गई थी।

▸▸ गुड़ी पड़वा शब्द में गुड़ी का अर्थ होता है, विजय पताका और पड़वा प्रतिपदा को कहा जाता है । गुड़ी पड़वा को लेकर यह मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीराम ने दक्षिण के लोगों को बालि के अत्याचार और शासन से मुक्त किया था, जिसकी खुशी के रूप में हर घर में गुड़ी अर्थात विजय पताका फहराई गई। आज भी यह परम्परा महाराष्ट्र और कुछ अन्य स्थानों पर प्रचलित हैं, जहां हर घर में गुड़ी पड़वा के दिन गुड़ी फहराई जाती है।

▸▸ मान्यता है कि इस दिन दुर्गाजी के आदेश पर ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना की थी। इस दिन दुर्गाजी के मंगलसूचक घट की स्थापना की जाती है।

कहा जाता है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप में अवतार लिया था। सूर्य में अग्नि और तेज हैं और चंद्रमा में शीतलता, शांति और समृद्धि के प्रतीक सूर्य और चंद्रमा के आधार पर ही सायन गणना की उत्पत्ति हुई है।

▸▸ स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए नीम की कोपलों के साथ मिश्री खाने का भी विधान है। इससे रक्त से संबंधित बीमारी से मुक्ति मिलती है।

▸▸ एक प्राचीन मान्यता है कि आज के दिन ही भगवान श्रीराम जानकी माता को लेकर अयोध्या लौटे थे। इस दिन पूरी अयोध्या में भगवान के स्वागत में विजय पताका के रूप में ध्वज लगाए गए थे। इसे ब्रह्म ध्वज भी कहा गया।

▸▸ एक अन्य मान्यता है, श्री विष्णु ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही प्रथम जीव अवतार (मत्स्यावतार) लिया था।

▸▸ यह भी मान्यता है कि शालीवाहन ने शकों पर विजय आज के ही दिन प्राप्त की थी इसलिए शक संवत्सर भी प्रारंभ हुआ।

▸▸ मराठी भाषियों की एक मान्यता यह भी है कि मराठा साम्राज्य के अधिपति छत्रपति शिवाजी महाराज ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही हिंदू पदशाही का भगवा विजय ध्वज लगाकर हिंदवी साम्राज्य की नींव रखी।

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी अप्रैल अंक होगा
समाज की नारी शक्ति को समर्पित

महिला विशेषांक

जिसमे समाहित होंगे समाज की ऐसी महिलाओं
पर केन्द्रित आलेख जो अपने कार्यों से
समाज की गरीमा में लगा रही हैं,
चार चांद
यदि आपकी जानकारी में भी हैं, ऐसी नारी शक्ति
तो हमें दें जानकारी।
समाजहित में करेंगे उनका प्रकाशन

अन्तिम तिथि :
15 मार्च, 2020

नोट:- प्रकाशन का अंतिम निर्णय सम्पादक मंडल का होगा

सम्पर्क - 0734-2526761, मो. - 094250-91161, 99932-70298
कार्यालय – श्री माहेश्वरी टाईम्स, 90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail : smt4news@gmail.com

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के द्वादश सत्र हेतु समस्त पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन हो चुका है। संगठन को गत 11वें सत्र में राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में सफल व समर्पित सेवा दे चुकी कोटा निवासी आशा माहेश्वरी इस 12वें सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में संगठन का नेतृत्व करेंगी। श्रीमती माहेश्वरी के नेतृत्व में संगठन ने महासभा के साथ सामंजस्य से कार्य करने की कार्य योजना भी तैयार की है।

■ मधु बाहेती, कोटा

महिलाओं की 'आशा' बनीं आशा माहेश्वरी

आशा माहेश्वरी का जन्म 21 अप्रैल 1960 में कोटा (राजस्थान) में हुआ। उन्होंने समाजशास्त्र में एमए किया। बचपन से ही संस्कारिता, कुशाग्र बुद्धि, प्रतिभावान छात्रा के रूप में मानी जाती थी तथा कक्षा प्रतिनिधि भी रही। आशा माहेश्वरी का विवाह 1982 में कोटा में श्री बद्रीविशाल माहेश्वरी के साथ हुआ, जो कोटा के जाने माने सीए. हैं तथा 2015-16 में अंतरराष्ट्रीय लायंस डिस्ट्रिक्ट 323 ई-2 के गवर्नर रहे। परिवार में 2 पुत्र- अनीश सीए. तथा अनुज आईआईटी है। पुत्र वधु श्वेता एम.एससी. तथा रोहिता फैशन डिजाइनर है। 1पोता, 2 पोतियों के साथ भरापूरा परिवार है।

ऐसे प्रारम्भ हुई सेवा यात्रा

1993 में आप माहेश्वरी महिला मंडल की सदस्य बानी। 1998-2000 में महिला मंडल कोटा की अध्यक्ष बनी। श्रीमती माहेश्वरी की रिपोर्टिंग एवं कार्यक्षमताओं को देखते हुए 2003 आपको राजस्थान प्रदेश सचिव चयन किया गया। सितंबर 2004 में पश्चिमांचल अधिवेशन' लहरिया 2004' कोटा में सम्पन्न हुआ जिसमें आपको राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया। 7 जनवरी 2006 को औरंगाबाद अधिवेशन में सर्वश्रेष्ठ सचिव एवं पूर्ण उपस्थिति पुरस्कार से सम्मानित किया गया एवं 2006 में ही राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष के रूप में चयन किया गया। अपने अध्यक्ष काल में अनूठे, रचनात्मक कार्यों एवं भ्रमण से प्रदेश में जागृति की अलख जगाई। इसी सत्र में राजस्थान प्रदेश का विधान एवं डिरेक्ट्री प्रकाशित हुई।

राष्ट्रीय संगठन की ओर बढ़े कदम

आपको सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष के रूप में सम्मानित किया एवं पुनः रिपोर्टिंग, फ़ाइल प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। अहमदाबाद अधिवेशन में आपको पश्चिमांचल उपाध्यक्ष बनाया गया। इस सत्र में 10-11-12 जुलाई को 'नवरंग 2012' सोमनाथ में आपने सक्रिय भूमिका निभाई। नाथद्वारा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में आपको पुनः पश्चिमांचल उपाध्यक्ष बनाया गया। इस सत्र में आपके मार्गदर्शन में 24-25 मई 2016 में पुष्कर में 'अनुभूति-2016' अधिवेशन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। 15-16 अक्टूबर 2016 को 'अभिनंदनम्' राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में हरिद्वार में आपको राष्ट्रीय महामंत्री चयन किया गया।

सेवा ने दिलाया सम्मान

वर्तमान सत्र में अब राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सेवा देंगी। माहेश्वरी समाज के अलावा 10 अन्य सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं से जुड़ी हुई है। माहेश्वरी समाज कोटा एवं राम सेवा समिति कोटा जंक्शन ने उन्हें कोटारत्न की उपाधि से सम्मानित किया तथा माहेश्वरी महिला मण्डल कोटा द्वारा 'माहेश्वरी महिला गौरव सम्मान 2018' से सम्मानित हो चुकी हैं। सिद्धि एक प्रसिद्धि प्रकल्प में वर्ल्ड रिकॉर्ड बना। इस अवसर पर राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया एवं योग गुरु बाबा रामदेवजी की उपस्थिति में गोल्डन रिकॉर्ड के लिए मंच से सम्मानित किया गया। माहेश्वरी नवोदिता मण्डल ने 17 अक्टूबर 2018 को सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए अभिनन्दन पत्र से आपको सम्मानित किया। वर्ष 2018 में लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 3233 ई-2 में महिला सशक्तिकरण चेयरमेन बनाया गया। समाधान एक पहल के तहत पूरे भारत देश में 1639 सैनेट्री पैड वेंडिंग मशीनें लगाकर पुनः वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। वर्ष 2019-20 का लायंस क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट 3233 ई-2 में उन्हें न्यू वॉईस लिडरशिप चेयरमेन बनाया गया है। 11 जून 2019 को महेश नवमी के अवसर पर आईएमसीसी द्वारा आपको माहेश्वरी वूमन ऑफ बर्थ अवार्ड से सम्मानित किया गया।

यह भी करेगा महिला संगठन

अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट-महिलाओं का, महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा बनाया गया ट्रस्ट है, जिसमें बालिकाओं एवं महिलाओं को शिक्षा एवं स्वावलंबन हेतु आर्थिक सहयोग दिया जाता है। आगामी योजनाओं में गठबंधन के अंतर्गत कम से कम 10 जोड़ों का निःशुल्क सामूहिक विवाह करवाना उसमें एक-एक लाख रूपये तक की दैनिक आवश्यकताओं की सामग्री प्रदान करना शामिल है। मैट्रो सिटी में जहां शिक्षारत किशोरियों के लिए महासभा की छात्रावास योजनाऐं चल रही हैं। उन्हीं के साथ कामकाजी युवतियों एवं महिलाओं के लिए भी आवास योजनाओं के लिए महिला संगठन द्वारा सहयोग पर चर्चा व विचार-विमर्श किया जाएगा। प्रयास होगा कि माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित संस्थानों में माहेश्वरी समाज की जरूरतमंद महिलाओं को नौकरी आदि में प्राथमिकता मिले। समाज के बच्चों को माहेश्वरी समाज के स्कूल, कॉलेज आदि में उनकी आर्थिक स्थिति के अनुसार निःशुल्क या रियायत देना, प्रवेश में प्राथमिकता दिलवायेंगे। इस हेतु समाज के शिक्षा संस्थानों को लिपिबद्ध करना व उनकी जानकारी विशेष रूप से उस क्षेत्र के लोगों तक पहुंचाऐंगे। सीए, डॉक्टर, एडवोकेट, एडमीनीस्ट्रेटिव सर्विस आदि हायली एज्यूकेशन प्रोफेशनल महिलाओं के डेटा कलेक्ट किया जाएगा। संगठनों में समन्वय बनाये रखने के लिए एक समन्वय समिति का गठन किया जाएगा।

दस समितियां करेंगी चहुंमुखी सेवा

कर्म के द्वारा लक्ष्य प्राप्ति 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' कर्म करने में ही तेरा अधिकार है, 'मन में हो ये भाव-सेवा बने स्वभाव', इस भाव को मन मस्तिष्क में बैठाकर द्वादश सत्र के कार्यों की रूपरेखा बनाई है। प्रत्येक समिति में 1 राष्ट्रीय प्रभारी, 5 आंचलिक सह प्रभारी, प्रदेश में संयोजक, जिले में सह संयोजक, स्थानीय में समिति सदस्य इस तरह शृंखला बद्ध संगठन का लाभ लेते हुए ये अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सेवा कार्य करेंगी।

व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति

नम्रता बियाणी
समिति प्रभारी

शृंखलाबद्ध संगठन के तहत सुदृढ़ संगठन की कार्ययोजना जन-जन तक पहुंचे, इसके लिए संगठन का विस्तार हो, वरिष्ठ पूर्व अध्यक्षों द्वारा नए सदस्यों को संगठन की जानकारी, नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को 'मेरी टीम-मेरा हौंसला-मेरी ताकत' की तर्ज पर विधान के अनुसार अधिकार व कर्त्तव्य की जानकारी दी, कुशल नेतृत्व एवं कार्यकर्ता के गुण, प्रोटोकॉल आदि के बारे में सत्र के शुरू में ही कार्यशालाएं आयोजित करना।

ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति

प्रेमा झंवर
समिति प्रभारी

इस हेतु 5 जी-प्रोग्राम-गाय, गंगा, ग्राम, गीता, गोविंद को ध्यान में रखते हुए कार्य होगा। जैसे- गायः जीव संरक्षण, गौशालाओं का संचालन व गोद लेना। गंगा : जल संरक्षण, जल सेवा, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग (बरसात का पानी रोको, धरती की प्यास बुझाओ), नदी सफाई, पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण करना। ग्राम : एक ही गांव को गोद लेकर वहां पर जो माहेश्वरी परिवार निवास करते हैं, उनसे सम्पर्क स्थापित कर विकास की योजना बनवायेंगे। गीता : श्रीमद्भगवत गीता जीवन जीने की राह दिखाती है, बच्चों में गीता पठन की इच्छा जगाना, भावार्थ समझाना, कण्ठस्थ कराना लक्ष्य रहेगा। गोविंद : नर सेवा नारायण सेवा के अंतर्गत गरीब, असहाय, निःशक्त, मंदबुद्धि, वृद्धों की जरूरतों को सुनकर पूरा करने का प्रयास करना किया जाएगा।

स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति

शिखा भदादा
समिति प्रभारी

महिला स्वस्थ-परिवार स्वस्थ, महिलाओं का स्वास्थ्य डेटा बनाना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बनाए रखने हेतु-नियमित हेल्थ चेकअप, शारीरिक व्यायाम, मेडिटेशन, योग साधना (भोर योग) की अलख जगाना, किशोरियों के लिए रूबेला एचपीवी (ह्यूमेन पेपिलोमा वायरस) आदि के टीके लगाने हेतु, सेल्फ हाईजीन आदि की जानकारी हेतु वार्ताएं व शिविर आयोजित होंगे। पारिवारिक विघटन रोकने पर भी मेरा संबल मेरा परिवार कार्यक्रम आयोजित होंगे।

कौन बनेगी मणिकर्णिका?: बहनों की बौद्धिक, शारीरिक, कलात्मक, प्रदर्शनात्मक प्रतिभाओं को मुखरित होने का अवसर प्रदान कर उनकी प्रतिभा को शृंखलाबद्ध संगठन के माध्यम से अखिल भारतवर्षीय स्तर तक पहुंचाना ख्याति-प्रसिद्धि दिलवाना आदि।

महिला अधिकार, उत्थान, सुरक्षा व सशक्तिकरण :

ऊषा मोहंता
समिति प्रभारी

शत-प्रतिशत उच्च शिक्षा, व्यवसायिक दक्षता, व्यवसाय हेतु आर्थिक सहयोग देकर या विभिन्न ट्रस्टों के माध्यम से दिलवाकर आत्मनिर्भर बनाने में मदद करना तथा कानूनी जानकारी देकर महिला सुरक्षा व संबल प्रदान करना, घरेलू हिंसा, वसीयत, इंकम टेक्स आदि की जानकारी देने हेतु कार्यशालाएं व कैंप आयोजित करना लक्ष्य होगा। सशक्तिकरण उच्च शिक्षा या उच्च पदों पर आसीन होना ही सशक्तिकरण नहीं है। सशक्तिकरण अर्थात हमें खुद को

आत्मविश्वासी, अनुशासित बनाना ताकि हम अपनी गरिमा में रहकर स्वतंत्रता पूर्वक अपने जीवन के सही निर्णय लेकर हर क्षेत्र में सफलता के नए आयाम तय कर सकें।

बाल विकास एवं किशोरी विकास समिति

निर्मला मारु
समिति प्रभारी

इसके द्वारा बालकों में संस्कार विकसित हो इसके लिए आदर्श बाल मंदिर की स्थापना, राष्ट्रीयता, देश प्रेम व चरित्र निर्माण की शिक्षा देना, बाल संस्कार शिविरों में प्रतिभा निर्माण, आदि का आयोजन होगा। बेटी बचाओ के अंतर्गत '3-के' कन्या कल्याण कार्यक्रम में कन्या जन्मोत्सव, दुर्गा अष्टमी पर कन्या पूजन एवं भोजन करवाना, तीन कन्याओं की माताओं का सम्मान करना, निराश्रित मूक बधिर बच्चियों को आश्रय प्रदान करना तथा अनाथ बच्चियों को आश्रय प्रदान करवाना शामिल है। '5-पी' प्रेम, पोषण, पठन, प्रतिभा, परण- बालिकाओं का सुसंस्कार युक्त सुपोषण, दुलार, शिक्षा में समान अवसर प्रदान करना, शारीरिक स्वास्थ्य की जागरूकता, स्पर्श-गुड टच व बैड टच की जानकारी (डरे नहीं प्रतिवाद करें) कलात्मक अभिरूचियों के लिए प्रेरित करना, खेलकूद को प्रोत्साहन, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, कैरियर गाइडेन्स, प्रशासनिक सेवाओं के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा।

विवाह संबंध सहयोग समिति

शर्मिला राठी
समिति प्रभारी

गठबंधन- विवाह समझौता नहीं पवित्र संस्कार है। गांवों व शहरों में विवाह सहयोग सेंटर खोलकर परिचय सम्मेलन करवाना, युवाओं व अभिभावकों के साथ संवाद कायम करना एवं कोई समस्या है, तो निवारण के प्रयास करना, सामूहिक व सहकार विवाह आयोजित करना, विवाह पूर्व व पश्चात काउंसलिंग करके उचित मार्गदर्शन प्रदान करना लक्ष्य रहेगा, ताकि सगाई या शादी टूटने जैसी समस्याएं ना आएं।

कम्प्यूटर नेटवर्किंग व एडवांस तकनीकी शिक्षा समिति-

उर्मिला कलंत्री
समिति प्रभारी

रखेंगे सबको अपडेट-एडवांस टेक्नॉलॉजी का उपयोग करते हुए वेबसाइट, यूट्यूब, फेसबुक, व्हाटसअप, ई-मेल के जरिये अपनी गतिविधियों की जानकारी राष्ट्रीय स्तर से लेकर संगठन के अंतिम छोर यानि ग्रास रूट तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। हर स्थान के कार्यक्रमों की जानकारी, विश्लेषण, प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया द्वारा सब तक पहुंचेगा। कैशलेस डिजिटल ट्रांजेक्शन पेमेंट सिस्टम की जानकारी मीटिंग में देंगे।

साहित्य समिति- सामाजिक चिंतन-मनन समिति

मंजू मानधना
समिति प्रभारी

वक्त से पहले वक्त की आहट को समझने के लिए सामाजिक चिंतन-मनन आवश्यक है। सामाजिक कुरीतियों, मान्यताओं, राष्ट्रीय समस्याओं पर जीवनोपयोगी विषयों पर चिंतन-मंथन करके निराकरण व समाधान हेतु साहित्य की समस्त विधाओं में लेखन द्वारा समाज तक पहुंचाना लक्ष्य होगा। इसके लिये प्रतियोगिताएं आयोजित करके समाज में जागरूकता लाना व संदेश देना, कावियत्री सम्मेलन करवाना योजना में शामिल है।

पर्व एवं सांस्कृतिक समिति

पुष्पा सोमानी
समिति प्रभारी

अपनी धरोहर अपनी संस्कृति का संरक्षण- अपनी सांस्कृतिक परंपराएं, विविधता में एकता की संस्कृति, दिलों को जोड़ते व रिश्तों को मजबूत बनाने वाले तीज-त्योहार जिनमें वैज्ञानिक सत्य भी छुपा है। प्रचार-प्रसार व समयानुकूल परिवर्तन, संरक्षण आदि से सम्बंधित कार्य करना, उत्साहवर्धन करना लक्ष्य रहेगा।

10. स्वाध्याय एवं आध्यात्म समिति :

अरुणा लड्ढा
समिति प्रभारी

स्वयं का आंतरिक अध्ययन करना, धार्मिक आचरणों का महत्व, धर्मग्रंथों का पारायण, धार्मिक कृत्य, धर्म एवं अंध भक्ति के अंतर को समझाना, धर्म का श्रेष्ठ मान्यताओं से युवा पीढ़ी को परिचित कराना, कार्यक्रमों, यात्राओं, क्विज कांटेस्ट एवं पठन सामग्री द्वारा इसका विकास, प्रचार प्रसार।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

बर्मा एक बौद्ध धर्म अनुयायी देश है। ऐसे में वहां की संस्कृति भी बौद्ध धर्म से प्रभावित है। ख्यात कहानीकार हरिप्रकाश राठी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्य सम्मेलन द्वारा रंगून में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में वहां गये थे, जहां उन्हें ''कमलेश्वर स्मृति कथा सम्मान'' से सम्मानित किया गया। आईये जानें बर्मा का आंखों देखा हाल श्री राठी की जुबानी।

दिखावे से मुक्त है बर्मा

दिनांक 28 जनवरी से 06 फरबरी 2020 बर्मा यात्रा के दरम्यान मैं यह देखकर दंग रह गया कि श्रीलंका, चीन, लाओस, थाईलैंड, कम्बोडिया जैसे अन्य कई देशों की तरह किस जूनून तक यहां के लोग बुद्ध के अनुयायी हैं जबकि बुद्ध इस देश में कभी नहीं आये। यहां की जनसंख्या करीब 6 करोड़ है जबकि बर्मा का क्षेत्रफल भारत का एक चौथाई है। कम जनसंख्या घनत्व के चलते यहां कहीं भीड़ दृष्टिगत नहीं होती। यहां 91 प्रतिशत बौद्ध, 4 प्रतिशत मुस्लिम, 4 प्रतिशत ईसाई एवं बाकी अन्य धर्मों के अनुयायी हैं जबकि कभी म्यामांर में भी अधिसंख्य हिन्दू थे। इस देश का मूल नाम म्यामांर है जिसमें म एवं र साइलेंट होने से अंग्रेज़ इसे बर्मा कहने लग गए एवं ठीक इसी प्रकार यांगून रंगून बन गया। वर्ष 2005 तक यहां कि राजधानी रंगून थी जो अब यहां से तीन सौ किमी दूर नेपिटो हो गई है। रंगून की बढ़ती जनसंख्या के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया, इसे खाली ज़मीन पर बसाया गया है। अब तो नेपिटो भी एक खूबसूरत शहर बन गया है।

कैसा है वहां का रहन-सहन

बर्मा प्रकृति से भरपूर देश है। यहां अधिकांशतः चावल सलाद खाने का प्रचलन है, स्त्री-पुरूष दोनों पूरे बदन को ढंकते हुए कपड़े पहनते हैं। यहाँ दोनों में लूंगी पहनने का प्रचलन है। यहाँ विवाह की औसत उम्र तीस-पैंतीस वर्ष है एवं विवाह का खर्च वर-वधू अपनी बचत से उठाते हैं। विवाह-समारोह का खर्च लगभग नगण्य है एवं विवाहोपरांत लड़का आवश्यकता अनुसार स्वयं के घर अथवा ससुराल रहता है, यानी लड़की का ससुराल जाना आवश्यक नहीं है। यहाँ मृत्युभोज , अस्थि-विसर्जन जैसी प्रथाएं बिल्कुल नहीं है, जगह हो तो शव गाड देते हैं अन्यथा जला देते हैं। बुद्ध ने इन पाखण्डों का उनके समय में ही उन्मूलन कर स्त्री-पुरुषों को समान अधिकार दिए। यहां विधवा-विवाह स्वीकृत है एवं उस पर श्रृंगार, पहनावे आदि का भी कोई प्रतिबन्ध नहीं है। हर शहर में स्वच्छता, अनुशासन, सहयोग का भाव देखते बनता है। हम लोग करीब दस रोज बर्मा में रहे एवं इस दरम्यान बागान, मांडले , इनले झील एवं नेपिटो आदि स्थान देखे । यहां लाखों पैगोडा हैं एवं कुछ पैगोडा का सौदर्य देखते बनता है। मीलों फैली इनले झील में नावों में होटल एवं नावों में ही दूकाने हैं। यह झील मेरे द्वारा देखे गए खूबसूरत स्थलों में एक कहूँगा। यहां बोटिंग का रोमांच अद्भुत है।

रंगून में भी हैं माहेश्वरी

सृजनगाथा डॉट कॉम द्वारा प्रायोजित इस यात्रा एवं अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में मुझ लेखक को भी कमलेश्वर-स्मृति कथा सम्मान प्रदान किया गया एवं देशभर से आए साहित्यकारों एवं साहित्यप्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति में मेरी दो कहानियां 'उसका नाम' एवं 'मृत्युगन्ध' सुनाने का अवसर मिला। इस सभा में बर्मा में अवस्थित भारतीय दूतावास के कुछ अधिकारी, स्थानीय साहित्यकार एवं स्थानीय निवासी भी उपस्थित थे। रंगून में एक हज़ार से ऊपर मारवाड़ी रहते हैं एवं इनमें कुछ सम्मेलन में उपस्थित भी थे। इन मारवाड़ियों की यहां के अर्थतंत्र में अहम भूमिका भी है। रंगून में 5 माहेश्वरी परिवार भी रहते हैं एवं लगभग सभी परिवार इस समारोह में उपस्थित थे। उन्होंने मेरे साथ अलग से बैठक कर भारत के माहेश्वरी समाज एवं महासभा के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी ली। इनाम लेते हुए मैंने उन सभी को मंच पर मेरे साथ खड़े होने का निमंत्रण भी दिया।

उन्होंने मुझे अपने घर भोज का आमंत्रण भी दिया। उनसे मिलकर मुझे लगा किस तरह दूर देशों में रह रहे हमारे बंधुगण जड़ों में हमसे जुड़े हैं। सचमुच अपने तो अपने होते हैं। सम्मेलन के एक अन्य सत्र में 'जनतन्त्र में साहित्य एवं सहित्य में जनतन्त्र' विषय पर मैंने उदबोधन भी दिया।

हमारे इतिहास की कई स्मृतियाँ भी जुड़ी

इस देश से सन 1857 के गदर एव स्वातंत्र्य संग्राम से जुड़ी कुछ यादें भी है। हम सभी बहादुर शाह जफर की कब्र पर भी गए जहां एक सहयात्री मुमताज भाई की पुस्तक का लोकार्पण हुआ। यहां की मांडले जेल में बाल गंगाधर तिलक भी रहे जहां उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'गीता-रहस्य ' का सृजन किया। नेताजी सुभाषचंद्र बोस की भी यह कभी कर्मस्थली रही एवं यहाँ हमें मांडले के रास्ते पर याकूब भाई मिले जिनके दादा सुभाषचंद्र बोस के अनन्य सहयोगी थे। हमें तिलक-सुभाष की स्मृति में भी वहां कोई जगह बनानी चाहिए। बर्मा हमारा मित्र देश है नेहरू के समय यह मित्रता परवान चढ़ी थी। हाल ही हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने भी बर्मा यात्रा के दरम्यान वहां के पुराने पैगोडा के जीर्णोद्धार के लिए भारी सहयोग दिया है। इत्तेफाक से जीर्णोद्धार करने वाली टीम के कुछ सदस्य भी हमसे मिले। यहां रंगून में सिर्फ कारें चलती हैं एवं दुपहिया चलाने पर प्रतिबंध है। बर्मा स्वतंत्रता पश्चात अधिकांशतः सैनिक शासकों के अधीन रहा है, हालांकि अब नोबल पुरस्कार विजेता सूजी ने वहाँ लोकतंत्र की अलख जगाई है एवं इस वर्ष इस विकासशील देश में आम चुनाव भी हैं। यहाँ के सकल उत्पाद का अधिकांश हिस्सा उद्योगों, कृषि, सर्विस वर्ग से आता है, पर गत दस वर्षों से यहाँ लगातार पर्यटन आय भी बढ़ रही है। विदेशियों को लुभाने का वे हर सम्भव प्रयास कर रहे हैं।

श्रीमती बसंतीबाई चांडक साहित्य पुरस्कार समिति

श्रीमती बी.ल. चांडक रिसर्च फॉउण्डेशन एवं
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अंतर्गत

श्रीमती बसंती चांडक साहित्यिक पुरस्कार वर्ष-2020

इस वर्ष माहेश्वरी समाज से आने वाली महिलाएँ इस पुरस्कार के लिए पात्र होंगी।

रुपए एक लाख की राशि चांदी का 100 ग्राम सिक्का।

माहेश्वरी समाज में इस प्रकार का महिलाओं के लिए दिया जाने वाला प्रथम पुरस्कार है।

श्रीमती बसंती चांडक साहित्यिक पुरस्कार समिति

बसंती हॉस्पिटल, रामदास पेठ, अकोला-444005

श्री रमेश परतानी
संयोजक
93953 60048

मो. 8007720747
ई-मेल puraskarsamiti@gmail.com

श्री श्याम चांडक
सहयोगी
92468 76775

सदस्य

श्री श्यामसुंदर सोनी 98223 969996 | श्री संदीप काबरा 98281 08017 | श्रीमती भगवती बल्दवा 984967 97300 | श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा 78939 27617 | श्री राकेश भैय्या 94230 69184

वे किसी के यहां शादी-विवाह या अन्य किसी खुशी के आयोजन में दिखाई दें या नहीं यह तो जरूरी नहीं लेकिन यदि कोई दुःखद प्रसंग हो, तो वहां उपस्थित न हों यह हो नहीं सकता। आखिर उनका लक्ष्य ही है, अपनों के दुःख में शामिल होकर उसे बांटकर अपनत्व का संबल देना। यहां हम बात कर रहे हैं, उज्जैन के वरिष्ठ समाजसेवी कैलाश नारायण राठी की, जिनकी पहचान ही समाज में ''दुःख के साथी'' के रूप में बन गई है।

समाजजनों के सुख–दुःख के साथी
कैलाशनारायण राठी

वैसे तो उज्जैन के माहेश्वरी समाज में वर्तमान में श्री राठी की पहचान माहेश्वरी सभा सचिव के रूप में हैं, लेकिन यह पद भी उनकी ''दुःख के साथी'' वाली छवि के सामने फीका ही पड़ गया। कारण यही है कि गत 5 वर्षों से बिना किसी पद प्रतिष्ठा व लालसा के श्री राठी समाज की सेवा में समर्पित हैं। आपकी विशेषता यह है कि किसी के आत्मिक आमंत्रण के बावजूद भी हो सकता है, वे किसी कारणवश मांगलिक कार्यक्रम में न भी जाऐं लेकिन यदि किसी के यहां कोई दुःखद प्रसंग हुआ है, तो वहां उस परिवार की मदद के लिये पहुंचने वालों में श्री राठी आगे ही रहते हैं। वे अपने 6-7 साथी लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, वीरेंद्र गट्टानी आदि के साथ मिलकर न सिर्फ उस परिवार की यथासंभव हर मदद करते हैं, बल्कि दिवंगत के अंतिम संस्कार तक हर गतिविधि को सुचारू रूप से संपन्न करवाने में अपना योगदान देते हैं। इसमें अर्थी पर लकड़ी-कंडे अपने हाथों से जमाने में भी उन्हें कोई संकोच नहीं होता।

छोटे से गांव से उच्च पद की यात्रा

श्री राठी का जन्म 10 अप्रैल 1955 को स्व. श्री सत्यनारायण व श्रीमती शांतादेवी राठी के यहां ग्राम अवंतिपुर बड़ोदिया जिला शाजापुर में हुआ था। अपने गांव से ही स्कूली शिक्षा प्राप्त कर बी.कॉम. शुजालपुर कॉलेज से किया। फिर उज्जैन के माधव कालेज से वर्ष 1976 में एम.कॉम. की उपाधि प्राप्त की। अपने इस शिक्षाकाल के दौरान छात्र संघ से जुड़े रहकर विद्यार्थियों का नैतृत्व भी किया। इसी वर्ष एम.पी. डेयरी फेडरेशन से सुपरवायजर के रूप में अपने कैरियर की शुरूआत की। फिर पदोन्नति द्वारा क्रमशः मैनेजर तथा असिस्टेंट जनरल मैनेजर बने और इसी पद पर रहते हुए वर्ष 2015 में जबलपुर से सेवानिवृत्त हो गये। इसके पश्चात श्री राठी का कर्म क्षेत्र या कहें सेवा क्षेत्र उज्जैन ही बन गया। श्री राठी के परिवार में वर्तमान में दो विवाहित पुत्री तथा एक पुत्र हैं। पुत्र सौरभ हांगकांग में बैंक ऑफ अमेरिका में कार्यरत है।

समाज की सेवा में सदैव समर्पित

श्री राठी सिर्फ दुःखद स्थितियों में ही समाजसेवा में सक्रिय नहीं है बल्कि उनकी जहां भी समाज को आवश्यकता लगी, वहां वे मौजूद रहते हैं। गत सिंहस्थ महाकुम्भ 2016 में माहेश्वरी समाज द्वारा बाहर से आने वाले समाजजनों की सेवा के लिये मेला क्षेत्र में शिविर लगाया गया था। श्री राठी ने पूरी कुंभ मेला अवधि में प्रतिदिन प्रातः 8 से रात 10 बजे तक लगातार 14 घंटे समर्पित भाव से अपनी सेवा दी। माहेश्वरी सभा उज्जैन से वर्ष 2016 से ही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सम्बद्ध हैं और वर्तमान में वर्ष 2019 से सचिव के रूप में सेवा दे रहे हैं। धार्मिक गतिविधियों के अंतर्गत चारभुजाजी मंदिर में वर्ष 2016 में आयोजित अधिक मास उत्सव के मुख्य संयोजक रहे। गीता श्याम सत्संग से सम्बद्ध रहकर हर आयोजन में वे सहयोग देते रहे हैं। इसमें वे अपनी भजनों की प्रस्तुति भी देते हैं। श्री राठी भजन भी स्वयं लिखते हैं। श्री राठी की इस सेवायात्रा में धर्म पत्नी शीला राठी भी प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी बनी हुई हैं।

दुःख दर्द में भागीदार बनना ही समाजसेवा

श्री राठी का हर आयोजन में प्रमुख लक्ष्य रहता है, समाज के युवाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना। इसके लिये वे व्यक्तिगत संपर्क कर उन्हें बुलाते हैं और उन्हें समाज की जिम्मेदारी सौंपते हैं। उनकी नजर में समाजसेवा क्या है? यह प्रश्न पूछने पर श्री राठी का कहना है कि इसके बारे में जितना कहा जाये कम है। वास्तव में देखें तो हम सभी के दुःख दर्द में काम आएं। खुशी के पल में न सही लेकिन दुःख के पल में जरूर शामिल हों। मेरी नजर में तो बस यही समाजसेवा है।

कैसे सुरक्षित रखें अपनी बैंक जमा राशि

गत दिनों देश की एक मर्केन्टाइल बैंक के बंद होने के बाद समाचार माध्यमों से यह जानकारी प्रसारित हुई कि किसी भी बैंक में जमा राशि में से अधिकतम 1 लाख रुपए की राशि ही बीमित होकर सुरक्षित होती है। इस जानकारी के बाद आम लोगों में भय व्याप्त हो चुका है है कि यदि बैंक में भी पैसा सुरक्षित नहीं है, तो फिर इसे रखें तो कहां रखें? तो आईये देखते हैं, बैंकों में अपना पैसा सुरक्षित रखने के वैध तरीके।

गोवर्धनदास बिन्नानी

जैसा कि आप जानते हैं 2012 में सरकार के माधवपुरा मर्केंटाइल बैंक को लिक्वीडेट करने का निर्णय लेने के बाद 4 जून 2012 को रिजर्व बैंक ने इस बैंक को डी-लाइसेंस कर दिया। इसके फलस्वरूप जिन जमाकर्ताओं का एक लाख के ऊपर जमा था उस पर अभी तक डीआईसीजीसी द्वारा निर्णय लेना बाकी है। इसलिए पंजाब एंड महाराष्ट्र सहकारी बैंक की विफलता के बाद खाताधारकों के हितार्थ यह जानना आवश्यक है कि हर लाइसेंस प्राप्त बैंक के साथ उनकी जमा राशि एक लाख रुपए तक 'जमा बीमा' के अंतर्गत सुरक्षित है। इसमें भी उपरोक्त का फायदा यानी दावों का निपटान निक्षेप बीमा और प्रत्यक्ष गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) बैंक के परिसमापन (लिक्विडेशन) प्रक्रिया चालू होने के बाद ही शुरू करती है। अब पाठक यह जान लें कि आपको अधिकतम फायदा एक लाख तक ही है, भले ही वहां पैसा इससे ज्यादा क्यों न हो।

इस तरह ले सकते हैं अधिक लाभ

आपको घबराने की जरूरत नहीं, आप इससे ज्यादा लाभ वैध तरीके से भी ले सकते हैं। इसके लिए बस आपको प्लानिंग करनी होगी। यदि आप अपना नाम प्रथम रख एक खाता खोल लें और बाकी अन्यों के साथ संयुक्त यानी एक आपका अपने नाम का, दूसरा आपके साथ पत्नी और इसी प्रकार तीसरे में आपके साथ आपका लड़का और चौथे में लड़की, फिर पांचवें आपके साथ पत्नी व लड़का दोनो। तो ये सभी पांचों खाते अलग-अलग माने जाएंगे यानि यह जमा अलग क्षमता व अलग अधिकार के अंतर्गत माने जाएंगे। उपरोक्त तरीका आपको दावों के निपटान में हर खाते पर अधिकतम एक लाख का अधिकारी बना देगा यानि इस हालात में आप पांच लाख के अधिकारी हो जाएंगे। यदि आपकी जमा राशि पांच लाख से ज्यादा है तो आप संयुक्त जमाकर्ताओं के अनुक्रम को विस्तारित कर लें यानि पहला नाम तो हमेशा पहला ही रहेगा लेकिन अब तीन या आवश्यकता हो तो चार नामों का संयुक्त खाता खुलवाएं। उदाहरणार्थ आपके साथ लड़का व पत्नी, इसी प्रकार आप के साथ पत्नी व तीसरा नाम लड़के का। इस प्रकार आप चार/पांच सदस्यों के साथ दस/बारह खाते बना हर खाते का एक लाख के हिसाब से आठ/दस लाख परिसमापन (लिक्विडेशन) प्रक्रिया के अंतर्गत प्राप्त कर पाएंगे यानी आप सभी खातों पर अपना पूरा-पूरा नियंत्रण रख पाएंगे।

देखें कानूनी पहलू

आप इस संदर्भ में निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) की पुस्तिका के पृष्ठ संख्या 8-9 पर प्रश्न नंबर 10 के उत्तर में आधिकारिक उत्तर उदाहरण के साथ को देख सकते हैं। आखिर में यही लिखना है कि घबराएं नहीं सबसे पहले तो रिजर्व बैंक इसको संभालने की पूरी-पूरी कोशिश कर भी रहा है और करेगा भी। अभी जो आपको मौका मिला उसका फायदा उठाते हुये ज्यादा से ज्यादा पैसा निकाल वहां जमा कम करते जाएं और साथ-साथ उपरोक्त बताये वैध तरीके को अपनाकर योजनाबद्ध तरीके से अपना पक्ष मजबूत कर लें ताकि यदि परिसमापन (लिक्वीडेशन) वाली परिस्थिति बने तो आप पहले से ही संभले हुए रहें।

सदा - सर्वदा - सर्वोत्तम

58 मंगल वस्त्रालय
जयस्तंभ चौक, अमरावती.
☎ 2572672

Colors & Weaves
by shreemangalam
1st Floor, Sahakar Bhavan,
Jaistambh Chowk, Amravati. 2569458

मंगलम्
जयस्तंभ चौक, अमरावती.
☎ 2564172

घागरा ओढणी, बनारसी शालु, डिझायनर वर्क साडीयाँ, प्युअर सिल्क साडीयाँ, पैठणी, कांजीवरम्, ९वारी पातळे, सलवार सुट, कुर्ती, इंडो वेस्टर्न, इव्हीनींग गाऊन

क्या कमजोर हो रही है ?
मानवता

विगत कुछ वर्षों में नारी के साथ जो दुष्कर्म की वीभत्स घटनाएं हुई हैं, उन्होंने सोचने के लिए विवश कर दिया है कि क्या हमारी मानवता कमजोर होती चली जा रही है? क्या हमारे अंदर की मानवीय संवेदना इतनी लुप्त हो गई है कि वह क्षणिक स्वार्थ में हैवान बनने से भी रोक नहीं पाती? आखिर क्यों हो रहा है ऐसा?

सुवर्णा परतानी
हैदराबाद

समाज में घट रही अनेक घटनाओं को देखकर लगता है कि मानवता व इंसानियत जैसे शब्द जल्द ही इतिहास में शामिल हो जाएंगे। कारण यह है कि इंसान की सोच और करतूत दिन-ब-दिन घिनौनी व गिरी हुई होती जा रही है। परिवेश में घुलती अनैतिकता और बेशर्म आचरण ने पुरुषों के मानस पटल में स्त्री को मात्र भोग्या ही निरूपित किया है। ये ऐसी लिजलिजी मानसिकता है जो दिन प्रतिदिन फैलती ही जा रही है और समाज, विश्वास, भरोसा, इंसानियत को खोखला बना रही है। दो पल की खुशी देने वाली ये शरीर की भूख इंसानियत की गरिमा को रौंदकर रख देती है।

चरम पर पहुंची हैवानियत

हैदराबाद की प्रियंका या दिल्ली की निर्भया अथवा फिर जम्मू कठुआ की आसिफा को देखें तो इस समाज और उसमें रहने वाले ऐसे मुट्ठी भर लोगों की हैवानी सोच पर शर्म और अत्यंत गुस्सा आता है। सोचकर भी रौंगटे खड़े हो जाते हैं कि कैसा समाज है, जो एक असहाय की मदद करने की बजाए, उसका शोषण करता है? एक भरोसा, एक विश्वास जो एक लड़की एक नारी समाज के प्रति बताती है, वो इज्जत, लाज, आबरू की तरह तार-तार हो जाता है, बिखर जाता है। ऐसी दिल दहलाने वाली घटना को देखें तो लगता ही नहीं कि हम एक सभ्य समाज में जी रहे हैं। लगता है, इंसान अब हवस की हद को पार कर चुका है, अपने जमीर को कुचल चुका है और भरोसे को कहीं गहरा दफना चुका है। कैसे समाज में हम जी रहे हैं? जिनकी मानसिकता को जंग लग चुकी है, ऐसे लोगों के साथ हम कैसे रह रहे हैं?

परोसी गई अश्लीलता भी जिम्मेदार

सिनेमा की अश्लीलता, इंटरनेट, स्त्री पर बनाए गए सस्ते चुटकुले, सेक्स की लालसा, घटिया फोटो इन सबकी भी इसमें बराबर की साझेदारी है। इनके बढ़ते चलन की वजह से मानव की सोच उत्प्रेरक, बेशर्म और उन्मादी बन गई है। क्यों स्त्री को एक भोग्या ही समझा जाता है? अपनी वासना पूर्ति का मात्र साधन समझा जाता है? बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के पीछे एक कुंठित मानसिकता झलकती है, औरत की अस्मिता को छिनकर उसे असहाय, अबला, निरीह बनाने की निकृष्ट सोच को रोकने के लिए कड़े और सख्त कानून की जरूरत है।

नारी खुद हो जागृत

जो महिला नेता बनकर राजनीति में हैं, वो अगर सच्चे दिल से आवाज उठाएं और एक नारी का फर्ज निभाएं तो वो दिन दूर नहीं होगा, जब ऐसे बलात्कारियों को तुरंत और कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। इसके साथ ही साथ समाज के हर व्यक्ति को अपनी सोच, विचार और मानसिकता बदलनी होगी। इसके खिलाफ आवाज उठाना, अपने हक के लिए लड़ना, अपनी गरिमा और अपने शील की रक्षा करने के लिए, अपने सम्मान के लिए हर नारी को अब मजबूत बनकर खुद ही खुद के लिए लड़ना होगा। .

मीडिया भी समझे जिम्मेदारी

हर रोज कहीं ना कहीं नारी प्रताड़ित होती है। बलात्कार की शिकार होती है, फिर भी इस देश, राष्ट्र और खास करके समाज में कोई बदलाव दिखाई नहीं दे रहा। दो दिन सुर्खियों में रहकर अखबार वाले, मीडिया वाले और समाज के लोग गुस्सा दर्शाते हैं और फिर से हमारे रोजमर्रा के काम में लग जाते हैं, जैसे कि कुछ हुआ ही नहीं। ऐसी स्थिति में ना तो बदलाव आ सकता है, ना आंधी उठ सकती है। अखबार एक ऐसा सशक्त मीडिया है, जिनकी लेखनी से बड़े-बड़े नेता, अभिनेता, व्यवसायी, गुंडे और छिछोरे लोग डरते हैं। तो अब वक्त है अपनी आवाज बुलंद करने, रोष जताने का, न्याय के लिए लड़ने का और अपनी बातों पर अटल रहने का। तभी कुछ होगा, कानून बदलेगा, उचित न्याय होगा और फिर एक दिन जरूर ऐसी हैवानियत को जंजीरों में जकड़ा जाएगा।

अद्भुत चिकित्सा है

अंगुलियों की मुद्रा मात्र आध्यात्मिक साधना का ढंग नहीं होती बल्कि इनमें चिकित्सा विज्ञान के सूत्र भी मौजूद हैं। हमारे हाथों के विभिन्न भागों में विभिन्न संवेदनशील बिंदु होते हैं। जब इन पर दबाव पड़ता है, तो संबंधित रोग दूर होते हैं। आइये जानें क्या है, यह मुद्रा प्रयोग और कुछ समस्याओं में इनका उपयोग। बिना दवा के चिकित्सा आज के दौर की आवश्यकता है। इसी आवश्यकता में एक आशा की किरण है, मुद्रा विज्ञान।

▸▸टीम SMT

अंगुलियों की मुद्रा

इसमें न कोई परहेज है, न दवा का सेवन बल्कि अन्य पद्धति से इलाज करवाते हुए भी लाभ लिया जा सकता है। मानव शरीर का निर्माण पंचतत्वों से हुआ है। ये पंचतत्व हैं-अग्नि, वायु, पृथ्वी, जल तथा आकाश। किसी भी शरीर की स्वस्थता हेतु इन पंचतत्वों का संतुलन होना अतिआवश्यक है। मुद्रा विज्ञान के अनुसार हमारे हाथ की पांच अंगुलियां भी इन्हीं पंचतत्वों का प्रतिनिधित्व करती हैं। आधुनिक विज्ञान ने भी स्वीकार किया है कि इन पांचों अंगुलियों से विद्युत चुम्बकीय तरंगें निकलती हैं। यदि इन अंगुलियों पर सही मात्रा में स्पर्श अथवा दबाव दिया जाये तो पंचतत्वों का संतुलन स्थापित होता है और कई बीमारियां दूर होकर शरीर स्वस्थ बनता है। अंगुलियों की विभिन्न स्थिति बनाकर आपस में स्पर्श कराने अथवा दबाव देने से विभिन्न प्रकार की मुद्राओं का निर्माण होता है। यहां पर दो प्रमुख मुद्राओं का विवेचन प्रस्तुत है।

तनाव से मुक्ति का मार्ग ''ज्ञानमुद्रा''

अंगूठे तथा तर्जनी के अग्रसिरों को आपस में मिलाने से ज्ञानमुद्रा का निर्माण होता है। शेष तीनों अंगुलियों को सीधा, मिला हुआ तथा आरामदायक स्थिति में रखा जाता है। इस मुद्रा को करने से मांसपेशियों तथा दिमाग को लाभ प्राप्त होता है। पद्मासन करते समय इस मुद्रा को करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। किन्तु चलते, उठते, बैठते, घूमते समय भी इस मुद्रा को करके लाभ अर्जित किये जा सकते हैं। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार इस मुद्रा को नियमपूर्वक करने से जीवन रेखा तथा बुध रेखा (स्वास्थ्य रेखा) के विकार दूर किये जा सकते हैं। इस मुद्रा का मानसिक स्थिति पर अद्भुत प्रभाव देखने में आया है। इसके नियमित अभ्यास से अनिद्रा, दिमागी असंतुलन, क्रोध, निराशा, तनाव, आलस्य आदि का नाश होता है। इसके साथ ही व्यक्ति को मानसिक शांति का भी अनुभव होता है। चिंतन-शक्ति, याददाश्त तथा एकाग्रता बढ़ाने में भी यह मुद्रा विशेष रूप से सहायक सिद्ध हुई है। निरंतर तथा नियमित अभ्यास द्वारा व्यक्ति अपनी छठी इन्द्रिय को भी विकसित कर सकता है।

गैस ट्रबल से मुक्ति देती ''वायु मुद्रा''

इस मुद्रा को बनाने के लिये तर्जनी को अंगूठे के निचले यानि उद्गम स्थान पर रखा जाता है तथा अंगूठे के अग्रभाग से तर्जनी पर थोड़ा दबाव दिया जाता है। शेष तीनों अंगुलियां सीधी रहती हैं। वात (वायु) के असंतुलन होने से शरीर कई प्रकार की बीमारियों से घिर जाता है। निरंतर 45 मिनट तक वायुभ्यास करने से वातजन्य रोगों से मुक्ति मिलती है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार इस मुद्रा के अभ्यास द्वारा शनिपर्वत तथा शनि रेखा (भाग्यरेखा) के दोषों को दूर किया जा सकता है। आर्थराइटिस, पैरालाइसिस तथा स्पॉन्डिलाइसिस जैसी पीड़ादायक बीमारियों में यह मुद्रा विशेष रूप से लाभदायक सिद्ध हुई है। शीघ्र लाभ प्राप्त करने के लिए बीमार व्यक्ति को यह मुद्रा अधिक-से-अधिक समय तक करनी चाहिए। वातदोष द्वारा उत्पन्न पेटदर्द, नाभि का अपने स्थान से खसकना, हार्निया, गर्दन का दर्द आदि में यह मुद्रा आश्चर्यजनक रूप से लाभ पहुंचाती है। वायुमुद्रा चेहरे के लकवा में भी लाभदायक है। प्रतिदिन 15 से 25 मिनट तक इस मुद्रा का अभ्यास करने से अच्छे परिणाम दृष्टिगोचर होने लगते हैं, पूर्णतया लाभ प्राप्त हो जाने पर इस मुद्रा का अभ्यास रोक देना चाहिए।

आखिर कब से और क्यों मनाते हैं होली

होली का उल्लेख आते ही मन में अपनत्व के भाव स्वतः प्रकट हो जाते हैं। यही कारण है कि कई फिल्में अपने होली गीतों के कारण सुपरहिट हुई हैं। आईये हमारे धार्मिक आधार पर जानें कब से और क्यों मनाते हैं, होली?

■ टीम SMT

ब्राह्मणों द्वारा सभी दुष्टों तथा रोगो को शांत करने का वसोर्धारा होम भी इसी दिन किया जाता है। इसलिये इसे होलिका भी कहा जाता है। एक मान्यता मे इस पर्व का सम्बंध 'काम दहन' से भी है। भगवान श्री शिवजी ने अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्मकर दिया था, तभी से इस त्यौहार का प्रचलन हुआ। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार यह त्यौहार हिरण्यकश्यप की बहन होलिका और पुत्र प्रहलाद की स्मृति में भी मनाया जाता है। कहा जाता है, हिरण्यकश्यप की बहन राक्षसी होलिका वरदान के प्रभाव से नित्य अग्निस्नान किया करती थी और जलती नहीं थी। हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रहलाद विष्णुभक्त था। हिरण्यकश्यप ने उसे मारने के लिये कई उपाय किये परंतु प्रहलाद को कुछ भी नहीं हुआ। इसलिये अपने पुत्र प्रहलाद को अपनी बहन की गोद में देकर अग्निस्नान करने को कहा। जिस दिन होलिका प्रहलाद को गोद में लेकर अग्निस्नान करने वाली थी, उसी दिन सभी लोगों ने अग्नि प्रज्जवलित करके अग्निदेव से प्रहलाद की रक्षा के लिये प्रार्थना की। अग्नि देवता ने प्रार्थना स्वीकार करके होलिका के अग्निस्नान के समय प्रहलाद को तो बचा लिया और होलिका उस अग्नि में भस्म हो गयी। अतः फाल्गुन पूर्णिमा को भक्त प्रहलाद की स्मृति में और असुरों के विनाश की खुशी में यह पर्व मनाया जाता है।

वेदों में रहा ''नवान्नेष्टि यज्ञ''

होली का आरम्भ ज्ञात हो पाना बड़ा ही कठिन है किंतु वेदों व पुराणों में उल्लेख आता है। अतः वैदिक कालीन पर्व माना जा सकता है। वैदिक काल में इसे 'नवान्नेष्ठि यज्ञ' पर्व भी कहा जाता था। इस हवन में खेतों की फसल का नया अन्न यज्ञ में हवन करके प्रसाद लेने की परम्परा भी है। उस अन्न को 'होला' कहते हैं। इसी से पर्व का नाम होलिकोत्सव पड़ा। अतः वास्तव में देखा जाए तो यह एक वैदिक पर्व है या कहें एक वैदिक महायज्ञ। यही कारण है कि इस पर्व पर होली में गेहूं की बालियाँ सेके जाने का विधान आज भी है।

भविष्य पुराण में ''ठोठा उत्सव''

भविष्य पुराण में महाराज युधिष्ठर ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा- भगवान, फाल्गुन पूर्णिमा को उत्सव क्यों माना जाता है?' तो उन्होंने बताया - सत्ययुग में एक दानवीर, शूरवीर-सर्वगुण संपन्न रघु नामक राजा थे।एक दिन नगर के लोग राजद्वार पर एकत्रित होकर 'त्राहि-त्राहि' पुकारने लगे। पूछने पर बताया कि 'ठोठा' नामक एक राक्षसी प्रतिदिन हमारे बालकों को कष्ट देती है और उस पर किसी मंत्र-तंत्र, औषधी आदि का प्रभाव भी नहीं पड़ता। यह सुनकर राजा ने पुरोहित महर्षि वशिष्ठ मुनि से उस राक्षसी के विषय में पूछा। तब वशिष्ठ मुनि ने बताया कि माली नामक एक दैत्य है, उसकी एक पुत्री है, जिसका नाम है ठोठा। उसने उग्र तपस्या करके शिवजी को प्रसन्न कर वरदान लिया है कि देवता, दैत्य, मनुष्य आदि मुझे न मार सकें और शस्त्र-अस्त्र से भी मेरा वध न हो। शीतकाल, उष्णकाल, वर्षाकाल में, भीतर अथवा बाहर कहीं पर भी मुझे किसी से भय न हो। इन्होंने बताया कि केवल 'अडाड' मंत्र के उच्चारण से ही वह शांत हो सकती है। इससे पीछा छुड़ाने का उपाय भी वशिष्ठ मुनि ने बताया कि फाल्गुन मास की पूर्णिमा को सभी निडर होकर नाच गा कर उत्सव मनायें और बालक लकड़ियों की बनी हुई तलवार लेकर युद्ध के लिये दौड़ें और उत्सव मनायें। सुखी लकड़ी, सुखे उपले, सुखे पत्तों आदि के अधिक से अधिक ढेर लगायें। उस ढेर में रक्षोध्न मंत्र से अग्नि लगाकर हवन करें। इस प्रकार रक्षा मंत्रों से हवन करने से उस दुष्ट राक्षसी का निवारण हो सकेगा। जब राज्य में ऐसा उत्सव मनाया गया, तो इससे उस राक्षसी का विनाश हुआ। तबसे इस लोक में ठोठा का उत्सव प्रसिद्ध हुआ।

वर्तमान में स्नेह का पर्व

होली एक राष्ट्रीय, सामाजिक व धार्मिक त्यौहार माना जाता है। यह बच्चे, बड़े, नर-नारी सभी द्वारा जातिभेद भुलाकर, द्वेषभाव भुलाकर प्रेम व भाईचारे से मनाने का पर्व है। यह मित्रता, एकता, आनंदोल्लास, सद्मिलन व सद्भावना का प्रतीक है। फाल्गुन पूर्णिमा के दिन सम्पूर्ण भारत वर्ष में होलिका दहन का विधान है। बस वर्तमान दौर में पानी की बचत व केमिकल के दुष्प्रभाव से बचने के कारण इसमें कुछ परिवर्तन दिखाई दे रहा है। हर कोई पानी में घुलने वाले की बजाए सूखे रंग से होली खेलना चाहते हैं। यह वक्त की मांग है। ''जल है, तो कल है।'' अतः आइये इस पर्व पर लें, जल संरक्षण की भी शपथ।

हरदम ''जवां'' रखने वाला तेल जैतून

वैसे कहने के लिये तो जैतून का तेल भी अन्य की तरह ही एक तेल है। लेकिन इसमें वे गुण छुपे हैं, जो हमें लम्बे समय तक स्वस्थ रखकर जवां-जवां बनाये रख सकते हैं। यह त्वचा से लेकर शरीर के सभी अंगों तक की शुद्धि कर हमें तरोताजा और जवान बनाये रखता है। आईये जानें कैसे?

■ टीम SMT

आपको 10 साल जवान बनाने और आपके लीवर की सफाई के लिए सिर्फ एक घुट ही काफी है। 1 चम्मच जैतून के तेल में 1 नींबू निचोड़ लें, सिर्फ 1 बार उपयोग के बाद आप इसका उपयोग करना कभी बंद नहीं करेंगे। हम एक अत्यंत लाभदायक डिटॉक्स उपचार का नुस्खा बता रहे हैं जो आपके शरीर को शुद्ध करेगा, और थकान व ऊर्जा की कमी जैसी समस्या को हल करेगा। इसे तैयार करने के लिए 'जैतून का तेल' और 'नींबू' की जरूरत है और एक बार जब आप इसे आजमाते हैं, तो आप थके हुए और हर समय एक निराशा महसूस नहीं करेंगे। यह आपके शरीर को उत्साहित करेगा और आपको ताजा और स्वस्थ्य होने में मदद करेगा।

'सोने' के तेल के रूप में लोकप्रिय

विशेषज्ञों का दावा है कि यह उपाय सदियों से कई स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने के लिए इस्तेमाल किया गया है। नींबू और जैतून के तेल का संयोजन कई स्वास्थ्य और सौंदर्य उपचारों के लिए उपयोग किया गया है, लेकिन यह विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का भी इलाज करता है और रोकता है। इसके कई स्वास्थ्य गुणों के कारण यूनानियों और रोमियों ने ''तरल सोने'' के रूप में जैतून के तेल का उल्लेख किया। इसकी निष्कर्षण प्रक्रिया के दौरा exra virjin जैतून के तेल को निकालने के लिए कम से कम देखरेख व संभाल की आवश्कता होती है, इसलिए यह अपने पोषक तत्वों विटामिन और खनिजों को रखता है।

अवशिष्ट पदार्थों का निष्कासन

जैतून के तेल में लेक्सेटिव प्रभाव होता है। इसी कारण कई लोगों का मानना है कि यह कब्ज से राहत दिलाता है। जब इसे नींबू के रस के साथ मिला दिया जाता है तो यह शरीर से अवशिष्ट पदार्थ बाहर निकाल कर शरीर की सफाई कर देता है और पाचन को बेहतर बनाता है। अगर आप अपने शरीर और लिवर की सफाई चाहते हो और साफ चेहरे की चाहत है, तो आप बिलकुल सही जगह पर हैं। यह चमत्कारी मिश्रण आप पर 100 प्रतिशत प्रभावी होगा। यह चमत्कारी कॉकटेल 2 शक्तिशाली औषधियों के मेल से बनता है।

नींबू के साथ मिश्रण अधिक लाभदायक

नींबू स्वास्थ्यप्रद फलों में से एक है जो कई पोषक तत्व, एंटीऑक्सडेंट और विटामिन प्रदान करता है, स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है और विभिन्न स्थितियों और रोगों को रोकता है। नींबू विटामिन सी और बी, फास्फोरस, प्रोटीन, पोटेशियम और कार्बोहाइड्रेट के साथ-साथ फ्लैनोनोइड युक्त होता है, जिसमें शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। इन सबके कारण, इन दो सामग्रियों का मिश्रण वास्तव में शक्तिशाली होता है जो कई बीमारियों का इलाज करता है और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं को रोकता है। बस इस मिश्रण का एक चम्मच आपके शरीर के विषाक्त पदार्थों (टॉक्सिन्स) को खत्म कर सकता है।

इनमें भी लाभदायक है मिश्रण

इस संयोजन में शक्तिशाली एंटी-इनफ्लमेटरी गुण होता है, जो गठिया के मामले में बेहद फायदेमंद हैं। इस उपाय के नियमित उपयोग से जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। यह अपने उच्च फैटी एसिड की वजह से दिल से संबंधित समस्याओं से भी बचाता है और इलाज भी करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल को काबू में रखता है और रक्त परिसंचरण में सुधार लाता है। यह गुर्दे, लीवर और पित्ताशय की थैली को बेहतर बनाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, रोज सुबह खाली पेट इस मिक्स्चर को पीने से पित्त में पथरी बनने से बचाव होता है। नाश्ते से पहले इसे एक गिलास पानी के साथ पीने से यह गुर्दे, लिवर और पित्ताशय की थैली को साफ करता है, जिससे उनके कार्य में सुधार आता है।

बढ़ती उम्र पर नियंत्रण

इसे एक चम्मच रोज लेने से आपकी कोशिकाओं को एंटीऑक्सीडेंट और पोषक तत्व मिलते हैं। इसमें पाया जाने वाला विटामिन ई बढ़ती उम्र को रोकता है। इससे हृदय रोग, गठिया और झुर्रियों का होना रूक जाता है। नींबू के साथ मिश्रण आपके शरीर की सारी अशुद्धियों को निकाल देगा और आपको देता है, झुर्रियों और काले घेरे से राहत। इसके चमत्कारी नतीजे सिर्फ एक महीने में आप के सामने आ जाऐंगे, बस आपके लिए जरुरी होगा कि इस मिश्रण का सेवन रोजाना सुबह किया जाये ।

कैसे करें इसका सेवन

एक चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच जेतून का तेल और बस यह कॉकटेल तैयार। इस मिश्रण का सेवन रोजाना सुबह खाली पेट करें। इसके बाद आप रोजमर्रा के काम कर सकते हैं। यह मिश्रण आपके पाचन तंत्र को तंदुरूस्त कर देता है और शरीर को शुद्ध कर देता है। इसका रोजाना सेवन आपको तरोताजा कर देगा और शरीर में चुस्ती लायेगा, तो ज्यादा इंतजार न करें, इस मिश्रण का रोजाना सेवन शुरू कर दें।

किसी भी पर्व-त्यौहार का पूजन हो या अन्य धार्मिक आयोजन हर कार्य में हाथ में सर्वप्रथम ''मौली'' बांधी जाती है। आमतौर पर हम इसे बांधते व बंधवाते तो हैं, लेकिन यह जानते ही नहीं कि यह क्यों, कब और कैसे बांधी जाती है? आईये जानें....

धार्मिक रक्षासूत्र है मौली

मौली बांधना वैदिक परंपरा का हिस्सा है। यज्ञ के दौरान इसे बांधे जाने की परंपरा तो पहले से ही रही है, लेकिन इसको संकल्प सूत्र के साथ ही रक्षा-सूत्र के रूप में तब से बांधा जाने लगा, जबसे असुरों के दानवीर राजा बलि की अमरता के लिए भगवान वामन ने उनकी कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधा था। इसे रक्षाबंधन का भी प्रतीक माना जाता है क्योंकि देवी लक्ष्मी ने राजा बलि के हाथों में अपने पति की रक्षा के लिए यह बंधन बांधा था। मौली को हर हिन्दू बांधता है। इसे मूलतः रक्षा सूत्र कहते हैं। 'मौली' का शाब्दिक अर्थ है 'सबसे ऊपर'। मौली का तात्पर्य सिर से भी है। मौली को कलाई में बांधने के कारण इसे कलावा भी कहते हैं। इसका वैदिक नाम उप मणिबंध भी है। शंकर भगवान के सिर पर चन्द्रमा विराजमान है इसीलिए उन्हें चंद्रमौली भी कहा जाता है। मौली कच्चे धागे (सूत) से बनाई जाती है जिसमें मूलतः 3 रंग के धागे होते हैं- लाल, पीला और हरा, लेकिन कभी-कभी यह 5 धागों की भी बनती है जिसमें नीला और सफेद भी होता है। 3 और 5 का मतलब कभी त्रिदेव के नाम की, तो कभी पंचदेव की।

कहां और कब बांधते हैं मौली?

मौली को हाथ की कलाई, गले और कमर में बांधा जाता है। इसके अलावा मन्नत के लिए किसी देवी-देवता के स्थान पर इसे भी बांधा जाता है और जब मन्नत पूरी हो जाती है, तो इसे खोल दिया जाता है। इसे घर में लाई गई नई वस्तु और पशुओं को भी बांधा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पुरुषों एवं अविवाहित कन्याओं को दाएं हाथ में कलावा बांधना चाहिए। विवाहित स्त्रियों के लिए बाएं हाथ में कलावा बांधने का नियम है। कलावा बंधवाते समय जिस हाथ में कलावा बंधवा रहे हों, उसकी मुट्ठी बंधी होनी चाहिए और दूसरा हाथ सिर पर होना चाहिए। मौली कहीं पर भी बांधें, एक बात का हमेशा ध्यान रहे कि इस सूत्र को केवल 3 बार ही लपेटना चाहिए व इसके बांधने में वैदिक विधि का प्रयोग करना चाहिए। पर्व-त्योहार के अलावा किसी अन्य दिन कलावा बांधने के लिए मंगलवार और शनिवार का दिन शुभ माना जाता है। हर मंगलवार और शनिवार को पुरानी मौली को उतारकर नई मौली बांधना उचित माना गया है। उतारी हुई पुरानी मौली को पीपल के वृक्ष के पास रख दें या किसी बहते हुए जल में बहा दें। प्रतिवर्ष की संक्रांति के दिन, यज्ञ की शुरुआत में, किसी इच्छित कार्य के प्रारंभ में, मांगलिक कार्य, विवाह आदि हिन्दू संस्कारों के दौरान मौली बांधी जाती है।

आध्यात्मिक शक्ति की कारक

मौली बांधने के 3 कारण हैं- पहला आध्यात्मिक, दूसरा चिकित्सीय और तीसरा मनोवैज्ञानिक। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत करते समय या नई वस्तु खरीदने पर हम उसे मौली बांधते हैं ताकि वह हमारे जीवन में शुभता प्रदान करे। हिन्दू धर्म में प्रत्येक धार्मिक कर्म यानी पूजा-पाठ, उद्घाटन, यज्ञ, हवन, संस्कार आदि के पूर्व पुरोहितों द्वारा यजमान के दाएं हाथ में मौली बांधी जाती है। इसके अलावा पालतू पशुओं में हमारे गाय, बैल और भैंस को भी पड़वा, गोवर्धन और होली के दिन मौली बांधी जाती है। मौली को कलाई में बांधने पर कलावा या उप मणिबंध करते हैं। हाथ के मूल में 3 रेखाएं होती हैं जिनको मणिबंध कहते हैं। भाग्य व जीवनरेखा का उद्गम स्थल भी मणिबंध ही है। इन तीनों रेखाओं में दैहिक, दैविक व भौतिक जैसे त्रिविध तापों को देने व मुक्त करने की शक्ति रहती है। इन मणिबंधों के नाम शिव, विष्णु व ब्रह्मा हैं। इसी तरह शक्ति, लक्ष्मी व सरस्वती का भी यहां साक्षात वास रहता है। जब हम कलावा का मंत्र रक्षा हेतु पढ़कर कलाई में बांधते हैं तो यह तीन धागों का सूत्र त्रिदेवों व त्रिशक्तियों को समर्पित हो जाता है जिससे रक्षा-सूत्र धारण करने वाले प्राणी की सब प्रकार से रक्षा होती है। इस रक्षा-सूत्र को संकल्पपूर्वक बांधने से व्यक्ति पर मारण, मोहन, विद्वेषण, उच्चाटन, भूत-प्रेत और जादू-टोने का असर नहीं होता। शास्त्रों का ऐसा मत है कि मौली बांधने से त्रिदेव-ब्रह्मा, विष्णु व महेश तथा तीनों देवियों- लक्ष्मी, पार्वती व सरस्वती की कृपा प्राप्त होती है। ब्रह्मा की कृपा से कीर्ति, विष्णु की कृपा से रक्षा तथा शिव की कृपा से दुर्गुणों का नाश होता है। इसी प्रकार लक्ष्मी से धन, दुर्गा से शक्ति एवं सरस्वती की कृपा से बुद्धि प्राप्त होती है। यह मौली किसी देवी या देवता के नाम पर भी बांधी जाती है, जिससे संकटों और विपत्तियों से व्यक्ति की रक्षा होती है। यह मंदिरों में मन्नत के लिए भी बांधी जाती है। इसमें संकल्प निहित होता है।

स्वास्थ्य के लिए भी हितकर

चिकित्सीय पक्ष देखें तो प्राचीनकाल से ही कलाई, पैर, कमर और गले में भी मौली बांधे जाने की परंपरा के चिकित्सीय लाभ भी हैं। शरीर विज्ञान के अनुसार इससे त्रिदोष अर्थात् वात, पित्त और कफ का संतुलन बना रहता है। ब्लड प्रेशर, हार्टअटैक, डायबिटीज और लकवा जैसे रोगों से बचाव के लिए मौली बांधना हितकर बताया गया है। शरीर की संरचना का प्रमुख नियंत्रण हाथ की कलाई में होता है। अतः यहां मौली बांधने से व्यक्ति स्वस्थ रहता है। उसकी ऊर्जा का ज्यादा क्षय नहीं होता है। शरीर विज्ञान के अनुसार शरीर के कई प्रमुख अंगों तक पहुंचने वाली नसें कलाई से होकर गुजरती हैं। कलाई पर कलावा बांधने से इन नसों की क्रिया नियंत्रित रहती है। कमर पर बांधी गई मौली के संबंध में विद्वान लोग कहते हैं कि इसमें सूक्ष्म शरीर स्थिर रहता है और कोई दूसरी बुरी आत्मा आपके शरीर में प्रवेश नहीं कर सकती है। बच्चों को अक्सर कमर में मौली बांधी जाती है। यह काला धागा भी होता है। इससे पेट में किसी भी प्रकार के रोग नहीं होते। मनोवैज्ञानिक पक्ष देखें तो मौली बांधने से उसके पवित्र और शक्तिशाली बंधन होने का अहसास होता रहता है और इससे मन में शांति और पवित्रता बनी रहती है। व्यक्ति के मन और मस्तिष्क में बुरे विचार नहीं आते और वह गलत रास्तों पर नहीं भटकता है। कई मौकों पर इससे व्यक्ति गलत कार्य करने से बच जाता है।

॥ जय श्री कृष्ण ॥

भगवान श्रीकृष्ण की ब्रजभूमि गोवर्धन में परिक्रमा मार्ग में

'श्री गिरिराजधरण माहेश्वरी सेवा टस्ट'

द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त माहेश्वरी भवन

माहेश्वरी भवन, गोवर्धन

आन्योर परिक्रमा मार्ग, दानघाटी के पास, गोवर्धन 281502 (उ.प्र.)

दूरभाष- 0565-2815832, मो. 88591-11222

www.mbgoverdhan.com

E-mail : mbgoverdhan@gmail.com

आप अपना आरक्षण ऑन लाईन अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- 26 डीलक्स ए.सी. कमरे (डबल-बेड) इन कमरों में ए.सी., गीजर, मिनिफ्रीज, डिजिटल लॉकर, टॉवेल आदि की सुविधायें
- 26 एसी कमरे (डबल बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 4 ए.सी. कमरे (3 बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 2 एसी मिनी हॉल (10बेड)
- 46 कूलर युक्त कमरें (डबल बेड)
- 2 मिनी हॉल (6बेड) एयर कूलर सहित
- 1 डोरमेट्री (24बेड) एयर कूलर सहित
- 1 एसी डाइनिंग हॉल एवं किचन
- सभी कमरों में अटेच लेट-बॉथ की सुविधा।
- सत्संग हॉल 200 व्यक्तियों की बैठकर कथा सुनने की व्यवस्था (शीघ्र एसी युक्त होगा)
- 2000 स्क्वेयर फीट का किचन एवं डाइनिंग हॉल निजी उपयोग के लिये, जिसमें यात्री अपने रसोइयों द्वारा भोजन बनवा सकते हैं।
- दोनों भवनों में लिफ्ट की सुविधा।
- कारों एवं बसों की सुरक्षित पार्किंग का स्थान।
- पॉवर कट के समय निरंतर विद्युत सप्लाई के लिये 125 केवीए एवं 25 केवीए के जनरेटर।

बजरंगलाल बाहेती (अध्यक्ष)
मो.- 98290-79200
विनोद कुमार बांगड (महामंत्री)
मो. 094142-12835
जुगल किशोर बाहेती (कोषाध्यक्ष)
मो. 98291-56858

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित

अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड,
देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई–फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट
अध्यक्ष
मो.- 098315-55555
रामस्वरूप जैथलिया
कार्यकारी अध्यक्ष
मो.- 096490-79999
विनोद कुमार बांगड
महामंत्री
मो. 094142-12835
गोविंद गोपाल सोनी
कोषाध्यक्ष

दिखावा वर्तमान में समाज की एक बहुत बड़ी समस्या बन चुकी है। शादी-विवाह ही नहीं अन्य कई अवसरों पर भी दिखावे में पानी की तरह पैसा बहा दिया जाता है। यदि यही पैसा समाजहित में खर्च हो तो समाज की योजनाओं को गति पकड़ने में समय नहीं लगेगा और कई परिवार भी अनावश्यक दिखावे के कारण ऋणग्रस्त होने से बचेंगे। इसी सोच को लेकर अ.भा.माहेश्वरी महासभा द्वारा सामाजिक आचार संहिता बताकर मांगलिक आयोजनों में व्यंजनों की निर्धारित संख्या व प्रीवेडिंग शूट पर प्रतिबंध आदि जैसे कदम उठाये गये। इन सबके बावजूद दिखावे पर कोई फर्क नहीं पड़ा। समाज का नेतृत्व करने वाले भी इस सामाजिक आचार संहिता का अपने यहां होने वाले आयोजनों में उल्लंघन करते देखे गये हैं। ऐसे में यह विचारणीय हो गया है कि ''क्यों नहीं हो पा रहा है, दिखावे पर नियंत्रण?'' क्या समाज के नेतृत्वकर्ता स्वयं इस पर अमल नहीं करते या समाज में जागृति लाने के जो प्रयास हुए वे अभी कम हैं। समाजहित के इस ज्वलंत विषय पर आपसे आपके विचार व सुझाव आमंत्रित हैं। आपके विचार समाज व समाज के संगठनों को कई राह दिखाएंगे। आईये जानें, इस स्तम्भ की प्रभारी मालेगांव निवासी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

क्यों नहीं हो पा रहा है, दिखावे पर नियंत्रण?

समाज में करें पैसा खर्च

समाज-बंधुओं के हित को सर्वोपरि मानकर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा अनावश्यक खर्च और दिखावे पर नियंत्रण के लिए आचार संहिता जारी की गई । समाज की हर सभा, हर मीटिंग और सामाजिक कार्यक्रमों में इस पर चर्चा करके समाज-बंधुओ को आचार-संहिता पर अमल करने की गुजारिश भी की गई, पर फिर भी अधिकांश सम्पन्न समाज बंधु अपने आर्थिक स्तर और अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा के अनुसार ही शादी-ब्याह और अपने निजी कार्यक्रमों में दिखावा/अनावश्यक खर्च करते देखे जाते हैं। समाज की सबसे उच्चस्तरीय कार्यसमिति द्वारा बनाये गए नियम-कानून सभी समाज-बंधुओं के ऊपर समान रुप से लागू होते है। अब इसके उपरांत भी अगर कोई उन नियमों का उल्लंघन करे तो दंड भी सबके लिए समान रखना चाहिए। जो बढ़-चढ़कर खर्च करते हैं, उनके लिए आर्थिक-दंड कोई मायने नहीं रखता है, समाज बंधुओं द्वारा उनके कार्यक्रमों का बहिष्कार ही उनके लिए सबसे उचित दंड होगा । माफ करें , छोटे मुँह बड़ी बात...। रही बात पदाधिकारियों की तो अगर वह आचार-संहिता का उलंघन करें तो उन्हें पद पर बने रहने का हक ना हो, ऐसा कठोर दंड-विधान बनाया जाये। ऐसा नहीं है कि आचार-संहिता का पालन करना हमारे लिए बड़ा कठिन कार्य है। आज बहुत से छोटे शहरों और गांवों में आचार-संहिता का पालन किया जा रहा है, जो हमारे बीच एक सराहनीय उदाहरण है। दिखावटी अनावश्यक खर्च करने के स्थान पर समाज के हित में कुछ नेक कार्य किये जायें तो पीढ़ियों तक हमारा नाम सपरिवार जीवंत रहेगा। हमारी खून-पसीने-मेहनत की कमाई जब हमारे निजी कार्यक्रमों में ढोल-धमाके-सजावट-लेन-देन के साथ-साथ जूठन में बहती है तो कहीं ना कहीं हमारे अंतर्मन को भी अवश्य दुःख होता है। अगर हम और आप दूरदर्शिता से विचार करें तो आचार-संहिता का पालन करते हुए भी अपने स्तर के अनुरूप यथाशक्ति समाज में भेंट देकर जैसे अस्पताल/ स्कूल/ कॉलेज/ धर्मशाला/ भवन आदि बनवाकर अथवा विधवा और गरीब विवाह समारोह करवाकर अपनी पारिवारिक प्रतिष्ठा और मान-सम्मान को युगों-युगों तक यादगार बना सकते हैं ।

सुमिता राजकुमार मूंधड़ा, मालेगांव

सिर्फ बोलें नहीं सही प्रयास करें

राम-रावण युद्ध का वह दृश्य याद हो आया है, जब दंभी रावण राम को युद्ध करने के लिए ललकारता है। वह राम को कहता है कि तुम रावण के प्रभाव को नहीं जानते, मैंने युद्ध में अनेक महाबली सूरमाओ को ध्वस्त किया है। मेरे पराक्रम को तुम महादेव से जाकर पूछो जिन्हें प्रसन्न करने के लिए मैंने कैलाश पर्वत तक को उठालिया था। राम तब कहते है, 'रावण! संसार में तीन प्रकार के लोग होते है, एक कहहिं, कहहिं करहिं, अपर एक करहिं कहत न बांगहि' अर्थात् प्रथम जो मात्र कहते हैं, गाल बजाते हैं, डींगे हांकते है लेकिन करते कुछ भी नहीं, दूसरे कहते है एवं करते भी है एवं तीसरे कहते कुछ भी नहीं मात्र करके अपने आचरण से जगत में उदाहरण प्रतिष्ठित करते है। समाजसेवा एवं समाज सेवियों के प्रसंग में यह उक्ति सटीक उतरती है। आज समाज में दिखावा, शान शौकत, वैभव प्रदर्शन चरम पर पहुंच गया है एवं इसमें वे समाज सेवी भी शामिल हैं जो मंचों से समाज सुधार की बड़ी-बड़ी बाते करते हैं। यह प्रदर्शन सुरसा के मुख

की तरह हर एक रीति-रिवाजों में बेलगाम बढ़ता जा रहा है। कहने को हमारा स्त्री-पुरूष अनुपात प्रतिकूल है, पर हम धरातल पर ऐसा कोई ठोस कार्य नहीं कर रहे जिससे इस अनुपात में सकारात्मक परिवर्तन हो। समारोह के खर्च ही नहीं, विवाह भोज के आइटम् सभी अहर्निश बढ़ते ही जा रहे हैं। आखिर ऐसे भौण्डे, अनुत्पादक प्रदर्शन किस मानसिकता/ मनोविज्ञान से उपजते हैं?

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर

उच्च वर्ग बने आदर्श

मुझे दुःख है कि आज दिखावा, प्रदर्शन हर सीमा का अतिक्रमण कर चुका है। कल मै एक विवाह-समारोह में गई जहां 70-80 आइटम्स बने थे। अब क्या कोई इतना खा सकता है? मै प्राईम मीनू से मुख्य मीनू तक पहुंच ही नहीं पाई। क्या यह अतिथि का उचित सम्मान है? अन्य लोग भी मनमर्जी से चीजों को उठा कर झूठा डाल रहे थे। एक तरफ हम झूठा न डालने की सीख देते है, दूसरी ओर हर वह कार्य करते है कि झूठा पड़े। कहां हम तात्कालीन समय में चार-पांच आइटम लेकर आनंद से घर लौटते थे, कहां अब पेट खराब करके/बीमार पड़ कर लौटते है। आज प्रति प्लेट मूल्य अनाफ-शनाफ हो गया है जबकि कोई औसत सौ रूपये से अधिक खा ही नहीं पाता। प्रति प्लेट मूल्य कई जगह तो दो से पांच हजार तक हो गये है। आपके पास धन है, तो बच्चों को अच्छा फ्लैट दीजिए, सावधि जमा करवाइये, बच्चों के उद्योग व्यापार खोलिये, ऐसा प्रदर्शन क्यों करते है जो समाज के अन्य वर्गो के लिए भी अंततः दुखदाई बन जाता है? "महाजनों येन गतः स पंथा" की तर्ज पर मध्यम एवं निम्न तम वर्ग हीन भावना से ग्रस्त बलात ऐसा खाना बना कर बड़े लोगों के आचरण का अनुसरण करता है एवं अन्ततः इसका आर्थिक खामियाजा भी भुगतता है। इन प्रदर्शन करने वाले लोगों से अगर आप किसी गरीब बच्चे के शिक्षा व्यय हेतु अनुदान मांगे तो वे ऐसा व्यवहार करते है जैसे वे देने में बिल्कुल सक्षम नहीं है। सच्चे समाज सेवियों को चाहिये कि वे ऐसे समारोहों को देखते ही पलायन कर जाय। हम शादी के पहले भी घर जाकर, पत्र आदि द्वारा उन्हें संयम बरतने का निवेदन कर सकते है। इस प्रदर्शन के विरूद्ध कुछ ठोस कार्य होना ही चाहिये, जागो तभी सवेरा। भविष्य में हम घर फूंक तमाशा न देखें तो यह कदम समाज सेवा में मील के पत्थर सिद्ध होंगे।

आशा फोफलिया, जोधपुर

परस्पर दिखावे की प्रतिस्पर्धा

आधुनिकता की दौड़ में शामिल हम समाजवासियों में अपने पद, प्रतिष्ठा, वर्चस्व को दिखाने की होड़ सी लगी है। विवाह या अन्य आयोजन यह हमारे समाज में हमारा उच्च स्तर होने के प्रदर्शन का सर्वोत्तम जरिया बन चुका है। व्यक्ति की सोच जब तक स्वयं के स्वार्थ तक ही सीमित होगी तब तक समाजहित में बने नियमों का कोई महत्व नहीं रहेगा। सामाजिक कार्यकर्ता स्वयं नियमों का उल्लंघन करते हैं। समाज की घटती जनसंख्या भी दिखावे को बढ़ावा दे रही है। एक या दो संतति रहने से अभिभावक कोई आयोजन सादगी से संपन्न ही नहीं कर रहे और करोड़ों रूपया दिखावे के चलते खर्च हो रहा है। समाज का कुछ प्रतिशत उच्चशिक्षित रहने से बच्चों के पैकेज अच्छे होते हैं। इसलिए अभिभावकों को बच्चों के भविष्य हेतु धनसंचय करने की लालसा कम हो गई। सगाई-संबंध जोड़ते समय परिवार बाह्य आडंबर की ओर आकर्षित हो रहे हैं। सभी उच्च वर्ग में रिश्ता तय करने की चाहत रखते हैं। फलस्वरूप आर्थिक रूप से सक्षम ना होने पर भी दिखावे के मायावी जाल में फंसते चले जाते हैं।

राजश्री-सुरेश राठी

दिखावा बना संपन्नता का प्रतीक

दिखावा वर्तमान में समाज के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गया है लेकिन अगर मैं ये कहूँ कि यह दौलत संपन्न लोगों की जरूरत व मध्यमवर्गीय द्वारा अपने आप को संपन्न साबित करने का जरिया है, तो यह अतिश्योक्ति नहीं होगी। व्यक्ति विवेक शून्य हो गया है। वह स्वयं को श्रेष्ठ साबित करने की होड़ में निकृष्ट होता जा रहा है। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा सामाजिक आचार संहिता व प्री वेडिंग शूट पर प्रतिबंध जैसे कदम उठाए गए लेकिन उनको अमलीजामा नहीं पहनाया गया। सख्ती नहीं बरती गई। मेरे विचार से बड़ा जुर्माना वसूलना ही एकमात्र विकल्प है। इसके दो फायदे हैं। एक तो ये कि कुछ लोग जुर्माने के भय से आचार संहिता का उल्लंघन नहीं करेंगे। दूसरा ये कि जो लोग करेंगे भी तो उनसे वसूल किए गए जुर्माने को समाज हित में प्रयोग में लाकर योजनाओं का सुचारू क्रियान्यवन किया जा सकता है। प्री वेडिंग पर खर्च की गई राशि के बराबर राशि व निर्धारित संख्या से अधिक व्यंजन बनाने पर भी इसी तरह का कड़ा रवैया अपनाया जाए तो इतना मैं यकीनन कह सकती हूं कि मध्यमवर्गीय परिवार जो अनावश्यक रूप से दिखावे के चक्कर में पैसा बहा रहे थे, उस पर पूर्ण रूप से अंकुश लग जाएगा। धीरे-धीरे दौलत संपन्न लोगों पर भी इसका जरूर असर होगा। इससे भी परे सबसे पहली जरूरत है कि समाज के नेतृत्वकर्ता स्वयं इस पर अमल करें।

स्वाति मानधना, बालोतरा

स्टेटस सिंबाल बना दिखावा

दिखावा वो जादू की पुड़िया है जिससे लोग आकर्षित होते हैं, जो वर्तमान समय के साथ एक जरुरत भी बन गया है। इस जरुरत को पूरा करके ही लोगों की आंखों में खुशी की चमक देखी जाती है। पहले लोगों के प्यार, सम्मान और अपनेपन से लोगों का स्टेटस देखा जाता था, पर आजकल दिखावे वाले तोहफे से स्टेटस देखा जाता है। आजकल तो अपने भी दिखावे वाले तोहफे से ही खुश रहते हैं, वरना अपनों को ही नजरअंदाज करते हैं। ये वर्तमान समय की कड़वी सच्चाई है। हम ही समाज के वे लोग हैं, जो शादी में दिखावा हो तो तारीफों के पुल बांध देते हैं और शादी साधारण तरीकों से हो तो नुक्स भी निकाल देते हैं। इसलिये दिखावा करना लोगों की मजबूरी बन गई हैं। इस दिखावे से संपन्न परिवारों को कोई फर्क नहीं पड़ता पर साधारण परिवार वालों को फर्क पड़ता है। हम अपने नजरिये को बदलकर दिखावे पर नियंत्रण कर सकते हैं। शादी-ब्याह जैसे अनेकों कार्यक्रम हैं, जिन्हें बहुत अच्छे ढंग से करना होता है, जिससे अपनों को खुशी मिल सके। ऐसा काम करें जिससे कार्यक्रम में चार चांद लग जाएं, पर जो हम दिखावे पर फिजूलखर्च करते हैं, उसे नियंत्रित करके भी कार्यक्रम बहुत अच्छे ढंग से कर सकते हैं। इससे धीरे-धीरे दिखावे पर नियंत्रण भी संभव है। ये करना अभी नामुमकीन सा लग रहा है, पर आने वाले समय में मुमकीन हो सकता है, जो हमारे समाज के लिए खुशहाली का प्रतीक होगा।

किरण कलंत्री (रेनुकूट)
मो- 94156-78182

ठोस कदम उठाने की कमी

समाज गत किसी भी कार्य में सफलता अर्जित करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्पों की जड़ता आवश्यक है। वर्तमान में न तो समाजसुधार सही में प्रयासरत हैं और न ही सामाजिक नेतृत्व इस दिशा में ठोस कदम उठा रहा है। विचार गोष्ठियों तथा सभा सम्मेलनों में दिखावे पर नियंत्रण हेतु चर्चाएं व भाषण आवश्यक होते हैं किंतु नीति निर्धारण के अभाव और उसके क्रियान्वयन हेतु सभी मौन है। नई पीढ़ी पाश्चात्य प्रभाव की शिकार हैं, जिसके असर से दिखावे को प्रोत्साहन मिलता है तथा सुसंस्कारों के अभाव में सही दिशा बोध भी नहीं मिल पाता। आज की भौतिकवादी चकाचौंध में बड़े-बूढ़ों के सुझाव व सलाह की अनदेखी होने से भी दिखावे पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। धनी मानी लोगों के अपनी शान शौकत के झूठें दिखावों से मध्यम वर्ग भी प्रभावित होकर सही मार्ग का अनुसरण नहीं कर पाता। यदि परिवार में सुसंस्कारों का निर्माण, सुधार की सोच, अमीरों द्वारा नियंत्रण, पाश्चात्य प्रभाव से मुक्ति और संस्कारवान सलाहकारों की सम्मति का उपयोग तथा आचार संहिता के निर्माण व उसके पालन की धनिक वर्ग द्वारा पहल होगी तो निश्चय ही दिखावे पर नियन्त्रण हो सकता है।

शंकरलाल माहेश्वरी
पूर्व जिला शिक्षाअधिकारी
आगूंचा-भीलवाड़ा

शानशौकत के कारण दिखावे पर अनियंत्रण'

हमारे बड़े बुजुर्ग हमेशा कहा करते थे कि धनदौलत को पर्दे में रखना चाहिए अर्थात् धन को हमेशा सोच-समझकर उचित स्थान पर खर्च करना चाहिए ताकि हमारे संचित धन से हमें किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़े और न ही हम किसी के कर्जदार बने। बल्कि समाज के हितार्थ भी धन का सही उपयोग कर सके। लेकिन वर्तमान युग में बहुत बदलाव आया है। इसी बदलाव के कारण हमारी सोच भी बदल गई और अपनी मेहनत की गाढी कमाई को शादी-विवाह में अत्याधिक व्यजंन, पेय पदार्थों तथा साज सजावटों में लूटाते है। इसी तरह जन्मदिन, सालगिरह जैसे अनेक कार्यक्रमों में खर्च करना अपनी शानशौकत समझते हैं। कभी-कभी यह सब लड़की वालों को मजबूरी वश भी करना पड़ता है। लेकिन पारम्परिक रीति रिवाजों को बढ़ाचढ़ा कर अभिव्यक्त करना व अनावश्यक पैसे उड़ाना समाज के लिए अहितकर है। समाज हितार्थों ने इन्हें रोकने के लिये कई नियम भी बनाये पर सब कागजातों में ही रह गये। मेरा अ.भा. माहेश्वरी महासभा से निवेदन है समाज की सुरक्षा हेतु ऐसा नियम बनाये कि शादी के बाद हर जोड़ा अपने भविष्य तथा समाज हित के लिए एक सहमति पत्र पर अपनी सहमति दें ताकि वे अपने जीवन में आयोजित कार्यक्रम में दिखावापन न करें और अपनी कमाई का कुछ हिस्सा समाज सेवा तथा गायों

अपने यहां से करें शुरूआत

त्याग, सेवा, सदाचार को अपनाने वाले हम माहेश्वरी निश्चित रूप से इस भाव से विमुख हो रहे हैं। दिखावा हमारी नस-नस में बस चुका है, जो चाहने पर भी हम निकाल नही पा रहे है। बड़े बेटे या बिटिया की शादी या अन्य आयोजन में यदि हमने बढ़िया किया और छोटे या छोटी के आयोजन में कम किया तो समाज तो छोडो, घरवाले ही क्या सोचेंगे? यही सोच फिर दिखावे के अँधेरे कुंए मे हमे धकेलती है। इस सत्य को हम नजरअंदाज नही कर सकते। महासभा व पंचायतें तो अपने तरीके से इसकी रोकथाम के प्रस्ताव पारीत करती है, लेकिन जब तक उस गांव या शहर के समाजबंधु एकजुट होकर इन बातो का बहिष्कार नही करेंगे, तब तक यह क्रम अविरत जारी ही रहेगा। आज की युवा पीढ़ी मौजमस्ती के साथ जीवन जीना चाहती है, कमाओ और उड़ाओ यह सोच भी एक तरह से दिखावे को ही जन्म देती है। हर बात के लिये महासभा पंचायत को दोष देने के बजाय समाजसेवी, कलमकार के साथ युवाशक्ति स्वयं के घर से ही इसे बंद करने की दृढ़ता से कोशिश करेंगे, तभी हम इस पर रोक लगाने में कामयाब होंगे ।

सतीश लखोटिया,
नागपुर

अपने घर से करना होगी रोक की शुरूआत

'दिखावा' यानि जो वास्तव में नहीं है, उसे दिखाना या फिर जो है उसे बढ़ा कर प्रस्तुत करना और इस तरह दूसरों का ध्यान खींचना और उन्हें प्रभावित करने का प्रयास करना। लेकिन यह समझ में नही आता कि लोग अपने दिखावे से आखिर क्या दिखाना चाहते हैं? आज हम एक ऐसे आधुनिक दौर से गुजर रहे हैं कि जिसमें आडंबर, प्रदर्शन और दिखावे की प्रवृति से सामाजिक जीवन, हमारी संस्कृति और परंपराओं पर बहुत ही नकारत्मक प्रभाव पड़ रहा है! शादी - विवाह, जन्म, मृत्यु यहां तक कि धार्मिक आयोजन पर भी लाखों - करोड़ों रुपये को पानी की भांति बहा कर अपने झूठे वैभव का प्रदर्शन किया जा रहा है! अधिक अर्जन, अधिक संग्रह और अधिक भोग की मानसिकता ने नैतिक मूल्यों को ताक पर रख दिया है! धन लुटा कर दिखावा करने का अभिप्राय समाज में सम्मान और प्रशंसा पाने की चाह होती है, जो पूर्णतः गलत है। वास्तव में प्रशंसा और सम्मान तो संस्कारों, व्यवहार और कार्यों से प्राप्त होते हैं। किसके पास कितना धन है, यह महत्वपूर्ण नहीं है! महत्व इस बात का है कि अर्थ के प्रति उस व्यक्ति का दृष्टिकोण क्या है और उसका उपयोग किस दिशा में हो रहा है! प्रदर्शन और दिखावे मे होने वाले अर्थ का अपव्यय समाज को गुमराह अंधेरों की ओर धकेल रहा है। सामाजिक सुधार तब तक प्रभावी नहीं होंगे, जब तक समाज के प्रमुख पदाधिकारी स्वयं व्यवहार मे नही लाएंगे। सुधार के नाम पर सिर्फ भाषण बाजी और कलम चलाने से कुछ नहीं होगा! डयह जिस दिन अपने घर से शुरू होगा, उसी दिन सुधार की संभावना होगी।

उषा मोहन्ता
राष्ट्रीय कार्यसमिति
राष्ट्रीय संयोजिका (संचारिका समिति)
रायपुर (छत्तीसगढ़)

यदि सामर्थ्य है तो खर्च से परहेज क्यों?

कोई भी व्यक्ति कठिन परिश्रम से निरन्तर प्रयास कर इसलिए ही तो धन अर्जित करता है कि अपने परिवार के लिए उन्नत जीवन की व्यवस्था कर सके और यथोचित अवसरों पर वह अपने जीवन के विशिष्ट उत्सवों को अधिकाधिक धूमधाम से मनाने की इच्छा भी रखता है। अपने अर्जित धन को अपने उत्साह के अनुरूप व्यय करने को समाज ने दिखावे का नाम केवल इसलिए दे दिया है, क्योंकि इससे किसी अन्य को या तो असहजता का अनुभव होता है या ईर्ष्या का। कोई अपने सामर्थ्य के अनुसार खर्च करे तो किसी को भी बुरा क्यों लगना चाहिए? क्या इसलिए कि आप उसकी बराबरी करने में असमर्थ हैं। यदि हैं, तो स्वीकार कीजिए अथवा अधिक परिश्रम कीजिए। यदि सामर्थ्यवान की देखा देखी में कोई ऋण लेकर व्यय करें, तो ये उसकी अपनी भूल है। इसका दोष किसी अन्य को क्यों दिया जाए? यदि कोई किसी को क्षमता से अधिक व्यय करने के लिए विवश करे तो ये निस्सन्देह पाप है। अपनी चादर जितने ही पैर पसारने चाहिए, लेकिन किसी की बड़ी चादर देख कर उसे काटने का प्रयास भी नहीं करना चाहिए। अपना धन व्यय करना यदि इसलिए अनुचित है कि कोई अन्य उतना नहीं कर पाएगा, तो जीवन में धन अर्जित करने का प्रयोजन ही क्या है? समाजवाद की आड़ में ये तो आय और व्यय को हतोत्साहित करने वाला और अर्थव्यवस्था को नीचे धकेलने वाला विचार है। सुझाव तो ये होना चाहिए कि अपनी क्षमता के अनुसार स्वेच्छा से भरपूर व्यय भी किया जाए और उतने ही मुक्त हृदय से धर्म, समाज और निर्धनों की सेवा में भी लगाया जाए। लक्ष्मी जी की पूजा हम कंजूसी के लिए नहीं करते हैं। माता सभी को प्रचुर मात्रा में कमाने और शुभ कार्यों के लिए व्यय करने की क्षमता दे।

प्रतीक भारत पलोड़
सह-निदेशक लेखा, फ्लिपकार्ट
बैंगलुरू - 7829003200

दिखावा एक अभिशाप

वर्तमान समय मे दिखावा समाज के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गया है। विवाह समारोह हो या और कोई भी अन्य आयोजन ऐसे कई अवसर पर दिखावा ऐसा अभिशाप हो गया है, जिसमें पानी की तरह पैसों को खर्च किया जाता है। इस पर नियंत्रण के लिये उच्च स्तर पर अ. भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा भी कई कदम उठाए गए है, जो सराहनीय हैं। परन्तु अभी बहुत कुछ इस पर नियंत्रण करना है। मांगलिक कार्यक्रमो में महंगी होटल, गार्डन ज्यादा व्यंजनों का परोसना, संगीत निशा कार्यक्रम आदि पर ज्यादा खर्च होता है। अगर इन पर कुछ हद तक रोक की जावे तो दिखावे पर नियंत्रण हो सकता है। अगर यही पैसा समाजहित के कार्यक्रमों में खर्च होता है तो समाज का व्यक्ति लाभान्वित होता है। इस दिखावे पर नियंत्रण की शुरुआत धनाढ्य घर (बड़े घर) से होनी चाहिए तो इस पर काफी हद तक नियंत्रण होना सम्भव है। फ़िलहाल समाज में होड़ लगी हुई है कि आपके यहाँ फलां कार्यक्रम ऐसा हुआ तो मैं भी इससे अच्छा करूँगा और दिखावे के कारण वह ज्यादा अधिक खर्च करता है। उच्च स्तरीय कार्यवाही हो नही रही है, अतः दिखावे पर नियंत्रण हो नही पा रहा है।

सतीश बजाज, नागदा

झूठी प्रशंसा बनी कारण

आज से 10-15 साल पहले तक लोग कितने भी धनी क्यूँ ना होते थे, लेकिन सादगी से रहना ज़्यादा पसंद करते थे, अपनी दौलत का भोंडा प्रदर्शन करने से बचते थे। किंतु विगत कुछ वर्षों समाज में और सोशल मीडिया पर अपने आप को अमीर दिखाने की होड़ ने व्यक्ति को दिखावा पसंद बना दिया है। न केवल शादी ब्याह बल्कि छोटे-मोटे कार्यक्रम जैसे जन्मदिवस, विवाह की वर्षगाँठ आदि भी बहुत धूम धाम और ख़र्चीले रूप में मनाए जा रहे हैं। नव धनाड्य और अन्य वर्ग भी एक दूसरे की देखा देखी अपनी सामर्थ्य से बाहर जाकर कार्यक्रमों में अनाप शनाप अतिव्यय कर रहे हैं। मध्यम वर्ग स्वयं की उच्च वर्ग से बराबरी करके अपने आप को धनी साबित कर रहा है। हालाँकि समय समय पर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने अपव्यय को रोकने की पहल भी की किंतु वो कुछ ज्यादा कारगर साबित नही हुई। अति दिखावे और अपव्यय को रोकने के लिए बाहरी दबाव के बजाय स्व नियंत्रण होना अति आवश्यक है।हर व्यक्ति यदि दिखावा नियंत्रण की शुरूआत खुद से करे तो ये ज्यादा सही होगा। ये सत्य है रातों-रात कोई चमत्कार सम्भव नही किंतु सार्थक, सकारात्मक प्रयासों और आत्मनियंत्रण से अतिव्यय और दिखावों पर रोक लगायी जा सकती है।आंतरिक खोखलेपन को प्रतिष्ठा का विषय ना बनने दें और झूठी प्रशंसा से अपने अहं को तुष्ट होने से बचायें, तभी इस बढ़ते दिखावे की कुरीति से बचा जा सकेगा ।

मनीषा राठी.
उज्जैन (म .प्र.)

संपन्न दिखने की लालसा

"दिखावा" शब्द में ही सबकुछ समाया है, जिसे जिस रूप में दिखाया जाये उसे देखकर और देखने की उत्सुकता दिखो उसे दिखावा कहते हैं। आज के युग में एक कहावत सार्थक सिद्ध हो रही है, 'घर में नहीं दाने, अम्मा चली भुनाने।' धनवान, अमीर लोगों द्वारा शुरु की हुई पहल या यह कहने में हर्ज नहीं होगा कि धनवान अपने में धन, ऐश्वर्य का दिखावा करते हैं और मध्यमवर्गीयों को वह रीत लगने लगती है। हम मध्यमवर्गियों की संतान भी वैसी ही भूमिका अपनाने की लालसा रखते हैं। इसमें न केवल धन और समय दोनों का अपव्यय होता है, अपितु हमारे संस्कार का दहन भी होता है। अगर धनी और समझदार लोग नियमों की मर्यादा में रहकर चलेंगे और स्टेज पर बैठी नई नवेली को भी सिर्फ आशीर्वाद या फिर भेंट स्वरूप कुछ रुपये अगर दिये जायें तो उन्हें अपने नवीन गृह में उपयोगी चीजें खरीदने में मदद मिलेगी।

मीना कलंत्री, मुंबई

आये हो निभाने जब किरदार ज़मीं पर कुछ ऐसा कर चलो कि ज़माना मिसाल दे...

दिखावा बना एक बीमारी

माहेश्वरी समाज में आज जन्म, विवाह और मृत्यु पर दिखावा हद से ज्यादा बढ़ गया है और यह एक ऐसी बीमारी बन गया है, जिस पर ना सिर्फ नियंत्रण जरुरी है अपितु इसका सामाजिक बहिष्कार करने की भी जरुरत है। नियत्रंण के लिए महासभा व स्थानीय समाजों द्वारा समय समय पर दिशा निर्देश जारी किये गये हैं किन्तु आज की इस भौतिक चकाचौंध में वह काफी बोने साबित हो रहे हैं। किसी भी नियम व कानून की सख्ती से इस व्यवस्था को सुधारा नहीं जा सकता। इसमें सुधार के लिए हर परिवार को स्वयं आगे आकर इस पर नियंत्रण के लिए ईमानदारी से प्रयास करने होगें तभी इस प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। इसकी शुरुआत समाज के उच्च पदों पर बैठे पदाधिकारी, मार्गदर्शक और धनाढ्य वर्ग से ही हो सकती है। मेरा ऐसा मानना है कि जो काम भय दिखाकर नहीं करवाया जा सकता है। वह प्रेम और आदर के साथ जरुर करवाया जा सकता है । इसके लिए एक बार ईमानदारी से प्रयास की अति आवश्यकता है।

प्रफुल्ल कुमार सोमानी, ताल जिला रतलाम (म.प्र.)

''हम दो हमारे दो'' इसका कारण

हम हमारे माहेश्वरी समाज के परिपेक्ष में अगर देखें कि दिनों दिन दिखावा क्यों बढ़ता जा रहा है तो इसका प्रमुख कारण तो यह नजर आता है कि समाजजनों के पास आवश्यकताओं से अधिक आर्थिक सम्पन्नता आ गई है। उसके चलते उन्हें अपने पैसों के साथ-साथ नाम को प्रसारित करने का शौक हो गया है। उसी वजह से वह अपने किसी भी कार्यक्रम में दिखावे को महत्व देने लगे है। यहां तक कि शादी हो, सगाई समारोह हो, जन्मदिन हो या कोई भी छोटा-मोटा समारोह, उस पर भी दिखावा करने से बाज नहीं आते। दूसरा कारण मेरी निगाह में यह है कि समाज में हम दो हमारे दो की, जो परिपाटी है वह समाज के लिए घातक है। उसके चलते समाज में माता-पिता यह सोचते हैं कि हमारे तो यह दो ही बच्चे हैं, हमको तो अपना सारा पैसा इनके ऊपर ही लगाना है, तो क्यों नहीं इसको लोगों को दिखाकर लगाया जाए जिससे अपना नाम हो। यही सोच दिखावे को प्रोत्साहन दे रहे है। इसमें समाज के आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न वर्ग यदि पहल करें तो ही इस समस्या से काफी हद तक निजात मिल सकती है।

मेघा सोनी, गुलाबपुरा (राज.)

बड़े पदाधिकारी करें ऐसे कार्यक्रमों का बहिष्कार

समाज में बैठे दायित्ववान पदाधिकारी जब तक स्वयं विचार नही करेंगे कठोर निर्णय लेने की क्षमता का अभाव जब तक रहेगा, दिखावा बंद नही होगा। समाज को बड़े पदाधिकारियों को ऐसे कार्यक्रमों का बहिष्कार करना चाहिए। मध्यम वर्ग बड़ों की देखा देखी करके आर्थिक रूप से पिछड़ रहा है। जन्मदिन के उत्सव, शादी की वर्षगांठ आदि कार्यक्रम पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में काफी बढ़ गये। समाज में इन कार्यक्रमों पर रोक लगनी चाहिए। भोजन का एक ही स्वरूप तय करना चाहिए जो तय स्वरूप के अनुसार नही हो, उस कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों को और अन्य समाज बंधुओं को नही जाना चाहिए। भले ही वो अपना कितना ही नजदीकी रिश्तेदार ही क्यों ना हो। ये सब समाज के बड़े पदाधिकारियों द्वारा पहल करनी चाहिये क्योंकि बाकी समाज उन्हीं का अनुसरण करता है! कथनी और करनी में अंतर नही होगा समाज में दिखावा समाप्त हो जाएगा!

राकेश असावा, भीलवाडा

PANSARI GROUP
AN ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

Balaji Ramakishan Pansari
Maheshwari Poly Sacks
Mansarovar Agro Sacks
Mansarovar Agro Sacks Pvt. Ltd.
Pansari Foundation

Regd. Office : 15-2-263, Maharaj Gunj, Hyderabad-500 012 (TS)
Tel (O) 040-24601117, 24741117, 24746543, (R) 040-24611582
Website : www.pansarigroup.com, E-mail : pansarigroup@yahoo.com

Govindlal Pansari 9396663639
Gopal Pansari 9394001117
Vishnu Pansari 9133311333

Spectrum TM
Where service is religion

Bhagwan Pansari 9000715550
Nikhil Pansari 9000481117
Neeraj Pansari 9000581117

खुश रहें... खुश रखें...

हमारे और परमात्मा के बीच माया को नहीं आने दें

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

जरूरत की चादर और मोह की दुशाला इन दोनों में जो फर्क है, उस अंतर को समझने का अब समय आ रहा है। आध्यात्मा मार्ग के लोगों को ध्यान रखना होगा कि आवश्यकता वस्तुएँ तो बनाई जाएँ लेकिन उससे मोह नहीं पालें, क्योंकि मोह धीरे से लोभ में बदल जाता है और लोभ भक्ति के साथ-साथ पारिवारिक दायित्वों में भी बाधक होता है।

रामकृष्ण परमहंस कहा करते थे कि माया को सरलता से समझना हो, तो श्रीरामकथा के एक दृश्य में प्रवेश किया जाए। वनवास के समय श्रीराम आगे चलते थे, मध्य में सीताजी होती थीं और उनके पीछे लक्ष्मण रहते थें, इस दृश्य पर तुलसीदासजी ने लिखा है- "आगे राम अनुज पुनि पाछें, मुनि बर बेष बने अति काछें। उभय बीच सिय सोहति कैसे, ब्रह्म जीव बीच माया जैसे।"

अर्थात् भगवान श्रीराम परमात्मा का रूप हैं, लक्ष्मणजी आत्मा या कहें जीवात्मा हैं और इन दोनों के बीच में माया स्वरूप में सीताजी हैं। सीताजी रामजी के चरणों की अनुगामी थीं। जहां-जहां श्रीराम पैर रखते थे वहीं-वहीं सीताजी चलती थीं और इसी कारण लक्ष्मणजी श्रीरामजी को ठीक से देख नहीं पाते थे। संयोग से कोई मोड़ आ जाता तो ही लक्ष्मणजी को श्रीराम दिख जाते थे।

संदेश यह है कि परमात्मा और जीवात्मा के बीच जब तक माया है, परमात्मा दिखेंगे नहीं। किसी मोड़ पर माया जरा सी हटी और परमात्मा के दर्शन हुए। भक्ति में ऐसे मोड़ आते ही रहते हैं। इसलिए जीवन में माया तो रहेगी पर हमें मोड़ बनाए रखना है। यही हमारी भक्ति की परीक्षा होगी।

परिवार से भी प्रेम तो रखें, बहुत जरूरी भी है लेकिन ऐसा न हो कि उसके मोह में परमात्मा को ही भूल जाएँ। माया से पार पाने के लिए एक काम और किया जा सकता है-जरा मुस्कराइए..., सदा मुस्कराए...।

भांग रबड़ी

सामग्री:- 2 कप साधारण दूध (नियमित दूध का उपयोग करें), 2 कप गाढ़ा क्रीम वाला दूध (व्होल मिल्क), 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल, 1/4 कप भांग के बीज, 1/4 कप चीनी, 3/4 कप पानी (आवश्यकता के अनुसार समायोजित) 1 बड़ा चम्मच काजू, बड़ा चम्मच खरबूजे के बीज (चार मगज), 1/2 छोटा चम्मच केसर स्ट्रैंस, 1/2 चम्मच दालचीनी पाउडर, 1/2 चम्मच जायफल पाउडर, 1-2 चम्मच गुलाब की पंखुडियां (गुलकंद), 1.5 चम्मच सौंफ पाउडर, 1.5 चम्मच इलायची पाउडर, 1/2 चम्मच पोस्ता बीज, 12 बादाम, 15 पिस्ता, 3 काली मिर्च

बनाने की विधि:- किसी बर्तन में दूध उबालें और उसमें केसर के स्ट्रैंड्स और भांग के बीज डाल दें. इसे 15–20 मिनट तक रहने दें. गर्म दूध में भिगोने से केसर का रंग और स्वाद बाहर आ जाता है. इसे चम्मच से हिलाते रहें, दूध में एक सुंदर पीला-केसरी रंग उतरता रहेगा. तब तक इसे ऐसे ही हिलाते रहें जब तक कि दूध अपनी कुल मात्रा से 20 फीसदी तक न हो जाए. सभी नट्स और मसालों को ग्राइंडर में पीसकर अलग रख लें. एक भारी तले वाले पैन में दूध उबालें. जब यह पूरी तरह से उबल जाए, तो मेवों और मसालों को इसमें डाल कर तब तक फेंट लें जब तक कोई गांठ न रह जाएं. चीनी डालें और हिलाते रहें. अच्छी तरह उबाल कर आंच से उतार लें. पूरी तरह से ठंडा होने दें. ठंडा-ठंडा परोसे क्योंकि भांग रबड़ी का सबसे अच्छा स्वाद उसे खूब ठंडी करके खाने में आता है.

पुनम राठी, नागपुर
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया
जोधपुर

होली री हुड़दंग अब मोबाइल में

खम्मा घणी सा हुक्म आज आपा बात करां **होली** रे त्योहार री...हिंदुओं रो प्रमुख त्योंहार **होली**...मौज-मस्ती और मनोरंजन रो त्योंहार... यों त्योहार ही एक ऐड़ो त्योंहार है, जो सब दुःख, उलझन, संताप ने भुला ने प्रेम और भाईचारे री भावना उत्पन करें। फाल्गुन मास री पूर्णिमा ही नहीं, बल्कि पुरो मार्च महीनों ही होली रे रंगों सूं सरोबार हुवें। इण त्योंहार मनावण रे पिछे एक पौराणिक कथा भी प्रसिद्ध है कि प्राचीन समय में **हिरण्यकश्यप** नामक असुर राजा तपस्या करने भगवान ब्रह्मा सूं वरदान प्राप्त करने मृत्यु-लोक माथे विजय हासिल करली थी। अभिमान सूँ वह अपने आपने अजेय समझण लाग ग्यों। जनता भय सूं ईश्वर री नहीं हिरण्यकश्यप री पूजा करती। हिरण्यकश्यप रो पुत्र प्रह्लाद री ईश्वर रे प्रति अटूट आस्था थी। हिरण्यकश्यप प्रह्लाद री ईश्वरीय भक्ति खंडित करण रा कई उपाय किया पर सफल नहीं हुयो जण वह बहन **होलिका** ने आदेश दियो कि प्रह्लाद ने गोदी में लेने जलती हुई आग रे लपेटों में बैठ जावे क्योंकि होलिका ने आग में न जलण रो वरदान था। परन्तु प्रह्लाद रे दृढ़-निश्चय रे चलते उनो बाल भी बाँकों नहीं हुयो स्वयं होलिका जल ने राख हुगयीं।

या कहानी बुराई पर अच्छाई री जीत बतावे इण वास्ते लोग नाचरंग करता हुआ होली रा गीत गावे और रंगों सूं इण त्योंहार ने मनावे। इण दिन रंग बिरंगा चेहरा पूरे वातावरण ने रंगीन कर देवे। गांवों में लट्ठ मार होली हुवे। नाचरंग करते हुए होली ने ख़ूब आनन्द सूं मनावे।

पेला त्योंहार सब आपस मे मिळने मनावता पर मोबाइल में आजकल फेसबुक, ट्विटर, व्हाटसअप सूं लोग सिमटता जा रिया है त्योंहार भी हुक्म अब डिजिटल हूँ ग्या है। त्योंहार में बणन वाली मिठाई और भुजिया लोग खावे कम शेयर ज्यादा करें पांच सौ ग्राम मिठाई भी बणाई फ़ोटो खींच ने शेयर करने पांच हज़ार लोगा तक पंहुचा देई। अब तो होली रा रंग मोबाइल में उड़ता ज्यादा नजर आवे। त्योंहार री त्योरियां चढ़न सूं पेला मोबाइल में निभ जावे। हफ़्तों पेला बधाई संदेश भेजना चालू हूँ जावे।

सही कहूँ हुक्म बेचारों मोबाइल रो बधाई संदेश सूं हाज़मों हूँ जावे और फोन हेंग हुवण लाग जावे त्योंहार सूं पेला ही फोटो डिलीट री नौबत आ जावे। अबे सब होली री हुड़दंग नहीं मचावे। चेहरे री स्किन खराब हुवण रो डर सतावें जिण चेहरे पर ब्यूटी पार्लर में हज़ारों रुपया देने सजावे भला दो रुपया री गुलाल सूं चेहरों किकर खराब करें। होली ही तो है बिना गुलाल ही गुल खिला देवे। फेसबुक व्हाट्सएप द्वारा ही एक दूसरे ने रंग लगा देवे। यों है **आज रे युग रो डिजिटल त्योंहार**। पर हुक्म वर्चुअल दुनियां में आभास तो है पर अहसास नहीं। प्रेम है पर आनन्द नहीं। कुछ क्षण ही सही इंसानों रे साथे रेने जिको सुख है वो फ़ोटो में नहीं.. विचार करिजो सा कि इण बार त्यौहार किकर मनावा।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी*
मेरठ

- ऐसे जियो कि अपने आप को पसंद आ सको।
दुनिया वालों की पसंद तो पल भर में बदल जाती है।

- दस्तक और आवाज तो कानों के लिए है,
जो रुह को सुनाई दे उसे खामोशी कहते हैं.....

- मेरी आवाज़ ही परदा है मेरे चेहरे का,
मैं हूँ ख़ामोश जहाँ, मुझको वहाँ से सुनिए।

- ख़्वाबों के पंछी कब तक शोर करेंगे पलकों पर
शाम ढलेगी और सन्नाटा शाखों पर हो जाएगा..!!

- चिंताएं तेरी बेवजह है नादान परिंदे,
जिसने पंख दिए है वो आसमान भी देगा उड़ने के लिए।

- जो चलते हैं मंजिल की ओर,
वो शिकवे नहीं किया करते....
जो करते है शिकवे गिले,
वो मंजिल पर पहुँचा नहीं करते....!!!!

- आये हो निभाने जब किरदार ज़मीं पर
कुछ ऐसा कर चलो कि ज़माना मिसाल दे...

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिये परिश्रम एवं प्रयत्न के उपरांत प्रत्येक क्षेत्र में सफलता एवं लाभ प्रदान करने वाला होगा। कई दिनों से रुका कार्य पूर्ण होगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। लम्बी यात्रा के योग रहेंगे। स्थाई सम्पत्ति से संबंधी प्रकरणों में सफलता मिलेगी। खिलाड़ी वर्ग का प्रदर्शन उत्तम रहेगा। व्यवसायिक लोगों को कार्य व्यवसाय में उत्तम सफलता प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को कड़ा परिश्रम करना पड़ेगा। विरोधी परास्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। विवाह संबंध होगा। प्रिय से भेंट एवं शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

वृषभ

यह माह आपके लिये मध्यम श्रेणी का रहेगा। प्रयास करने पर सफलता मिलेगी। धन का आवागमन बना रहेगा। वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आर्थिक संपन्नता आवश्यकतानुसार मिलती रहेगी। पारिवारिक परेशानी एवं यात्रा में कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। अज्ञात भय का वातावरण निर्मित होगा। परिश्रम रंग लायेगा एवं माह के अंत में कार्य में सफलता मिलने लगेगी। सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। पुराना विवाद दूर होगा।

मिथुन

यह माह आपके लिये कार्य व्यवसाय की दृष्टि से उत्तम रहेगा। स्थान परिवर्तन होगा। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। विवाह संबंध होगा। यात्रा में सावधानी रखना आवश्यक होगा। विरोधी परास्त होंगे। साझेदारी में वैचारिक मतान्तर उभर सकते हैं। राजकीय पक्ष के पूर्व के रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रियजनों से भेंट होगी। धार्मिक एवं मांगलिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेंगे। संतान के रुके कार्य पूर्ण होंगे। रुका हुआ धन प्राप्त होगा।

कर्क

यह माह आपके लिये परिश्रम उपरांत सफलता प्रदान करने वाला होगा। हठ करना हानिकारक रहेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। परिवार से वैचारिक मतांतर उभरेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ेगा। संतान के रुके कार्य पूर्ण होंगे। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक सम्पन्नता में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय होंगे किंतु सफल नहीं हो पायेंगे। अज्ञात भय बना रहेगा। विद्यार्थी वर्ग के लिये उत्तम समय रहेगा। लालच में धन हानि का सामना करना पड़ सकता है। मित्रों से सहयोग प्राप्त

सिंह

यह माह आपके लिये कार्य व्यवसाय में प्रगति दायक रहेगा। सुखद वातावरण निर्मित होगा। मन प्रसन्न रहेगा। राजकीय पक्ष से अनुकूलता मिलेगी। संतान के रुके कार्य पूर्ण होंगे। यश की प्राप्ति के योग रहेंगे। परिवार में उलझनें तो आएंगी परंतु समाधान भी हो जायेगा।सम्पत्ति से संबंधी प्रकरणों में सफलता मिलेगी। संतान के कार्यों में सम्मान मिलेगा। परिवार में धार्मिक मांगलिक कार्य होंगे। शौक, मौज-मस्ती, भ्रमण पर व्यय करेंगे। जान पहचान का क्षेत्र बढ़ेगा।

कन्या

यह माह आपके लिये नये कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करवायेगा। साथ ही नौकरी तथा आय के नवीन साधनों की प्राप्ति के प्रबल योग रहेंगे। शरीर कष्ट, पाचन तंत्र से संबंधित कष्ट के योग बनते हैं। लम्बे समय से रुके कार्य पूर्ण होंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। पारिवारिक समस्या का निराकरण होगा। उधार देना हानिकारक सिद्ध होगा। सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों का निपटारा होगा। स्थान परिवर्तन की सम्भावना बढ़ेगी। मित्रों एवं परिवारजनों का स्नेह सहयोग प्राप्त होगा।

तुला

यह माह आपके लिये कार्यों में सफलता तथा धन लाभ प्रदान करने वाला होगा। प्रियजन से भेंट होगी। व्यवसाय में वृद्धि होगी। विद्यार्थी वर्ग के लिये यह समय अनुकूल है। मान सम्मान यश बढ़ेगा। प्रतिभा का लाभ मिलेगा। स्थान परिवर्तन के योग, अचानक व्यय होगा। परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी। संतान के कार्यों पर खर्च करेंगे। धन सम्पत्ति के मामले में तनाव बढ़ेगा। यात्रा करने में असुविधा होगी। लेन-देन में सतर्कता एवं सावधानी रखें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

यह माह आपको कार्यों में सफलता देगा एवं मान सम्मान बढ़ायेगा। आपके नये स्त्रोत बनेंगे। मित्र सहायक होंगे। परिवार में मांगलिक व शुभ कार्य होंगे। विरोधी परास्त होंगे। पारिवारिक मतभेद बने रहने से तनाव बना रहेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। यात्रा में सावधानी रखें। सकारात्मक विचारधारा बनाये रखें। अपने परिश्रम के बल पर उन्नति करेंगे। आय की तुलना में व्यय अधिक होगा। मांगलिक, धार्मिक कार्य व विवाह संबंध तय होगा। शुभ कार्यों में भाग लेंगे।

धनु

यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। पारिवारिक खर्च बढ़ेगा। विद्यार्थी वर्ग के लिये समय भाग्यवर्धक रहेगा। माता का आशीर्वाद मिलेगा। सोचे कार्य पूर्ण होंगे। जीवन साथी का सुख प्राप्त होगा। नये समझौते होंगे जो लाभदायक रहेंगे। सुख साधनों पर व्यय होगा। किसी पर विश्वास करना हानिकारक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा आपके लिये लाभदायक रहेगी। मनोकामना पूरी होगी। यश मान-सम्मान प्राप्त होग। परिश्रम से धन एवं सफलता मिलेगी।

मकर

यह माह आपके लिये परिश्रम के उपरांत फल प्रदान करने वाला होगा। तनाव बढ़ेगा। शत्रु नितनई व्यूह रचना रचेंगे किंतु वह सफल नहीं हो पायेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। लम्बी यात्रा एवं शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। कार्य व्यवसाय में आ रही समस्या का निराकरण होगा। दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। भौतिक सुख-सुविधा में वृद्धि व ऋण के माध्यम से स्थाई सम्पत्ति का निर्माण होगा। परिवार का स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा। सोचे कार्यों में सफलता मिलने से प्रसन्नता होगी।

कुम्भ

यह माह आपके लिये सुखद रहेगा। पुराने रुके कार्य पूर्ण होंगे। आत्म विश्वास बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा। सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों का निपटारा होगा। तेजी मंदी के व्यवसाय से सावधानी रखना आवश्यक रहेगा। रोजगार के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति जागृत रहने की आवश्यकता होगी। आमोद-प्रमोद के अवसर प्राप्त होंगे। शुभ यात्रा, धार्मिक व मांगलिक कार्य में बढ़ चढ़कर भाग लेंगे।

मीन

यह माह आपके लिये व्यावसायिक यात्रा प्रदान करने वाला रहेगा। अपनी मेहनत एवं सूझबूझ से सफलता अर्जित होगी। क्रोध पर नियंत्रण रखना अति उत्तम होगा। पारिवारिक स्नेह-सहयोग की प्राप्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। धार्मिक एवं मांगलिक कार्यों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों को उत्तम फल प्राप्त होगा। परिवार में संतान प्राप्ति के योग रहेंगे। शौक-मौज-मस्ती के प्रोग्राम बनेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। संतान के रुके कार्य पूर्ण होंगे।

श्री भूतड़ा जी

उज्जैन। समाज के वरिष्ठ श्रीकृष्णकुमार भूतड़ा का स्वर्गवास गत 14 फरवरी को हो गया। उनकी इच्छानुसार उनके परिवार के सदस्यों द्वारा उनकी पार्थिव देह आर.डी. गार्डी मेडिकल कॉलेज को दान की गई। साथ ही उनकी इच्छानुसार दसवां, बारहवां, मृत्युभोज, पूजापाठ, पिंडदान नहीं करने के निर्देश का परिवार सदस्यों के साथ सुपुत्र मधुसूदन व राजेश भूतड़ा द्वारा पालन किया गया। उठावना भी नहीं करते हुए केवल श्रृद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः
भावार्थ : इस आत्मा को शस्त्र नहीं काट सकते, इसको आग नहीं जब सकती, इसको जल नहीं गला सकता और वायु नहीं सुखा सकता।

श्री देवेंद्रकुमार माहेश्वरी

अमृतसर। माहेश्वरी समाज के कर्मठ सदस्य एवं स्व. श्री रघुनंदन-लाल भंसाली के पुत्र देवेंद्र कुमार माहेश्वरी का स्वर्गवास गत 9 जनवरी को 61 वर्ष की अवस्था में हो गया। अमृतसर माहेश्वरी समाज के गठन में आपका विशेष सहयोग रहा।

श्री घनश्याम पेड़ीवाल

गुड़गांव। श्री माहेश्वरी टाईम्स संरक्षक रामकुमार टावरी के दामाद व आशीष टावरी जी दिल्ली के जीजा श्री घनश्याम पेड़ीवाल गुड़गांव निवासी का आकस्मिक निधन गत 27 जनवरी को हो गया है। आप माहेश्वरी क्लब दिल्ली के सक्रिय सदस्य थे। आप अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती शांतादेवी मूंदड़ा

उज्जैन। शहर के वरिष्ठ समाजसेवी स्व. श्री बंशीलाल मूंदड़ा की धर्मपत्नी श्रीमती शांतादेवी मूंदड़ा एवं उनके कनिष्ठ पुत्र वीरेंद्र कुमार मूंदड़ा का विगत दिनों निधन हो गया। श्रीमती शांतादेवी मूंदड़ा अत्यंत ही धार्मिक स्वभाव की महिला थीं। आप समाजसेवी श्री गोपाल मूंदड़ा एवं गोविंद मूंदड़ा की माताजी व अजय, संजय, विजय, संदीप, जय, सुधीर, मयूर एवं मधुर मूंदड़ा की ताईजी थीं। आपके निधन पर शहर के गणमान्यजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

आप भी कमा सकते हैं प्रतिमाह 10000/- रु. से अधिक

आवश्यकता है
ऊर्जावान प्रतिनिधियों की

देश की सर्वाधिक लोकप्रिय
माहेश्वरी पत्रिका
श्री माहेश्वरी टाईम्स
एवं
श्री माहेश्वरी मेलापक
(वैवाहिक डायरेक्ट्री)

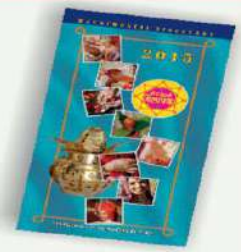

को सम्पूर्ण राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल में जिला एवं तहसील स्तर पर ऊर्जावान एवं कर्मठ प्रतिनिधियों की आवश्यकता है
आत्म विश्वास से भरपूर पर्याप्त शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवार को आकर्षक वेतन/कमीशन देय होगा। महिलाओं को प्राथमिकता।
विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें।

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)-456010
Mo. 94250 -91161
E-mail : smt4news@gmail.com, srimaheshwarimelapak@gmail.com

www.rathi.com

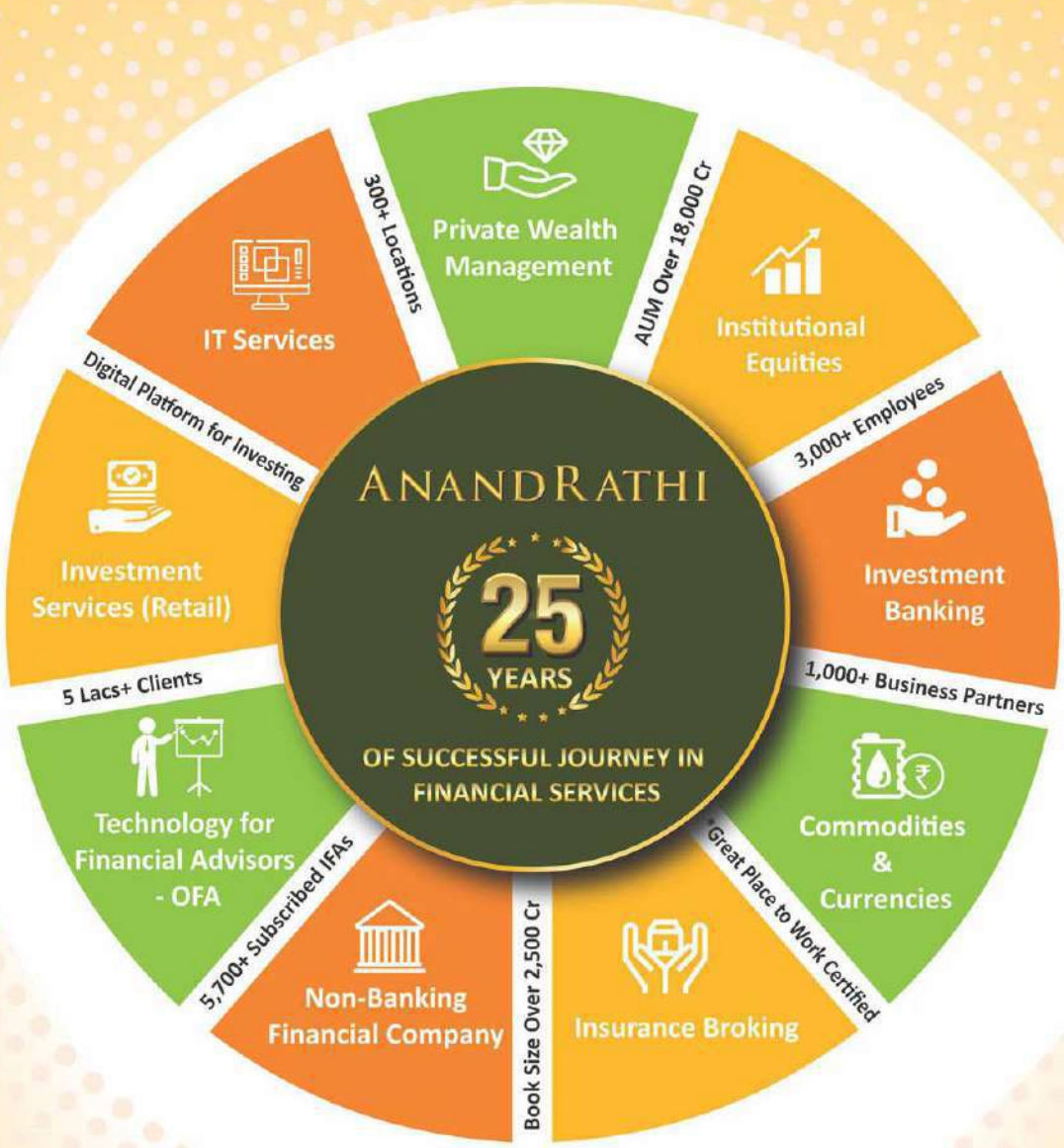

ANANDRATHI

Call us on 1800 200 1002 / 1800 121 1003 or log on to www.rathi.com

Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd. / AnandRathi Advisors Ltd.
Regd. Office: Express Zone, A Wing, 9th Floor, Western Express Highway, Opposite Oberoi Mall, Goregaon (E). Mumbai - 400063. India. Tel: 022 6281 7000
BSE (Mem.ID.949) CM: INB011371557 FO: INF010676931 BSE CD: Exchange Regn. | NSE (Mem.ID.06769) CM: INB230676935 FO: INF230676935 CD: INE230676935 | MSE (Mem.ID.1014) CM: INB260676938 FO: INF260676938 CD: INE260676935 | DP- NSDL: IN-DP-NSDL-149-2000, CDSL: IN-DP-CDSL-04-99. | Research Analyst - INH000000834 | MCX: MCX/TCM/CORP/0525 Mem.ID.: ITCM8500 | NCDEX: NCDEX/TCM/CORP/0178 Mem.No.: TCM00147 | NCDEX SPOT: NCDEXSPOT/043/CO/08/10050 Mem.No.: 10050 | PMS: INP000000282 | MBD-INM000010478 | Investment Adviser: INA000000268 | AMFI: ARN-4478 is Registered under "Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd." | ARN-100284 is Registered under "AR Wealth Management Pvt. Ltd." | ARN-111569 is Registered under "AR Venture Fund management Pvt. Ltd." --We are a distributor of Mutual Fund. Anand Rathi Global Finance Limited is registered as NBFC Regn. No.: B-13.01682. Insurance is registered under "Anand Rathi Insurance Brokers Ltd." License No. 175. PMS registered under Anand Rathi Advisors Ltd. Insurance Products are distributed under Anand Rathi Insurance Brokers Ltd. PMS, PAS & Wealth Management are not offered in commodities segment. Commodities is registered under Anand Rathi Commodities Ltd. | *Anand Rathi Wealth Services Limited.

Disclaimer: Investment in securities market are subject to market risks, read all the related documents carefully before investing. Investments in Mutual Fund are subject to market risk, read all the related documents carefully before investing.

Reaching 7500 villages, 9 million people.
Over 100 million Polio vaccinations.
5,000 medical camps / 20 hospitals:

1 million patients treated. 100,000 persons tested on 32 health parameters through Health Cubed. Over 50 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant. More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India.

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students. Mid-day meals provided to 74,000 children. Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland. Fostering the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas.

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets. 45,000 women empowered through 4500 SHGs. 200,000 farmers on board our agro-based training projects.

MODEL VILLAGES

We have adopted 300 villages for transformation into model villages. Of these over 90 villages have already reached the model village stature. And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spear-headed by Mrs. Rajashree Birla.

Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date-02 March, 2020

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com